धनबाद
गुरूवार 27.02.2025
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-31 अंक-8 पृष्ठ- 12
फाल्गुन कृष्ण पक्ष-15
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑब्जर्वर

दोषी नेताओं पर लाइफटाइम बैन का केंद्र सरकार ने किया विरोध सुप्रीम कोर्ट में कहा- अपराधी नेताओं के बारे में फैसला करेगी संसद

नई दिल्ली (ईएमएस): केंद्र सरकार ने आपराधिक मामलों में दोषी ठहराए जाने वाले राजनेताओं पर आजीवन प्रतिबंध लगाने की मांग वाली याचिका का सुप्रीम कोर्ट में विरोध करते हुए बुधवार को कहा कि इस तरह की अयोग्यता लागू करना पूरी तरह से संसद के अधिकार क्षेत्र में आता है। केंद्र द्वारा अदालत में दायर हलफनामे में केंद्र में कहा कि याचिका में यही मांग की गई है जो कानून को फिर से लिखने या संसद को एक विशेष तरीके से कानून बनाने का निर्देश देने के समान है जो न्यायिक समीक्षा की शक्तियों से पूरी तरह बाहर है। ये सवाल कि क्या आजीवन प्रतिबंध उचित होगा या नहीं, ये पूरी तरह से संसद के अधिकार क्षेत्र में है। हलफनामे में कहा गया है कि दंड की कार्रवाई और जुर्माने को उचित समय अवधि तक सीमित रखने से सुधार सुनिश्चित किया जाता है। जबकि बेवजह की सख्ती से बचा जाता है।

केंद्र ने कहा कि दंड के प्रभाव को समय के आधार पर सीमित करने में कोई असंवैधानिक बात नहीं है और यह कानून का स्थापित सिद्धांत है कि दंड या तो समय के आधार पर या फिर परिणाम के आधार पर सीमित होता है। हलफनामे में कहा गया है, यह प्रस्तुत किया

गया है कि याचिकाकर्ता द्वारा उठाए गए मुद्दों के व्यापक प्रभाव हैं और वे स्पष्ट रूप से संसद की विधायी नीति के अंतर्गत आते हैं तथा इस संबंध में न्यायिक समीक्षा की रूपरेखा में उचित परिवर्तन किया जाएगा। अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय द्वारा सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में देश में सांसदों और विधायकों के खिलाफ आपराधिक मामलों के शीघ्र निपटारे के अलावा दोषी ठहराए गए राजनेताओं पर आजीवन प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है। केंद्र ने अपने हलफनामे में कहा कि शीर्ष अदालत ने लगातार कहा था कि एक विकल्प या दूसरे विकल्प पर विधायी विकल्प पर अदालत में सवाल नहीं उठाया जा सकता।

क्या कहती है धारा 8 और 9

केंद्र ने बताया कि धारा ८ के अनुसार किसी विशेष अपराध के लिए दोषी ठहराए गए व्यक्ति को जेल की अवधि पूरी होने के बाद छह साल तक अयोग्य घोषित किया जाता है। इसी तरह धारा ९ में यह प्रावधान है कि भ्रष्टाचार या राज्य के प्रति निष्ठाहीनता के कारण बर्खास्त किए गए लोक सेवकों को बर्खास्त करने की तारीख से पांच साल तक पात्रता से वंचित रखा जाएगा। हालांकि, याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि इस तरह की अयोग्यता को आजीवन प्रतिबंध तक बढ़ाया जाना चाहिए। अयोग्यता की अवधि संसद द्वारा प्रोपोर्शनल और रीजनेबलनेस के सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए तय की जाती है। इसमें कहा गया है कि संसदीय नीति के तहत आरोपित धाराओं के तहत की गई अयोग्यताएं समय तक सीमित हैं और इस मुद्दे पर याचिकाकर्ता की समझ को प्रतिस्थापित करना तथा आजीवन प्रतिबंध लगाना उचित नहीं होगा। केंद्र ने कहा कि विवादित प्रावधान संवैधानिक रूप से मजबूत हैं और उनमें अतिरिक्त प्रतिनिधिमंडल के दोष से ग्रस्त नहीं हैं। और वह संसद के विधायी प्राधिकार के अंदर आते हैं। ▶▶ 8

मुख्यमंत्री देवघर में महाशिवरात्रि महोत्सव में हुए शामिल वैदिक मंत्रोच्चार के बीच शिव बारात को किया रवाना

देवघर (एजेंसी): महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर बाबा नगरी देवघर में बाबा भोलेनाथ के चरणों पर शीश नवाकर आप सभी का अभिनंदन करता हूं। यहां शिव बारात में सम्मिलित होने का मुझे भी अवसर मिला है। यहां हम एक ऐसे समूह के साथ खड़े हैं, जिसमें इंसान के साथ जीव -जंतु भी शामिल है। यह शिव बारात मात्र नहीं है।

ऐसे महोत्सव में इतनी बड़ी संख्या में लोगों का एकत्र होना यह दर्शाता है कि इससे ऊपर और कोई ताकत नहीं है और कहीं ना कहीं दुनिया इसी की बदौलत चल रही है। मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन आज महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर बाबा नगरी देवघर के केएनएन स्टेडियम में आयोजित शिव बारात महोत्सव को संबोधित करते हुए ये बातें कही। इस अवसर पर उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भव्य एवं आकर्षक झांकियों के साथ शिव बारात को रवाना किया।

उमंग ,उत्साह, खुशी, श्रद्धा, भक्ति एवं आस्था का है दिन

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए उमंग ,उत्साह, खुशी, श्रद्धा, ▶▶ 8

असंगठित क्षेत्र सहित भारत के सभी नागरिकों के लिए होगी यूनिवर्सल पेंशन स्कीम

नई दिल्ली (ईएमएस): भारत सरकार सभी नागरिकों के लिए नई यूनिवर्सल पेंशन स्कीम को लागू करने की योजना पर काम कर रही है। श्रम मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि सरकार एक ऐसी योजना पर काम कर रही है कि जिससे असंगठित क्षेत्र सहित भारत के सभी नागरिकों के लिए यूनिवर्सल पेंशन स्कीम उपलब्ध हो। इस समय असंगठित क्षेत्र के लोगों जैसे- निर्माण श्रमिक, घरेलू कर्मचारी और गिग वर्क्स के पास सरकार द्वारा संचालित बड़ी बचत योजनाएं पहुंच नहीं रही है। अब सरकार नई यूनिवर्सल पेंशन योजनाके जरिए सभी वेतनभोगी कर्मचारियों के साथ-

साथ स्व-रोज़गार वाले लोगों को भी पेंशन के दायरे में लाने की तैयारी कर रही है।

हालांकि इस नए प्रस्ताव और कर्मचारी भविष्य निधि संगठन जैसी मौजूदा योजनाओं के बीच एक बड़ा अंतर यह है कि पूर्व के लिए योगदान स्वैच्छिक आधार पर होगा। सरकार अपनी ओर से कोई योगदान नहीं देगी। श्रम विभाग के सूत्रों ने कहा, इस योजना के जरिए यूनिवर्सल पेंशन स्कीम बनाना है, जिसमें कुछ मौजूदा योजनाओं को शामिल कर देश में पेंशन और बचत योजना को सुव्यवस्थित किया जाए।

झारखंड सरकार ने किया टीएसी का गठन

सीएम हेमंत होंगे अध्यक्ष, चंपाई सोरेन और बाबूलाल मरांडी को भी मिली जगह

रांची (एजेंसी): झारखंड सरकार ने नई ट्राइबल एडवाईजरी कमेटी का गठन कर दिया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इसके अध्यक्ष होंगे और मंत्री चमरा लिंडा इसके उपाध्यक्ष होंगे। एससी, एसटी, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा कल्याण विभाग ने इसको लेकर अधिसूचना जारी कर दी है।

१९ सदस्यीय इस कमेटी में पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी और पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन को भी सदस्य बनाया गया है। कमेटी में विधायक स्टीफन मरांडी, लुईस मरांडी, संजीव सरदार, आलोक सोरेन, जगत मांझी, दशरथ गगरई, सुदीप गुड़िया, राम सूय मुंडा, सोनाराम सिंकू, राजेश कच्छप, जिगा सुसारन होरो, नमन विक्सल कोंगाड़ी, रामचंद्र सिंह शामिल है। इसके अलावा जोसाई मार्डी और नारायण उरांव मनोनीत सदस्य के रूप में शामिल किये गए है।

मणिपुर में 7 जिलों के लोगों ने सरेंडर किए हथियार

87 तरह के बंदूक और गोला-बारूद पुलिस को सौंपे

इंफाल (ईएमएस): मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगने के बाद से ही हथियारों का सरेंडर जारी है। बुधवार को पुलिस ने बताया कि ८७ तरह के हथियार, गोला-बारूद और अलग-अलग सामान लोग स्वेच्छा से सरेंडर कर रहे हैं। इंफाल ईस्ट, बिष्णुपुर, थौबल, कांगपोकपी, जिरीबाम, चुराचांदपुर और इंफाल वेस्ट जिलों में हथियार सरेंडर किए गए हैं।

इधर, राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने मैतेई सशस्त्र समूह आरामबाई तेंगगोल के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की है। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने कहा- राज्यपाल ने उन्हें राज्य में शांति और स्थिति को सामान्य करने के लिए मदद को कहा है। हथियारों के सरेंडर को लेकर कुछ शर्तों पर चर्चा हुई है। मणिपुर में १३ फरवरी को केंद्र सरकार ने राष्ट्रपति शासन लगाया। यह फैसला मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के ४ दिन बाद लिया गया।

पीएम मोदी मई में जाएंगे रूस

नई दिल्ली (ईएमएस): प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मई में रूस के दौरे पर जाएंगे। वे मॉस्को में होने वाली रूस की ८०वीं विक्टरी डे परेड में हिस्सा लेंगे। रूस ने सेकंड वर्ल्ड वॉर में जर्मनी को हराया था। इसके जश्न के तौर पर रूस हर साल ९ मई को विक्टरी डे परेड निकालता है। इस साल इस परेड में कई देशों के नेता शामिल होंगे। स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री परेड में शामिल होने की पुष्टि कर चके हैं।

सेना की गाड़ी पर हमला, राजौरी में आतंकियों ने की फायरिंग

राजौरी (ईएमएस): जम्मू कश्मीर के राजौरी में सेना की गाड़ी पर हमला हुआ है। बुधवार को आतंकियों ने सेना के काफिले पर गोलीबारी की है। हमला सुंदरबनी इलाके में हुआ है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आतंकियों ने सेना के वाहन पर एक से दो राउंड फायरिंग की। हमले के समय सेना का वाहन गश्ती कर रहा था। हमले में अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

गोदावरी नदी में नहाने गए 12 युवक डूबे, पांच की मौत

अमरावती (ईएमएस): आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में बुधवार सुबह नहाने गए १२ लोगों के एक समूह में से पांच लोग गोदावरी नदी में डूब गए। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि यह हादसा सुबह करीब साढ़े आठ बजे ताड़ीपुड़ी गांव के तल्लापुडी मंडल में हुआ।

मीडिया रिपोर्ट में पुलिस के मुताबिक गोदावरी नदी में नहाने गए १२ युवकों में से पांच डूब गए जबकि सात किसी तरह बचने में सफल रहे।

समूह के लोग स्नान के बाद महाशिवरात्रि पर्व पर पास के एक मंदिर जाने वाले थे। मृतक और बचे युवकों में ज्यादातर की उम्र २० साल से कम बताई जा रही है। पुलिस दमकल सेवा और स्थानीय लोग डूबे हुए लोगों की तलाश कर रही है।

7 साल की बच्ची के बयान पर हत्यारे पिता को उम्रकैद

सुप्रीम कोर्ट बोला- गवाही की कोई उम्र सीमा नहीं होती

नई दिल्ली (ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि गवाह की कोई उम्र सीमा नहीं होती है। अगर कोई बच्चा गवाह देने में सक्षम है तो उसकी गवाही उतनी ही मान्य होगी, जितनी किसी और गवाह की।

दरअसल, कोर्ट ने ७ साल की बच्ची के गवाह के आधार पर हत्यारे पति को दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। बच्ची ने अपने पिता को मां की हत्या करते देखा था। जस्टिस जे.बी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के उस आदेश को खारिज कर दिया, जिसमें आरोपी को बरी कर दिया था। साथ ही लड़की का बयान खारिज कर दिया था।

2003 में पति ने अपनी पत्नी की हत्या की थी

मामला १५ जुलाई २००३ का है। मध्य प्रदेश के सिंघराई गांव में पति बलवीर सिंह ने पत्नी बीरेंद्र कुमारी की हत्या की थी। बलवीर सिंह पर आरोप था कि उसने अपनी को गला घोंटकर कर मार दिया और अपनी बहन की मदद से आधी रात में उसका अंतिम संस्कार कर दिया। अंतिम संस्कार की जानकारी मृतक महिला के रिश्तेदार भूरा सिंह को लग गई, जिसके बाद घटना की शिकायत पुलिस में की। इस घटना की सबसे बड़ी गवाह मृतक की बेटी रानी थी। उसने कोर्ट को बताया कि उसके पिता ने मां को गला घोंटकर मारा था।

झारखंड में लिंगानुपात में आ रहा अंतर, सोरेन सरकार ने लिया एक्शन

रांची (ईएमएस): झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार अब एनजीओ-पीएनडीटी स्कीम लागू करने की तैयारी में है, इसमें एनजीओ की मदद से सभी रेडियोलाजी और सोनोग्राफी सेंटरों की निगरानी होगी। यह निर्णय राज्य में लिंगानुपात में आ रहे अंतर को देखकर लिया गया है।

बात दें कि पिछले कुछ सालों में लगातार शिशु लिंगानुपात में हो रही कमी की वजह से सितंबर १९९४ में पीसीपीएनडीटी एक्ट लागू किया गया था। लेकिन इस एक्ट को प्रभावी बनाने के लिए एनजीओ-पीएनडीटी स्कीम को लागू की जा रही है।

एनजीओ-पीएनडीटी स्कीम लागू करने की तैयारी में

वहीं, कन्या भ्रूण हत्या के लिए लोगों को प्रेरित करने वाले सोनोग्राफी सेंटरों पर भी नजर रहेगी। इसके लिए केंद्र सरकार की ओर से एनजीओ-पीएनडीटी स्कीम शुरू की गई है। एनजीओ कन्या भ्रूण हत्या रोकने तथा बेटियों की संख्या बढ़ाने के लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाएंगें। एनजीओ की रिपोर्ट सीधे केंद्र सरकार को भेजी जाएगी। **रांची जिले में 279 अट्रासाउंड सेंटर चल रहे हैं** राज्य में कई अल्ट्रासाउंड सेंटर हैं जहां पर छापेमारी हो चुकी है और उन्हें भ्रूण जांच करने के शक पर बंद भी किया जा चुका है। जहां भी शिशु लिंग अनुपात कम, मातृ मृत्यु दर अधिक और जहां भी डाइग्नोसिस सेंटर की संख्या अधिक है, वहां इस स्कीम को पहले लागू किया जायेगा। रांची जिला में २७९ अल्ट्रासाउंड रेडियोलाजी सेंटर संचालित हो रहे है। इसके अलावा स्कीम में सोरेन सरकार की ओर से चयनित एनजीओ जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर लोगों को कन्या भ्रूण हत्या रोकने व बेटियों को बचाने के लिए जागरूक करेगी ताकि भ्रूण हत्या रोका जा सके।

बिहार ऑब्जर्वर के 31वें स्थापना दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं

Nalanda Developers Presents

NALANDA ATMOSPHERE

(Commercial Cum Residential Project)

At Binod Bihari Chowk, Pandarpala, Beside Vishal Mega Mart, Dhanbad.

Available for Shops, Office, Resturents & Residential Flats (Map Approved by DMC, Dhanbad.)

Contact No. - 9334016016 / 9431121066 / 9835105510

शहर में धूमधाम से निकली बाबा भोलेनाथ की बारात

धनबाद (कासं) : महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर जिले के विभिन्न शिव मंदिरों से बाबा भोलेनाथ की बारात धूमधाम से निकाली गई, जो शहर के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण करते हुए वापस अपनेअपने मंदिर पहुंची।

बारात में महादेव शंकर भगवान तथा मां पार्वती की आकर्षक झाकियां देखी गई। कुछ मंदिरों में कोलाकुसमा शिव मंदिर, कुसुम विहार राम मंदिर, कोयला नगर बीसीसीएल, स्टीलगेट सरायढेला शिव मंदिर, भुईफोड़ पहाड़ी माता मंदिर, पुलिस लाईन शिव मंदिर आदि शिव मंदिरों में काफी भीड़ देखी गई। इसमें भूतप्रेत, ओघड़, अघोरी तथा शिव पार्वती की झाकियां शामिल थी।

बाराती में लोग हर हर महादेव के जयकारे लगा रहे थे। बुधवार की शाम सोमनगर दामोदरपुर के सोमेश्वर नाथ शिव मंदिर से बाबा भोलेनाथ की धूमधाम से बारात निकाली गई, जो शहर का भ्रमण करते हुए हीरापुर स्वामी विवेकानंद पहुंची। वहां से पुनः बारात वापस दामोदरपुर लौट गई। बारात में आकर्षक झाकियां देखी गई थी।

विधायक रागिनी सिंह ने की बाबा भोलेनाथ पूजाअर्चना

जोड़ापोखर (ससे) : महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर झरिया विधायक रागिनी सिंह ने झरिया विधानसभा क्षेत्र के शिमला बहाल बोर्रागढ़ गोरखपुरी कैम्प सहित विभिन्न शिवालयों में भगवान शिव की पूजा-अर्चना एवं माथा टेकर आशीर्वाद लिया वही पाथर बंगला में आयोजित भगवान शिव की बारात में शामिल हुई वही पूजासमिति सदस्यों को अपनी बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

सीएम हेमंत सोरेन ने जाना सांसद महुआ माजी का हाल

रांची (ससे) : मुख्य मंत्री हेमंत सोरेन अपने विधायक पत्नी कल्पना सोरेन के साथ रांची के ऑर्किड अस्पताल पहुंचे। यहां उन्होंने इलाजरत जख्मी सांसद महुआ माजी का हालचाल जाना और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। इसके बाद वे देवघर के लिए रवाना हो गये। देवघर में सीएम हेमंत सोरेन को शिव बारात में शिरकत करना है। यहां याद दिला दें कि आज यानी बुधवार की सुबह सांसद महुआ माजी की कार का एक्सीडेंट हो गाय था। उनकी कार एक खड़े ट्रक से टकरा गयी। कार उनके बेटे चला रहे थे। हादसा तालेहार के सदर थाना क्षेत्र स्थित होटवाग एनएच७५ के खुशबू ढाबा के पास हुआ। इस हादसे में उनका बेटा, उनकी बहू और ड्राइवर घायल हो गये। फिलहाल सभी ऑर्किड अस्पताल में हैं।

लोयाबाद व केन्दुआ के शिवालयों में लगी भक्तों की कतार

केंदुआ/लोयाबाद/पुटकी (ससे) : महाशिवरात्रि को लेकर प्रत्येक

वर्ष की भांति इस वर्ष भी केन्दुआडीह, लोयाबाद और पुटकी थाना क्षेत्र के गोधर, कुसुण्डा, गंसाडीह, मैरिंग, खैरा, काठगोदाम, केन्दुआ बाजार तथा बसुरिया आदि क्षेत्रों के शिव मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। केन्दुआडीह पुलिस विधि-व्यवस्था कायम रखने के लिए सभी चौक चौराहों पर तैनात थे। केन्दुआडीह थाना परिवार क्षेत्र से आये सभी शिवभक्तों का स्वागत किया और महाप्रसाद का वितरण किया गया। लोयाबाद थाना क्षेत्र के शिवालयों में आकर्षक साज-सज्जा व भव्य पंडाल का आयोजन किया गया है। स्थानीय पंडितों के द्वारा विधि-विधान पूर्वक मंत्रोचारण कर सभी शिव मंदिरों से निकाली गई देवों के देव महादेव, भोले बाबा की गाजेबाजे ढोल नगाड़े के साथ भव्य बारात निकला, जहां बच्चे, युवक कलाकार भूतप्रेत का वेशभूषा बनाकर बारात में शामिल हुए। लोयाबाद पुलिस हर चौकचौराहों पर तैनात थे। लोयाबाद थाना प्रभारी सत्य जीत कुमार और थाना परिवार ने सेन्द्रा, बांसजोड़ा, कनकनी, एकड़ा, लोयाबाद पावर हाऊस, लोयाबाद बाजार आदि क्षेत्रों से आये शिव बारातियों का स्वागत किया। पुटकी पुलिस हर चौक-चौराहों पर तैनात थे। पुटकी थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर वक्कार हुसैन और थाना परिवार ने विभिन्न क्षेत्रों से आये शिव बरातियों का स्वागत किया। थाना परिसर में सैकड़ों लोगों ने महाप्रसाद ग्रहण किया।

भगवान भोलेनाथ को किया गया जलाभिषेक

सिंदरी (ससे) : बुधवार को महाशिवरात्रि का पर्व पूरे सिंदरी अंचल में धूमधाम से मनाया गया। भगवान शिव के मंदिर में जलाभिषेक कर पूजाअर्चना किया। सभी मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ दिन भर पूजाअर्चना जलाभिषेक श्रद्धालुओं द्वारा किया गया। थानेश्वर मंदिर रोड़ाबांध से धूमधाम से शिवजी का बारात निकाली गई। बारात में सैकड़ों लोग शामिल होकर एसीसी हनुमानजी के मंदिर पहुंचे एवं माता पार्वती का शुभ विवाह संपन्न हुआ।

बारातियों में पुलिस उपाधीक्षक आशुतोष कुमार सत्यम, सिंदरी थाना प्रभारी संजय कुमार एवं सिंदरी के गणमान्य लोग उपस्थित थे। बारातियों का भव्य रूप से स्वागत चेम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष सह एसीसी हनुमान मंदिर माता पार्वती विवाह के संयोजक दीपक कुमार दीपू ने किया। बारातियों को एवं अन्य श्रद्धालुओं को मिठाई एवं स्वादिष्ट शर्बत से दिया गया। विवाह एवं पूजा-अर्चना मंदिर के पुजारी आचार्य संतोष बाबा ने करवाया। गौशाला थाना शिव मंदिर को भव्य रूप से सजाया एवं भंडारा थाना प्रभारी रवि कुमार सिंह के देखरेख में किया गया। मुख्य रूप से शामिल में बीआईटी निदेशक पंकज राय, अशोक जिंदल, सावित्री पांडेय इत्यादि। नागधारी मंदिर एफसीआईएल कैम्पस में भक्तों की भारी भीड़ पूजा-अर्चना किया एवं खीर का प्रसाद ग्रहण किया। मुख्य रूप से जजमान आयोजनकर्ता में सतेन्द्र एवं अन्य रहे। मनोहरटांड़ शिव मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। पूजाअर्चना पुजारी जयराम पांडेय ने किया। शोभायात्रा में सुनीत उपाध्या, सुमन कुमार इत्यादि।

मजदूर की पिटाई से लोगों में गुस्सा

धनबाद (कासं) : निरसा कंचनडीह के दो अल्पसंख्यक समुदाय के इम्तियाज अंसारी, अजिमउददीन अंसारी के साथ पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष रोबिन गोराई द्वारा अपने गुर्गे के साथ अपने अवैध कोयले की फैक्टरी में दोनों मजदूरों को बांध का बुरी तरह से मारपीट कर हाथ पांव तोड़ कर घायल कर झूठा मुकदमा लोहा चोरी करने का आरोप लगाया। झारखंड प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता शमशेर आलम एवं धनबाद जिला कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के जिलाध्यक्ष जाहिर अंसारी ने घायल एवं घायल पीड़ित परिवार से एसएनएमएमसीएच हॉस्पिटल धनबाद में मिलकर घायलों से जानकारी प्राप्त किया।

पीड़ित घायलों ने कहा कि हम मजदूर है और अपनी मजदूरी का बकाए रूपया रोबिन गोराई से मांगने फैक्ट्री गया था। ना कि लोहा चोरी करने गए थे जब हम दोनों रोबिन गोराई से अपने मजदूरी का रुपये का मांग किए तो रोबिन गोराई गुस्से से हम दोनों को अपने गुर्गे द्वारा कह कर एक पोल में बांधकर बुरी तरह रडलाठी से पिटवाया और हमदोनों का हाथ पांव तोड़कर बुरी तरह घायल कर लोहा चोरी के इल्जाम लगाकर कालुबथान थाने में पहुंचा दिया। जबकि यह गलत रोबिन गोराई द्वारा बात कहा जा रहा है।

जिला प्रशासन हम दोनों का इन्साफ करें। प्रदेश प्रवक्ता शमशेर आलम ने कहा कि यह घटना बहुत ही घोर निंदनीय है अविलंब जिला के वरीय पुलिस अधीक्षक अपने स्तर से जांच कर दबंग माफिया रोबिन गोराई पर कार्रवाई करें। यह मामला मॉब लिंचिंग का है जिसे कांग्रेस बर्दाश्त नहीं करेंगी।

जिलाध्यक्ष अल्पसंख्यक कांग्रेस विभाग के जाहीर अंसारी ने कहा कि यह हरकत संघी मानसिकता का रोबिन गोराई की दबंगता नहीं चलने दिया जाऐगा। निरसा अंचल पुलिस निरीक्षक एवं कालुबथान थाना प्रभारी रोबिन गोराई का ही भाषा बोल रहा है जबकि यह घटनाक्रम शुद्ध रूप से मॉब लिंचिंग बनाकर किया गया है।

बीसीसीएल में महिला सशक्तिकरण पर कार्यशाला

धनबाद (कासं) : बीसीसीएल के मानव संसाधन कल्याण विभाग, जगजीवन नगर में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बीसीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों, केन्द्रीय चिकित्सालय तथा मुख्यालय से ३० से अधिक महिला कार्मिकों ने सहभागिता की।

कार्यशाला का प्रथम सत्र भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), आईएसएम धनबाद की प्रोफेसर आकांक्षा सिन्हा द्वारा लिया गया, जिसमें उन्होंने महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक एवं व्यावसायिक विकास के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कार्यस्थल पर लैंगिक समानता, नेतृत्व कौशल एवं आत्मनिर्भरता पर विस्तृत चर्चा की।

द्वितीय सत्र का संचालन वाशरी डिवीजन प्रबंधक (कार्मिक) प्रिया सिंह द्वारा किया गया, जिसमें उन्होंने कार्यस्थल पर महिला सुरक्षा, अधिकारों तथा नीतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर बल दिया। उन्होंने बीसीसीएल में महिलाओं के हितों की सुरक्षा के लिए उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं एवं प्रावधानों की जानकारी दी। कार्यक्रम के समन्वय की जिम्मेदारी मुख्य प्रबंधक (मानव संसाधन) आरएन विश्वकर्मा ने निभाई। उन्होंने इस अवसर पर महिलाओं के कार्यस्थल पर सशक्तिकरण को लेकर बीसीसीएल के प्रयासों की सराहना की और कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएँ महिलाओं के आत्मविश्वास को बढ़ाने में सहायक होती हैं। कार्यशाला के फीडबैक सत्र के दौरान महिला कर्मचारियों ने अपने अनुभव साझा किए और महिला सशक्तिकरण के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

महुदा गोलीकांड मामले में प्राथमिकी दर्ज

कतरास (ससे) : महुदा थाना क्षेत्र स्थित वाशरी रेलवे गेट के पास हुई गोलीबारी मामले में श्री तिरुपति बालाजी इंटरप्राइजेज लिमिटेड के प्रॉपराइटर योगेंद्र शर्मा ने बुधवार को थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने इस घटना को लेकर निष्पक्ष जांच और सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि इस तरह की घटनाएं न केवल मजदूरों में भय का माहौल पैदा कर रही हैं, बल्कि निर्माण कार्य भी बाधित हो रहा है।

योगेंद्र शर्मा ने मीडिया से अपील की कि ऐसे अपराधियों को अनावश्यक महत्व न दिया जाए, जिससे उनका मनोबल न बढ़े और कानून व्यवस्था को बनाए रखने में मदद मिले।

महुदा पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज कर दी है। पुलिस ने पूर्व मंत्री जलेश्वर महतो के लालबंगला स्थित आवास में लगे सीसीटीवी कैम्मरों के डीवीआर फुटेज की जांच शुरू कर दी है। इसके अलावा, अन्य महत्वपूर्ण स्थानों के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं, ताकि अपराधियों की पहचान की जा सके।

पुलिस के अनुसार, मौके से बरामद साक्ष्यों और तकनीकी जांच के आधार पर कुछ अहम सुराग मिले हैं, जिनके आधार पर अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी संभव है। पुलिस इस वारदात में शामिल लोगों के पिछले रिकॉर्ड और संपर्कों की भी जांच कर रही है।

इस वारदात के बाद स्थानीय लोगों में डर और आक्रोश है। लगातार बढ़ती आपराधिक घटनाओं ने पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। क्षेत्र के लोग जल्द से जल्द दोषियों की गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं, ताकि इलाके में दोबारा शांति बहाल हो सके। पुलिस का कहना है कि वे हर पहलू से मामले की जांच कर रहे हैं और जल्द ही अपराधियों को पकड़ लिया जाएगा। अब देखना यह होगा कि पुलिस कितनी तेजी से इस घटना का पर्दाफाश कर इलाके में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत कर पाती है।

विधायक जय मंगल सिंह राकोमयू का जिला प्रभारी बनाए जाने खुशी

जोड़ापोखर (ससे) : जय मंगल सिंह उर्फ अनूप सिंह को धनबाद एवं कोडरमा जिले का प्रभारी बनाए जाने पर जोड़ापोखर स्थित राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन कार्यालय में एक दूसरे को बधाइयां देकर हर्ष जताया तथा कांग्रेस के संगठन नेतृत्व एवं झारखंड प्रदेश प्रभारी राजू का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर धनबाद जिला कांग्रेस कमिटी के उपाध्यक्ष सतपाल सिंह ब्रोका ने कहा निश्चित रूप से बेरमो विधायक कुमार जय मंगल सिंह अनूप सिंह के प्रभारी बनने से कांग्रेस पार्टी का संगठन धनबाद और कोडरमा में सशक्त और मजबूत होगा। उनके कुशल नेतृत्व संगठनात्मक अनुभव का लाभ दोनों जिलों को मिलेगा। नई ऊर्जा प्रखंड से लेकर पंचायत स्तर मिलेगी। कांग्रेस सांगठनिक कामकाज बेहतर होकर ग्रास रूट तक सशक्त होकर उभरेगी और जनहित के कार्यों को सेवा भावना से समर्पित होकर करेगी निश्चित रूप से पूर्ण विश्वास है कि कुमार जय मंगल सिंह अनूप सिंह के मार्गदर्शन में कांग्रेस पार्टी धनबाद एवं कोडरमा जिले में नई ऊंचाइयों को छूएगी और संगठन को मजबूती एवीएन बल मिलेगा। बधाई देने वालों में धनबाद जिला कांग्रेस कमिटी के सचिव किशोर कुमार, आर एन चौबे, प्रदेश सचिव रामगोपाल भुवानिया, प्रदेश सचिव वैभव सिन्हा, धनबाद जिला उपाध्यक्ष नवनीत नीरज, झरिया प्रखंड कार्यकारी अध्यक्ष भगवान दास, धनबाद जिला कांग्रेस कमिटी महासचिव बंभोली सिंह, पाथरडीह कोलवाशरी के यूनियन अध्यक्ष श्याम प्रसाद सिंह आदि शामिल है।

महेशपुर कोलियरी में मिला आश्रितों को नियोजन

कतरास (ससे) : फूलारीटांड़ मधुबन थाना क्षेत्र गोविंदपुर एरिया तीन अंतर्गत महेशपुर कोलियरी में कार्यरत खरखरी निवासी ५२ वर्षीय कन्हाई बाउरी की अचानक तबीयत बिगड़ गई। एंबुलेंस से उसे सेंट्रल हॉस्पिटल धनबाद में भर्ती कराया गया। स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए दुर्गापुर स्थित गौरी देवी अस्पताल में रेफर किया गया जहां इलाज के दौरान मंगलवार को उनकी मृत्यु हो गई। परिजनों ने लाश को लेकर महेशपुर कोलियरी खदान के समीप रखकर संयुक्त मोर्चा नेताओं ने धरनाप्रदर्शन करने लगे और प्रोविजनल नियोजन की मांग करने लगे। कंपनी ने नियोजन देने में अनाकानी करने लगे बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो के पहल पर २४ घंटा बाद बीसीसीएल ने कन्हाई बाउरी दूसरी पत्नी के छोटे पुत्र आनंद कुमार बाउरी को प्रोविजनल नियोजन पत्र बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो एजीएम जयंत जायसवाल एपीएम अमित कुमार महतो पीओ विजय कुमार मैनेजर नारायण हंसदा ने आश्रितों के परिवार एवं उनके पुत्र आनंद कुमार बाउरी को दिया। मौके पर संयुक्त मोर्चा के नेता गौर चन्द बाउरी, शेख रहिम बसंत शर्मा, दिनेश महतो, नेपाल रवानी, रमेश कुमार विश्वकर्मा, संजय गोप सुनील हाड़ी गोपाल बाउरी, सुशील सिंह, विजय सिंह, बंटी बाउरी, विशाल सिंह, विकाश सिंह, शेरा चंदन, चावड़ा सुभाष, बाउरी अरविंद, भारती, सुदेश दास, लालू बाउरी, जयराम बाउरी, प्राण बाउरी, गोपाल बाउरी, आनंद बाउरी, धनेश्वर रवानी, शेख कलीम, शेख युसूब आदि मौजूद थे।

कीचड़ से बायोप्लास्टिक का उत्पादन

धनबाद (कासं) : पर्यावरण विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग के ईआईएसीपी कार्यक्रम केंद्र ने पर्यावरण विज्ञान और इंजीनियरिंग सोसायटी, आईआईटी (आईएसएम) में पर्यावरण के लिए जीवनशैली मुख्य व्याख्यान श्रृंखला २०२४-२५ के तहत २६ फरवरी को जीजेएलटी, आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में एक ज्ञानवर्धक मुख्य व्याख्यान का आयोजन किया गया। आमंत्रित मुख्य वक्ताडॉ. पार्थ चक्रवर्ती, एमडी, रिगेल बायोएनवायरन सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, कोलकाता, अपशिष्ट कार्बनिक पदार्थों को लागत प्रभावी तकनीकों के माध्यम से मूल्यवान पॉली हाइड्रॉक्सीअल्का नोएट्स (पीएचएएस)बायोप्लास्टिक, बायोसीएनजी, बायोब्युत्पन्न में परिवर्तित करना विषय पर एक ज्ञानवर्धक और विचारोत्तेजक व्याख्यान दिया। डॉ. पार्थ के व्याख्यान में प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ते कार्बनिक प्रदूषकों से बचाने के लिए उच्चस्तरीय मूल्यवर्धित उत्पादोंपीएचए बायोप्लास्टिक जैव ईंधन और जैवब्युत्पन्न में रूपांतरण, बायोप्लास्टिक की कम लागत, आयात में कटौती, कम कीमत पर जीवाश्म ईंधन को बदलने के लिए अपशिष्ट स्रोतों की विस्तृत श्रृंखला से जैव ईंधन का उत्पादन करने जैसे प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। डॉ. पार्थ के व्याख्यान ने प्रतिभागियों को स्थायी अपशिष्ट प्रबंधन और अभिनव जैवसमाधानों के बारे में गंभीरता से सोचने के लिए प्रेरित किया। मुख्य व्याख्यान के बाद, डॉ. चक्रवर्ती ने प्रयोगशाला में कीचड़ से बायो-प्लास्टिक उत्पादन की प्रक्रिया का प्रदर्शन करते हुए एक व्यावहारिक प्रदर्शन किया, जिससे प्रतिभागियों को तकनीक की व्यावहारिक समझ मिली। यह कार्यक्रम प्रो. आलोक सिन्हा (एचओडी, ईएसई विभाग और समन्वयक, ईआईएसीपी केंद्र), गुप्ता, (डीनछात्र कल्याण और प्रोफेसर (एचएजी), ईएसई विभाग) और प्रो. सुरेश पांडियन (एसोसिएट प्रोफेसर, ईएसई विभाग और सहसमन्वयक, ईआईएसीपी केंद्र))। यह कार्यक्रम पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ और सीसी), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित था।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. ✱ पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

शांतिनाथ महादेव मंदिर बड़गांव का हुआ प्राणप्रतिष्ठा

रफीगंज (बिहार) : औरंगाबाद जिले के रफीगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत बड़गांव के कोईरी टोला स्थित बड़ुआ महादेव जिसे लोग

● सदियों पुराना बड़ुआ महादेव मंदिर का हुआ जीर्णोद्धार
● भोलेनाथ के चमत्कार को लोग करते हैं नमस्कार

शांतिनाथ महादेव के नाम से भी जानते है। आज शिवरात्रि के अवसर पर शांतिनाथ महादेव मंदिर के जीर्णोद्धार के बाद नये मंदिर का निर्माण पूरा होने पर धार्मिक विधिविधान से शिवपार्वती का प्राणप्रतिष्ठा कराने के बाद शिव-पार्वती का विवाह करवाया गया। जिसमें मुख्य जजमान राकेश मेहता और धर्मपत्नी रूपा कुमारी एवं दूसरे जजमान गणेश कुमार और उनकी पत्नी ने विधिवत पूजा-अर्चना की।

पूर्व में शांतिनाथ महादेव मंदिर का निर्माण १९७० के दशक में झरिया राज अस्पताल रोड के उद्योगपति स्व. सांवर प्रसाद अग्रवाल की धर्मपत्नी शांतिदेवी अग्रवाल ने अपने पुरोहित पंडित स्व. नंदकिशोर मिश्रा के माध्यम से बड़ुआ महादेव जो कि अपने आँप प्रकट शिव लिंग कहा जाता है। उसका निर्माण करवाकर बड़गांव के लोगों के विचार से उस मंदिर का नाम शांतिनाथ महादेव मंदिर रखा गया था। पुराने मंदिर के गिरने के बाद इस शिव मंदिर का निर्माण अग्रणी भूमिका राकेश मेहता ने निभाया।

ग्रामीणों के आर्थिक सहयोग के अलावा कई लोगों ने मंदिर निर्माण में सहभागी बने। स्व. पंडित पुरोहित नंदकिशोर मिश्र के पुत्र बिहार ऑब्जर्वर अखबार के संपादक गणेश मिश्रा ने भी इस पुनर्निर्माण में आंशिक दान किया है। वहीं स्व. शांतिदेवी अग्रवाल के पुत्र अनिल अग्रवाल ने भी मंदिर निर्माण में अपना सहयोग दिया। यही नहीं चौबड़ा बड़गांव के शिक्षक अजित मिश्रा सहित कई लोगों ने भोलेनाथ मंदिर के नवनिर्माण में सहभागी बने। प्राणप्रतिष्ठा के अवसर पर शांतिनाथ महादेव मंदिर में जाकर सैकड़ों महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली और भोलेबाबा को जल चढ़ाया। कहा जाता है कि जो भक्त भोलेनाथ बड़ुआ महादेव से मन्नत मांगता है उसके मुराद पूरी होती है। पूरे औरंगाबाद क्षेत्र में इस मंदिर की चर्चा होती है।

एमएनवीएस प्रभाकर ने संभाला स्टील प्लांट का कार्यभार

धनबाद (कासं) : एनएमडीसी के कार्यकारी निदेशक एमएनवीएस प्रभाकर ने एनएमडीसी स्टील लिमिटेड के एकीकृत स्टील प्लांट के प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाला। प्रभाकर ने पदभार ग्रहण करने पर कहा कि एनएसएल, नगर की गतिशील टीम का नेतृत्व करना मेरे लिए सम्मान की बात है। इस टीम ने अपने कमीशनिंग के बाद बहुत कम समय में कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं। मैं स्टील प्लांट के सभी हितधारकों से, आंतरिक और बाहरी दोनों, समर्थन की आशा करता हूं ताकि हम सामूहिक रूप से इस स्टील प्लांट की न केवल बस्तर या छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे

देश के गौरव के रूप में पहचान बना सके। श्री प्रभाकर की नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब भारत के सबसे युवा स्टील प्लांट ने हॉट रोल्ड कॉइल्स (एचआर कॉइल्स) बाजार में अपनी विशिष्ट जगह बनाई है और हॉट मेटल उत्पादन में ३ मिलियन टन आंकड़े की तरफ तेजी से बढ़ते हुए जल्द ही आर्थिक रूप से ब्रेकईवन करने के प्रयास में लगा है। एक अनुभवी टेक्नोक्रेट, प्रभाकर, बीटेक (मेटलर्जी) और मानव संसाधन एवं विपणन में एमबीए हैं। एनएमडीसी स्टील प्लांट की जिम्मेदारी सँभालने से पहले वह सेल के राउरकेला स्टील प्लांट (आरएसपी) में मुख्य महाप्रबंधक (प्रभारी सर्विसेस) के पद पर पदस्थ थे। अपने ३४ वर्षों से अधिक के सेवाकाल में प्रभाकर आरएसपी में परिचालन के कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों के प्रभारी रहे हैं, जिसमें उन्होंने संगठन के उद्देश्यों को सफलतापूर्वक पूरा किया है।

पत्नी के शक करने से परेशान पति उसकी हत्या कर शव जलाया

अंबिकापुर (ईएमएस) : छत्तीसगढ़ के सरगुजा के कुंवरपुर जंगल में महिला का जला हुआ कंकाल मिलने से हड़कंप मचा हुआ था। जिसके बाद पुलिस ने जांच कर पूरे मामला का खुलासा कर दिया है। पुलिस के अनुसार पति ने ही पत्नी की हत्या कर शव को जला दिया था और फिर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवा दी।

जानकारी के अनुसार ३२ वर्षीय आरोपी अमरीश कुमार निषाद जिला मुजफ्फरपुर उत्तर प्रदेश ने १४ फरवरी २०२५ को अपनी पत्नी मौनी निषाद राज २८ वर्ष की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवा दी थी। आरोपी ने बताया कि अनूपपुर से कटनी जाने के दौरान ट्रेन में उसकी पत्नी फ्रेश होने का कहकर गई थी और फिर वापस नहीं लौटी। काफी तलाश के बाद भी पत्नी का पता न चलने पर अमरीश ने शहडोल जीआरपी थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवा दी। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि मौनी निषाद को शक था कि उसके पति के किसी और महिला के साथ संबंध है। इस लेकर दोनों के बीच आए दिन विवाद होता था। इससे परेशान होकर अमरीश ने ११ फरवरी २०२५ को पत्नी को घुमाने के बहाने कुंवरपुर जंगल में सुनसान जगह पर ले जाकर गला घोंटकर उसकी हत्या कर फिर शव पर पेट्रोल डालकर जला दिया। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने कुंवरपुर जंगल में छानबीन की और महिला की जला हुआ कंकाल बरामद किया।

नेट परीक्षा में एकता सरोज ने मारी बाजी

जोड़ापोखर (ससे) : धनबाद बीएसएस बालिका उच्च विद्यालय में बड़ा बाबू के पद पर कार्यरत भागा १६ नम्बर निवासी असर्फी लाल सरोज की पुत्री एकता सरोज ने यूजीसी नेट दिसंबर २०२४ की परीक्षा में ९८.२२ परसेंटाइल लेकर सफलता हासिल किया। एकता सरोज की सफलता से परिजनों तथा मोहल्ले के लोगों में बीच काफी हर्ष का माहौल है। एकता सरोज ने अपनी सफलता का श्रेय अपने मातापिता तथा शिक्षक को दिया है। फिलहाल एकता सरोज दिल्ली में रह रही है। वही दिल्ली यूनिवर्सिटी से एमए की पढ़ाई कर रही है।

हाई सिक्योरिटी जेल में सिम ले जाते पकड़ा गया जेल प्रहरी

अजमेर (ईएमएस) : राजस्थान की इकलौती हाई सिक्योरिटी जेल जिसमें कई बार कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को बंद किया गया है, उसमें एक जेल प्रहरी की शर्मनाक करतूत सामने आई है। इसमें जेल प्रहरी अनोखे तरीके से मोबाइल सिम को छिपा कर ले जा रहा था। पुलिस की लाठी और सीटी दोनों ही अपराधियों के लिए एक सबक होती है। दूसरी ओर जेल प्रहरी ने इसका फायदा उठाकर सीटी में काली टेप से तीन सिम छिपाकर जेल के अंदर जाने लगा। लेकिन तभी एक कांस्टेबल ने उसके मंसूबों पर पानी फेर दिया।

फलौदी निवासी छोटाराम जेल में ड्यूटी पर तैनात थे। जेल के मुख्य द्वार पर तैनात कांस्टेबल को उस पर शक हुआ। इस पर कांस्टेबल ने छोटाराम की तलाशी ली, तभी उसके पास से तीन सिम कार्ड मिले। ये सिम कार्ड काली टेप में सीटी पर लिपटे हुए थे। जेल अधीक्षक को इसकी सूचना मिली। उन्होंने तुरंत सिविल पुलिस को खबर दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर छोटाराम को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जानने की कोशिश कर रही है कि छोटाराम ये सिम जेल के अंदर किसे देने वाला था। पुलिस को शक है कि जेल के अंदर कोई गैरकानूनी काम चल रहा है। इसकारण पुलिस छोटाराम से पूछताछ कर रही है ताकि सच सामने आ सके।

यह घटना चिंताजनक है, क्योंकि प्रदेश की इकलौती हाई सिक्योरिटी जेल में मोबाइल फोन प्रतिबंधित हैं। मोबाइल फोन के जरिए कैदी बाहरी दुनिया से संपर्क कर सकते हैं और अपराध को अंजाम दे सकते हैं। इस घटना से जेल की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं।

मीडिया यूजर के खिलाफ हरभजन सिंह ने दर्ज कराया केस

चंडीगढ़ (ईएमएस) : पूर्व क्रिकेटर और आम आदमी पार्टी के नेता हरभजन सिंह ने ने एक्स यूजर के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करावा दी है। दरअसल शख्स ने हरभजन सिंह की इंस्टाग्राम स्टोरी का स्क्रीनशॉट ट्विटर पर शेयर कर उन्हें चैलेंज दिया था कि क्या वे खालिस्तान मुर्दाबाद लिख सकते हैं। इस पर हरभजन ने तीखा ट्वीट कर आरोप लगाने वाले शख्स को मानसिक रूप से बीमार करार दिया। भज्जी को चैलेंज देकर लिखा गया था, १०० बात की १ बात, अगर भज्जी सच्चा देशभक्त हैं, तब एक बार खालिस्तान मुर्दाबाद ट्वीट कर दे, मैं उससे माफी मांग लूंगा।

इस पर भज्जी ने पुलिस में केस भी दर्ज कराया है। भज्जी ने खुद को खालिस्तान मुर्दाबाद कहने का चैलेंज देने वाले अकाउंट की एक पुरानी पोस्ट को निकालकर शेयर किया। उन्होंने लिखा, तू किस तरफ का है? जो हमारे अयोध्या के हिन्दू भाईओं को गलत बोल रहा है। मुझे तेरी दिमामी हालत से ज्यादा तेरे देशद्रोही होने पर शक है। दरअसल संबंधित एक्स अकाउंट से अयोध्या के हिंदुओं को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की गई थी।

यूजर ने हरभजन पर फिर से आरोप लगाया कि वे पाकिस्तान का समर्थन करते हैं और वह यदि गलत साबित करना चाहते हैं, तब खालिस्तान मुर्दाबाद कहें। अब हरभजन की ओर से कहा गया है कि उन्होंने एक्स अकाउंट यूजर के खिलाफ केस दर्ज करा दिया है। वहीं पता चला हैं कि खालिस्तान मुर्दाबाद कहने का चैलेंज देने वाले शख्स की पहचान अभिषेक के नाम से हुई है। वह करीब ५० हजार रुपये तक की नौकरी कर रहे थे, जिनसे उन्होंने पिछले दिनों ही छोड़ दिया था। वे फिलहाल राजनीतिक टिप्पणियां ही सोशल मीडिया पर करते रहते है।

सीमेंट मिक्सर वाहन से शराब की तस्करी

मुंबई (ईएमएस) : महाराष्ट्र आबकारी विभाग ने नवी मुंबई में एक 'सीमेंट मिक्सर' वाहन के माध्यम से तस्करी हो रही ३४.३९ लाख रुपये मूल्य की भारत में निर्मित विदेशी शराब (आईएमएफएल) जब्त की है। आबकारी अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

आबकारी विभाग की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर बेलापुर रोड पर जाल बिछाया। अधिकारियों ने देर रात एक 'सीमेंट मिक्सर' वाहन को इस क्षेत्र में पहुंचते देखकर रोक लिया। ठाणे के राज्य आबकारी अधीक्षक प्रवीण तांबे ने बताया कि उन्हें वाहन में छुपाए गए आईएमएफएल के ४९५ डिब्बे मिले। उन्होंने कहा कि गोवा में निर्मित शराब को अवैध रूप से ले जाया जा रहा था। अधिकारियों ने शराब के डिब्बों और वाहन को जब्त किया है। अधिकारी ने कहा कि वाहन चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है और तस्करी अभियान में शामिल ट्रांसपोर्टर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

सड़क हादसा में 2 महिलाओं सहित 5 की मौत

करूर (ईएमएस) : तमिलनाडु के करूर जिले में कुलियलाई के पास बुधवार सुबह एक कार और राज्य परिवहन निगम की बस की टक्कर में दो महिलाओं सहित पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि दोनों वाहनों के बीच टक्कर इतनी भीषण थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार पांचों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। बस के आगे के हिस्से को भी नुकसान पहुंचा है। दमकल और बचावकर्मियों को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कार के हिस्सों को काटकर शवों को बाहर निकालना पड़ा। पुलिस के अनुसार, यह हादसा कुलियलाई के पास हुआ। करूर जा रही कार और अरियांगी से तिरुप्पुर की ओर जा रही सरकारी बस की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतक कोयंबटूर के कुनियामुथुर निवासी थे।

कबाड़ियों के खिलाफ चला देवेंद्र भाऊ का बुलडोजर

मुंबई (ईएमएस) : महाराष्ट्र के मालवण में भारतपाकिस्तान क्रिकेट मैच के बाद भारत विरोधी नारे लगाने वाले कबाड़ियों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज करा दिया है। नारेबाजी करने वालों के खिलाफ हिंदू समाज के लोगों ने विरोध प्रदर्शन कर जय छत्रपति शिवाजी महाराज, जय भवानी, जय शिवाजी, हर हर महादेव जैसे नारे लगाए। बीजेपी विधायक नीलेश राणे ने मामले में आक्रामक रुख दिखाकर नगर पालिका प्रशासन को पत्र सौंपकर भारत विरोधी नारे लगाने वाले व्यक्ति के अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई का अनुरोध किया था, इस पर संज्ञान लेकर नगरपालिका ने अतिक्रमण पर बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया। दरअसल भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच के दौरान और भारत की जीत के बाद कबाड़ व्यापारियों ने भारत के खिलाफ नारे लगाए थे। जब शहर के लोगों ने नारे लगाने वाले लड़के से इस बारे में पूछा तब वहां भाग गया। बाद में वह लड़का हनुमान मंदिर में मिला। दुबारा पूछताछ करने पर लड़के ने कहा कि वह अपने पिता से मिलना चाहता है।

जब लड़के पिता को इस बारे में बताया, तब उन्होंने भी देश के खिलाफ आपत्तिजनक बयानबाजी की। जैसे ही खबर सब जगह फैली, घटनास्थल पर भीड़ जमा हो गई। लोगों ने नारे लगाने वालों को मालवण पुलिस के हवाले कर दिया। घटना की गंभीरता को देखकर मालवण में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

उच्च स्तरीय समिति ने बुलाया केआईआईटी के चार और अधिकारियों को

भुवनेश्वर (ईएमएस): ओडिशा सरकार ने बीटेक की २० वर्षीय नेपाली छात्रा प्रकृति लम्साल की कथित आत्महत्या और उसके बाद परिसर में हुई अशांति की जांच कर रही समिति के समक्ष गवाही देने के लिए केआईआईटी के चार और अधिकारियों को बुलाया है। उच्च शिक्षा विभाग ने कलिंगा औद्योगिक प्रौद्योगिकी संस्थान (केआईआईटी) के 'चीफ प्रॉक्टर' पीके पटनायक, निदेशक संहिता मिश्रा, आंतरिक समिति की प्रमुख इप्सिता सत्पथी और सहायक निदेशक स्मारिका पति को बुलाया है। उन्हें २७ फरवरी को अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) सत्यव्रत साहू की अध्यक्षता वाली समिति के समक्ष पेश होने के लिए कहा गया है। इसके पहले, २१ फरवरी को केआईआईटी के संस्थापक अच्युत सामंत और विश्वविद्यालय के सात अन्य शीर्ष अधिकारी समिति के समक्ष पेश होकर अपने बयान दर्ज कर चुके थे।

डिप्टी कमिश्नर का पद संभालते ही एक्शन में कोमल मित्तल

चंडीगढ़ (ईएमएस) : आईएएस अधिकारी कोमल मित्तल ने बुधवार को मोहाली में डिप्टी कमिश्नर (डीसी) का कार्यभार संभाल लिया। उन्हें २०१५ बैच की आईएएस अधिकारी आशिका जैन की जगह ये जिम्मेदारी दी गई है। कुर्सी संभालते ही नई डीसी ने नशे के खिलाफ अभियान चलाने का ऐलान किया है। २०१४ बैच की आईएएस मित्तल पहले मोहाली में एडिशनल डेप्युटी कमिश्नर (जनरल) रह चुकी हैं। इसके बाद वे होशियारपुर की डीसी बनीं और अब वापस मोहाली आ गई हैं। यहां तैनात आशिका को होशियारपुर का डीसी बनाया गया है। कार्यभार संभालते ही कोमल ने कहा कि वे पुलिस के साथ मिलकर ड्रग और नशे के खिलाफ अभियान चलाएंगी। इसके अलावा अनियोजित शहरी विकास, अतिक्रमण, सफाई और अवैध निर्माण जैसी समस्याओं पर भी फोकस करेंगी। उन्होंने मोहाली की ट्रैफिक सिस्टम सुधारने का भी वादा किया। मित्तल ने कहा कि सरकारी निर्देशों का पालन करते हुए वे अवैध ट्रैवल एजेंटों के खिलाफ भी एक्शन लेंगी। उन्होंने कहा कि बेकसूर लोगों को परेशान करने और उनके पैसे ठगने वाले इमिग्रेशन एजेंटों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मित्तल ने प्रशासन को और भी बेहतर बनाने के लिए कई सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि जनता की शिकायतों पर तुरंत ध्यान दिया जाना चाहिए। सरकारी योजनाओं का लाभ सभी जरूरतमंद लोगों तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को जनता के साथ विनम्र व्यवहार करने की सलाह दी।

द्वारका जिले के मंदिर से शिवलिंग चोरी

द्वारिका (ईएमएस) : महाशिवरात्रि पर्व से एक दिन पहले गुजरात के देवभूमि द्वारका जिले के एक मंदिर से पत्थर का शिवलिंग चोरी हुआ। जिसके बाद शिवलिंग को बरामद करने और संदिग्धों को पकड़ने के लिए एक अभियान शुरू किया है।

यह घटना अरब सागर के तट पर स्थित श्री भीडभंजन भवानीश्वर महादेव मंदिर में घटी, जो प्रसिद्ध तीर्थस्थल हरसिद्धि माताजी मंदिर के करीब है। प्राचीन शिव मंदिर के पुजारी ने बताया कि शिवलिंग को उखाड़कर चोरी किया गया।

पुलिस इंस्पेक्टर ने बताया कि मंदिर में अन्य सभी वस्तुएं अपनी जगह पर बरकरार हैं, लेकिन शिवलिंग गायब है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच के लिए अलगअलग टीम गठित की गई हैं। पुलिस ने बताया कि एफआईआर दर्ज कर तलाशी अभियान जारी है। जिस मंदिर में यह घटना हुई, वह सदियों पुराना है।

आप ने अरोड़ा को बनाया लुधियाना वेस्ट से प्रत्याशी

लुधियाना (ईएमएस) : दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की हार के बाद अब मीडिया गलियारों में अरविंद केजरीवाल के सियासी सफर पर

अटकलें जारी हैं। इस बीच आप ने संजीव अरोड़ा को लुधियाना वेस्ट का प्रत्याशी बनाया है। कहा जा रहा है कि संजीव अरोड़ा की खाली सीट से अरविंद केजरीवाल राज्यसभा जा सकते हैं। हालांकि आम आदमी पार्टी ने इसका खंडन किया है। सीएम पद से इस्तीफा देने के बाद अरविंद केजरीवाल फिलहाल संजीव अरोड़ा के सरकारी आवास में रहते हैं। पेशे से कारोबारी संजीव अरोड़ा अप्रैल २०२२ में राज्यसभा के लिए चुने गए थे। अभी उनका तीन साल का कार्यकाल बाकी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कहा जा रहा है कि संजीव अरोड़ा की राज्यसभा सीट से अरविंद केजरीवाल उपचुनाव लड़ सकते है। ऐसे में अगर वह जीतते हैं तो वह अप्रैल २०२८ तक पंजाब के सांसद रहेंगे। इससे पहले अरविंद केजरीवाल के भगवंत मान की जगह पंजाब के सीएम बनने की अटकलें भी लगी थीं। वहीं, बीजेपी और अन्य दलों का दावा है कि केजरीवाल दिल्ली चुनाव हारने के बाद पंजाब की कमान अपने हाथों में लेना चाहते हैं। वह पंजाब के सीएम भगवंत मान को हटाकर खुद सीएम की कुर्सी पर बैठना चाहते हैं।

पंजाब के सीएम भगवंत मान ने मंगलवार को विधानसभा में कहा था कि पंजाब में विरोधियों ने कभी भी केंद्र सरकार के सामने पंजाब के मुद्दे नहीं उठाए हैं। हमारे बारे में बेबुनियाद बातें करने के अलावा इनके पास कोई काम ही नहीं है। ये हमेशा मुझे सीएम की कुर्सी से हटाने के बारे में ही सोचते रहते हैं।

दुबई जा रही तीन छात्राओं की नोटबुक से मिले 4 लाख डॉलर

पुणे(ईएमएस) : कस्टम विभाग ने दुबई जा रही तीन छात्राओं से ४ लाख डॉलर यानी करीब ३.४७ करोड़ रुपए बरामद किए हैं। इन छात्राओं ने इतनी बड़ी रकम नोटबुक के पन्नों के बीच छिपा रखी थी। कस्टम अधिकारियों को शक है कि यह विदेशी मुद्रा हवाला के जरिये दुबई भेजी जा रही थी। हवाला रैकेट ने विदेशी मुद्रा की तस्करी के लिए २० साल की छात्रों का इस्तेमाल किया है। इस मामले में पुणे की एक ट्रैवल एजेंट खुशबू अग्रवाल और मुंबई के एक फॉरेक्स ट्रेडर को गिरफ्तार किया है। ट्रैवल एजेंट ने ही इन छात्राओं की दुबई यात्रा बुक की थी।

पुणे कस्टम्स के मुताबिक अफसरों को पहले से ही सूचना मिली थी कि तीन छात्राएं नोटबुक्स में छुपाकर बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा की तस्करी करने की कोशिश कर रही हैं। अधिकारियों के अनुरोध पर दुबई पहुंचने के बाद तीनों छात्राओं को वापस भारत भेज दिया गया है। १७ फरवरी को पुणे एयरपोर्ट पर दुबई से पुणे आ रही इन तीनों छात्राओं को रोका गया। एयर इंटेलिजेंस यूनिट के अधिकारियों ने इनकी तलाशी ली। तलाशी में उन्हें ४००,१०० डॉलर मिले। ये १०० डॉलर के नोट कई नोटबुक्स के पन्नों के बीच छुपाए गए थे, जो इन छात्राओं के बैग में थे। तीनों छात्राएं पोस्ट ग्रैजुएशन की पढ़ाई कर रही हैं।

अधिकारियों की पूछताछ में पता चला है कि छात्राओं ने अपनी यात्रा पुणे की एक ट्रैवल एजेंट खुशबू अग्रवाल के ज़रिए बुक की थी। छात्राओं ने बताया कि अग्रवाल ने ही उन्हें पैसे से भरे बैग दिए थे। यह घटना हवाला के ज़रिए पैसे की तस्करी के एक बड़े रैकेट की ओर इशारा करती है। जांच अधिकारियों के मुताबिक, इस रैकेट में शामिल अन्य लोगों की तलाश की जा रही है।

थार महोत्सव में स्थानीय कलाकारों को प्रमोट करेंगी आईएएस टीना डाबी

बाड़मेर (ईएमएस) : राजस्थान की चर्चित आईएएस टीना डाबी का अगला मिशन स्थानीय कलाकारों को प्रमोट करना है। टीना ने इन कलाकारों को प्लेटफार्म देने की तैयारी कर ली है। लोक कला, संस्कृति, पर्यटन और हस्तशिल्प को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ७ मार्च से होने वाले थार महोत्सव की तैयारियां शुरू हो गई है।

बाड़मेर में आयोजित होने वाले थार महोत्सव को लेकर इस बार कलेक्टर के मन में स्थानीय कलाकारों के लिए खास प्लान है। महोत्सव की तैयारियों को लेकर उन्होंने एक बैठक में इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि थार महोत्सव में सेलिब्रिटी के साथ अब स्थानीय लोक कलाकारों को भी प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इसके लिए उन्होंने अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए हैं।

आईएएस टीना डाबी अपने नवाचारों के कारण सुर्खियों में बनी रहती हैं। इस बार उन्होंने लोक कलाकारों को प्रमोट करने का खास प्लान तैयार किया है। इसके तहत बाड़मेर में आयोजित होने वाले थार महोत्सव में स्थानीय कलाकारों को उचित प्लेटफार्म देकर प्रमोट किया जाएगा। इसके लिए बाड़मेर कलेक्टर ने प्लानिंग कर ली है। उन्होंने महोत्सव की तैयारी को लेकर आयोजित बैठक में अपनी मंशा जताते हुए अधिकारियों को निर्देश भी दे दिए हैं।

बाड़मेर में हर साल तीन दिवसीय थार महोत्सव का आयोजन किया जाता है। पिछली बार चुनाव के चलते यह महोत्सव आयोजित नहीं हुआ था, लेकिन इस बार यह महोत्सव तीन की जगह दो दिन का होगा। इस महोत्सव में लोक कला संस्कृति, पर्यटन, हस्तशिल्प को बढ़ावा दिया जाता है। सांस्कृतिक प्रोग्राम, हस्तशिल्प मेला, मिस्टर थार श्री, मिस थार सुंदरी सहित अलगअलग प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी।

संपादकीय

भारत-ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार की होगी शुरुआत

भारत और ब्रिटेन के बीच एक बार फिर मुक्त व्यापार समझौते को लेकर बातचीत का सिलसिला शुरू होने जा रहा है। ब्रिटेन इसे लेकर उत्साहित है और उसे उम्मीद है कि अगले दस वर्षों में दोनों देशों के बीच व्यापार दो से तीन गुना तक बढ़ सकता है। इस बातचीत के किसी सार्थक नतीजे पर पहुंचने की उम्मीद इसलिए भी जताई जा रही है कि अमेरिका अपनी शुल्क नीति को लेकर आक्रामक रुख अपनाए हुए है। ट्रंप प्रशासन ने घोषणा कर रखी है कि जो हम पर जितना शुल्क लगाएगा, हम भी उस पर उतना ही शुल्क लगाएंगे।

इससे कई देशों के सामने व्यापार में घाटे का संकट पैदा हो गया है। हालांकि चीन ने इसका विरोध करते हुए कहा था कि वह इस मसले को विश्व व्यापार संगठन में उठाएगा, क्योंकि अमेरिका की शुल्क नीति विश्व व्यापार नियमों के विरुद्ध है। पर अमेरिका के रुख में कोई नरमी नजर नहीं आ रही। ऐसे में कई देश वैकल्पिक बाजार की तलाश में हैं। भारत को भी विकल्पों की तलाश है। ऐसे में, उन्हीं देशों के साथ व्यापार बढ़ाने का प्रयास सफल हो सकता है, जिनके साथ पहले से व्यापारिक संबंध मजबूत हैं।

ब्रिटेन के साथ भारत के व्यापारिक संबंध बहुत पुराने और मजबूत हैं। फिलहाल दोनों देशों के बीच करीब बीस अरब डालर का व्यापार होता है। दोनों इसे कम से कम दो गुना तक बढ़ाना चाहते हैं। इस संबंध में मुक्त व्यापार समझौते को लेकर पिछले चार वर्षों से बातचीत चल रही है। अब तक दस दौर की बात हो भी चुकी है। आम चुनाव के चलते यह सिलसिला रुक गया था। ब्रिटिश व्यापार सचिव की भारत यात्रा के बाद उसके फिर से शुरू होने पर सहमति बनी है। मुक्त व्यापार

समझौते से स्वाभाविक रूप से दोनों के बीच व्यापार बढ़ेगा। उसके बाद दोनों देश एक-दूसरे के उत्पाद पर नाममात्र का शुल्क लगाएंगे। फिर, भारत और ब्रिटेन इस वक्त अपने विनिर्माण क्षेत्र में आई सुस्ती से पार पाने के उपाय तलाश रहे हैं। वह व्यापार में बढ़ोतरी से ही संभव हो सकता है। भारत का निर्यात लक्ष्य से काफी नीचे चल रहा है, जबकि आयात बढ़ रहा है। इस तरह चीन आदि कई देशों के साथ व्यापार घाटा काफी बढ़ गया है। लिहाजा, भारत की भी कोशिश है कि ब्रिटेन के साथ व्यापार को गति मिले, ताकि इस संकट से पार पाने में मदद मिले।

अगर ब्रिटेन के साथ भारत का मुक्त व्यापार समझौता होता है, तो भारत से चमड़ा, कपड़ा, जेवर, सूचना तकनीक, दवा और कृषि आदि उत्पाद का ब्रिटेन में निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। ब्रिटेन अपने उन्नत विनिर्माण, स्वच्छ ऊर्जा और व्यापार सेवाएं भारत में बेचना चाहता है। जाहिर है, जिन चीजों पर अधिक शुल्क लगने की वजह से अमेरिका में भारत के लिए बाजार सिकुड़ने की आशंका जताई जा रही है, उनकी ब्रिटेन में पहुंच आसान हो जाएगी। मगर फिलहाल अड़चन भारतीय नागरिकों की ब्रिटेन में आवाजाही, कारोबार आदि के लिए वीजा शर्तों को आसान बनाने को लेकर आ रही है। ब्रिटेन में सत्ता परिवर्तन के बाद बाहरी लोगों के लिए नियम और शर्तें कठोर कर दी गई हैं। इससे ब्रिटेन में रह रहे भारतीय मूल के नागरिकों के सामने कई मुश्किलें खड़ी हो गई हैं। वहां जाने वाले विद्यार्थियों आदि के लिए जगहें कम पड़ गई हैं। ऐसे में मुक्त व्यापार समझौते को लेकर बातचीत की कामयाबी फिलहाल ब्रिटेन के रुख पर निर्भर है।

जानलेवा जाम की वजह से लोगों का बुरा हाल
अस्वस्थ्य परिस्थिति में होती है असली परीक्षा

इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि जनता की सुविधा के नाम पर जो व्यवस्था की जाए, वही किसी के लिए जानलेवा साबित हो जाए। अगर कहीं ऐसा होता है तो यह सरकारी इंतजामों और उससे जुड़े अधिकारियों की अदूरदर्शिता और लापरवाही का ही उदाहरण होगा, जिसकी वजह से किसी ऐसे मरीज की जान चली जाती है, जिसे थोड़ी सजगता से बचाया जा सकता था? गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के अयोध्या में श्रद्धालुओं की भीड़ और जाम के मद्देनजर प्रशासन ने जो अवरोधक खड़े किए थे, उसके पीछे मकसद भीड़ को नियंत्रित करना बताया गया था।मगर इस इंतजाम के पीछे अदूरदर्शिता और प्रशासनिक संवेदनहीनता तब सामने आई, जब एक स्थानीय भाजपा नेता की तबीयत ज्यादा खराब हो गई और सड़क पर लगे अवरोधक की वजह से उनकी गाड़ी समय रहते आगे नहीं बढ़ पाई। खबरों के मुताबिक, भाजपा नेता के परिवार के लोगों ने वहां मौजूद पुलिस अधिकारियों से अवरोधक खुलवाने की गुहार लगाई, उच्च स्तर के अधिकारियों को भी फोन किया, लेकिन रास्ता नहीं खुल सका। सवा घंटे बाद जब अवरोधक हटाया गया, तब आगे भी यही हालत होने की वजह से गाड़ी समय पर अस्पताल नहीं पहुंच पाई और आखिरकार उनकी मौत हो गई। यानी भीड़ और जाम से निपटने के लिए व्यवस्था बनाने के नाम पर जिस तरह सड़क को बाधित किया गया था, उसमें आपात अवस्था में पहुंचे किसी मरीज को भी आगे निकलने देने का खयाल नहीं रखा गया। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों को आपात अवस्था में पहुंचे किसी मरीज की नाजुक हालत देखने के बावजूद कोई विशेष इंतजाम करना जरूरी नहीं लगा। क्या यह लापरवाही के साथ-साथ संवेदनहीनता का परिचायक नहीं है? यह अकेले अयोध्या का मामला नहीं है। देश के अलग-अलग हिस्सों से सड़कों पर लगने वाले जाम की वजह से लोगों और खासकर बीमार लोगों को होने वाली असुविधाएं कोई छिपी हकीकत नहीं है। अफसोसनाक यह है कि न केवल जाम, बल्कि इस समस्या से पार पाने के लिए पुलिस की ओर से जो इंतजाम किए जाते हैं, वे भी कई बार आपात अवस्था में किसी बीमार या जरूरतमंद लोगों की मदद नहीं कर पाते हैं।

आज का कार्टून

बजट कांग्रेस में अंतर्कलह पर पूर्व साथी की राहुल गांधी को नसीहत–अपना घर संभालिए

वन भूमि पर अवैध निर्माण से बाढ़ का खतरा बढ़ा

> बाढ़ नियंत्रण उपायों ने निस्संदेह बाढ़ की गंभीरता को कम करने में भूमिका निभाई है, इन उपायों की प्रभावशीलता अक्सर उपरोक्त चुनौतियों के कारण कम हो जाती है. परियोजना प्राधिकरणों द्वारा नियोजन में विखंडित दृष्टिकोण तथा अंतर-राज्यीय सहयोग में कमी के कारण व्यापक बाढ़ प्रबंधन रणनीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन में बाधा उत्पन्न होती है. मंत्रालय ने स्वीकार किया कि असम, बिहार और भारत के अन्य भागों में बाढ़ एक नियमित वार्षिक घटना है. पंचवर्षीय योजनाः बाढ़ प्रबंधन परियोजनाओं की योजना, निर्माण और क्रियान्वयन राज्य द्वारा किया जाता है. केंद्र सरकार केंद्रीय वित्त पोषण के लिए शामिल राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की परियोजनाओं को वित्त पोषित करती है. फरवरी, 2024 में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वित्त वर्ष 2021-26 की अवधि के लिए बाढ़ प्रबंधन और सीमा क्षेत्र कार्यक्रम को जारी रखने को मंजूरी दी. एफएमबीएपी योजना के तहत वित्त पोषण के लिए बिहार और असम की एक-एक परियोजना को शामिल किया गया है. भविष्य में और अधिक परियोजनाओं को शामिल करने के लिए बजट रखा गया है.

गौतम देबरॉय

बाढ़ को कम करने के लिए केंद्र सरकार के प्रयासों के बावजूद असम और बिहार सहित कई राज्यों को गंभीर बाढ़ की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है. इसका मुख्य कारण प्राकृतिक जलमार्गों पर बड़े पैमाने पर अतिक्रमण और अनियमित निर्माण बताया जा रहा है. जल शक्ति मंत्रालय ने इस पर चिंता जाहिर की है. कहा है कि अपर्याप्त शहरी जल निकासी प्रणालियां और प्राकृतिक जलमार्गों पर बड़े पैमाने पर अतिक्रमण ने स्थिति को और खराब कर दिया है.

जल शक्ति मंत्रालय ने संसदीय समिति को बताया, सरकार द्वारा बाढ़ को कम करने के लिए अपनाए गए कई प्रयासों और पहलों के बावजूद, कई राज्यों को गंभीर बाढ़ की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है. ये अप्रत्याशित मौसम पैटर्न हैं, जो समय और स्थान दोनों में वर्षा में व्यापक बदलाव, भूस्खलन, बर्फ पिघलने, बादल फटने और ग्लेशियल झीलों के फटने आदि के साथ अत्यधिक वर्षा की घटनाओं की बढ़ती आवृत्ति और तीव्रता के साथ जुड़े हैं.

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, असम में वन भूमि पर सबसे अधिक अतिक्रमण किया गया है. जहां 2.13 लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि पर अवैध कब्जा है. डॉ. केके पांडे ने कहा, कि असम में आर्द्रभूमि के अतिक्रमण पर कोई डेटा उपलब्ध नहीं है, लेकिन रिपोर्टों से पता चलता है कि असम में कई आर्द्रभूमि अतिक्रमण के साथ-साथ जल निकायों में मिट्टी, कीचड़, चिकनी मिट्टी आदि के जमा होने के कारण नष्ट हो गई हैं.

बड़े पैमाने पर शहरी विकास परियोजनाओं के साथ-साथ वन भूमि और आर्द्रभूमि पर अतिक्रमण से बाढ़ की समस्याएं पैदा होती हैं. अपर्याप्त शहरी जल निकासी व्यवस्था और प्राकृतिक जलमार्गों पर अतिक्रमण से स्थिति और भी खराब हो जाती है.- डॉ. केके पांडे, पर्यावरण विशेषज्ञ

वन भूमि पर अतिक्रमण: संसद में सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, वन भूमि पर अतिक्रमण के मामले में महाराष्ट्र दूसरे नंबर (57,554.87) हेक्टेयर पर है. अरुणाचल प्रदेश 53,499.96 हेक्टेयर के साथ तीसरे स्थान पर है. अन्य राज्यों में भी वन भूमि पर अतिक्रमण दर्ज किया गया है, जिनमें ओडिशा (40,507.56 हेक्टेयर), आंध्र प्रदेश (13,318.16 हेक्टेयर), तमिलनाडु (15,768.48 हेक्टेयर), त्रिपुरा (4,242.37 हेक्टेयर) और सिक्किम (469.16 हेक्टेयर) शामिल हैं.

बाढ़ एक नियमित वार्षिक घटना: मंत्रालय ने जल संसाधन संबंधी संसदीय समिति को बताया, बाढ़ नियंत्रण उपायों ने निस्संदेह बाढ़ की गंभीरता को कम करने में भूमिका निभाई है, इन उपायों की प्रभावशीलता अक्सर उपरोक्त चुनौतियों के कारण कम हो जाती है. परियोजना प्राधिकरणों द्वारा नियोजन में विखंडित दृष्टिकोण तथा अंतर-राज्यीय सहयोग में कमी के कारण व्यापक बाढ़ प्रबंधन रणनीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन में बाधा उत्पन्न होती है. मंत्रालय ने स्वीकार किया कि असम, बिहार और भारत के अन्य भागों में बाढ़ एक नियमित वार्षिक घटना है. पंचवर्षीय योजनाः बाढ़ प्रबंधन परियोजनाओं की योजना, निर्माण और क्रियान्वयन राज्य द्वारा किया जाता है. केंद्र सरकार केंद्रीय

वित्त पोषण के लिए शामिल राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की परियोजनाओं को वित्त पोषित करती है. फरवरी, 2024 में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वित्त वर्ष 2021-26 की अवधि के लिए बाढ़ प्रबंधन और सीमा क्षेत्र कार्यक्रम को जारी रखने को मंजूरी दी. एफएमबीएपी योजना के तहत वित्त पोषण के लिए बिहार और असम की एक-एक परियोजना को शामिल किया गया है. भविष्य में और अधिक परियोजनाओं को शामिल करने के लिए बजट रखा गया है.

असम को केंद्र से सहायता: मंत्रालय ने कहा ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना के बाद से, एफएमबीएपी योजना के एफएमपी घटक के तहत वित्त पोषण के लिए असम की 142 परियोजनाओं को शामिल किया गया है. जिनमें से 111 परियोजनाएँ पूरी हो चुकी हैं. 30 परियोजनाएँ बंद कर दी गई हैं. इन परियोजनाओं ने असम में 7.365 लाख हेक्टेयर भूमि और 1.75 करोड़ की आबादी को सुरक्षा प्रदान की है. ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना के बाद से एफएमपी और एफएमबीएपी योजना के अंतर्गत असम सरकार को 1557.04 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता जारी की गई है. बिहार को केंद्रीय सहायताः ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना के बाद से, एफएमबीएपी योजना के एफएमपी घटक के तहत वित्त पोषण के लिए बिहार की 48 परियोजनाओं को शामिल किया गया है. जिनमें से 42 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं. इन परियोजनाओं ने बिहार में 28.67 लाख हेक्टेयर भूमि और 2.23 करोड़ की आबादी को सुरक्षा प्रदान की है. ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना के बाद से, एफएमपी और एफएमबीएपी योजना के तहत बिहार सरकार को 1624.04 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता जारी की गई है.

नेपाल के साथ बातचीत: मंत्रालय ने कहा कि बिहार में गंगा बेसिन में बाढ़ का कारण बनने वाली प्रमुख नदियां सीमा पार की हैं. इन नदियों का ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र नेपाल में है. इस संबंध में भारत सरकार ने पड़ोसी देशों के साथ सहयोग तंत्र स्थापित किया है. मंत्रालय ने बताया कि भारत सरकार नेपाल से आने वाली नदियों में आने वाली बाढ़ से होने वाली तबाही को कम करने के लिए विभिन्न स्तरों पर नेपाल सरकार के साथ लगातार बातचीत कर रही है.

मंत्रालय ने कहा, संबंधित मुद्दों पर मौजूदा भारत-नेपाल द्विपक्षीय चार स्तरीय तंत्रों में चर्चा की जाती है, जिसमें जल संसाधन पर संयुक्त मंत्रिस्तरीय समिति (जेएमसीडब्ल्यूआर), जल संसाधन पर संयुक्त समिति (जेसीडब्ल्यूआर) और संयुक्त स्थायी तकनीकी समिति (जेएसटीसी) के साथ-साथ जलप्लावन और बाढ़ प्रबंधन पर संयुक्त समिति (जेसीआईएफएम) शामिल हैं. नेपाल से आने वाली नदियां तबाही मचातीः केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) ने आईएमडी के साथ मिलकर राज्य विभागों को बाढ़ का पूर्वानुमान जारी किया है. हालांकि, बाढ़ के पूर्वानुमान की प्रभावशीलता में सुधार के लिए ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र (नेपाल) से वास्तविक समय के मौसम संबंधी आंकड़ों की निर्बाध आपूर्ति की अभी भी आवश्यकता है. सारदा, घाघरा, राप्ती, गंडक, बूढ़ी गंडक, बागमती, कमला, कोसी आदि कई नदियां नेपाल से निकलती हैं. भारत के मैदानी इलाकों में प्रवेश करने से पहले नेपाल के पहाड़ी इलाकों से होकर बहती हैं. मंत्रालय ने कहा, ऊपरी इलाकों में भारी बारिश से न केवल भारी बाढ़ आती है, बल्कि भारत के मैदानी इलाकों में भारी मात्रा में तलछट भी आती है. भारत इन सीमा पार नदियों पर विभिन्न द्विपक्षीय समझौतों के माध्यम से इन नदियों से पेयजल, बिजली, सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण जैसे पारस्परिक लाभ प्राप्त करने के लिए नेपाल के साथ लगातार सहयोग कर रहा है.

बिहार और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में बाढ़ आमतौर पर नेपाल से आने वाली नदियों के कारण आती है. इसलिए बाढ़ की समस्या का दीर्घकालिक समाधान बहुउद्देशीय परियोजनाओं के निर्माण में निहित है. मंत्रालय ने कहा, वर्तमान में, नेपाल सरकार के साथ द्विपक्षीय समझौते के अनुसार गठित दो समितियों केएचएलसी (बिहार में कोसी) और जीएचएलएससी (उत्तर प्रदेश में गंडक) की सिफारिशों के अनुसार बिहार और उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा नेपाल क्षेत्र में बाढ़ प्रबंधन कार्य किए जा रहे हैं.

जीवन जीने का एक दृष्टकोण है कृतज्ञता की भावना

> कृतज्ञता हमें न सिर्फ आत्मकेंद्रित होने से बचाती है, बल्कि हमें दूसरों के प्रति अधिक संवेदनशील और सहज बनाती है। यह हमें याद दिलाती है कि जीवन की सबसे बड़ी सुंदरता उसकी साधारणता में छिपी होती है- चाहे वह किसी का दिया हुआ हल्का-सा सहारा हो, एक मुस्कान का आदान-प्रदान हो या एक छोटी-सी अच्छाई का अहसास हो। जब हम प्रकृति, पर्यावरण और एक-दूसरे के प्रति आभारी होते हैं, तो यह न केवल हमारे जीवन को अधिक अर्थपूर्ण बनाता है, बल्कि यह एक सामूहिक चेतना की ओर हमें प्रेरित करता है, जिसमें हम सब एक दूसरे से जुड़े हुए होते हैं।

खुशी श्रीवास्तव

सूरज के डूबते समय आकाश में बिखरती सुनहरी किरणें, ठंडी हवा का सहलाता हुआ एक हल्का झोंका या किसी प्रियजन का अचानक से दिया गया सांत्वना भरा स्पर्श। क्या हमने कभी इन क्षणों को ठहरकर महसूस किया है? हमारी व्यस्त दिनचर्या और सपनों की अंधाधुंध दौड़ में हम इन छोटे-छोटे सुखद पलों की अनदेखी कर देते हैं, पर जीवन की सच्ची सुंदरता इन्हीं पलों में छिपी होती है। मगर आजकल जिस स्तर पर जीवनशैली में बदलाव आ रहा है, उसमें हम अपने मुताबिक सुख की परिभाषा के तहत किसी सुख की खोज में अपना वक्त जाया करते रहते हैं और हमारे आसपास बिखरी छोटी-छोटी खुशियां हमसे छिनती जाती हैं, क्योंकि हमारी नजर में वे महत्त्वहीन होती हैं।

आभार, या कहें कृतज्ञता, केवल एक भावना नहीं, बल्कि जीवन जीने का एक दृष्टिकोण है। यह हमें सिखाता है कि हर दिन, हर क्षण, हर अनुभव के प्रति झुकाव होना क्यों जरूरी है। यह हमें जीवन के संघर्षों के बीच भी खुश रहने की कला सिखाता है। कुछ हासिल कर लेने की आपाधापी में अक्सर परिणाम यह होता है कि या तो व्यक्ति वह पा लेता है जो उसे प्रिय है और फिर क्षण भर का मोद और हर्ष पाकर वह फिर कुछ नया पाने की होड़ में लग जाता है।

या असफल होने की स्थिति में दो बातें होती हैं- पहली यह कि व्यक्ति सकारात्मकता का पक्षधर बन कर फिर प्रयास में जुट जाता है या किसी गहन मानसिक अंधकूप की ओर बढ़ चलता है, जहां तनाव, अवसाद या निराशा उसकी नई लड़ाई बन जाती है, पर इस संघर्ष में अक्सर ठहर कर यह महसूस करना कहीं पीछे छूट जाता है कि इस यात्रा में हमने क्या सीखा या पाया!

कृतज्ञता के भाव को अपनाने पर हमारी नजरें 'क्या कमी है' से हटकर 'क्या है' पर टिक जाती हैं। उदाहरण के लिए, एक सुंदर सुबह की ठंडक, किसी मित्र की मुस्कान, या धीरे-धीरे वसंत का आना-इस तरह के क्षण जीवन को आनंद से भर देते हैं। मगर इन पलों को महसूस करने के लिए हमें ठहरना और इनका आनंद लेना आना चाहिए। आभार हमें सिखाता है कि हर छोटी घटना में एक बड़ी सीख छिपी होती है। जब हम अपनी उपलब्धियों और असफलताओं को क्षण भर के लिए दरकिनार कर जीवन को यात्रा के रूप में देखते हैं और सफलता-विफलता के प्रति समान रूप से कृतज्ञ हो पाते हैं, तभी हम सच्चे अर्थों में जीवन को समझने लगते हैं। आधुनिक समाज में सफलता को अक्सर केवल भौतिक उपलब्धियों से मापा जाता है, लेकिन क्या सफलता का मतलब केवल ऊंचाई पर पहुंचना और असफलता का मतलब केवल गिरना है? असल में, असफलता भी हमारे जीवन का उतना ही अहम हिस्सा है, जितना सफलता। जब हम अपनी असफलताओं को स्वीकार करते हैं और उनसे सीखते हैं, तो हम अपने जीवन को और अधिक समृद्ध बनाते हैं।

हमारी संस्कृति में कृतज्ञता को जीवन के गहरे और अनमोल तत्त्व के रूप में माना गया है। वेद, शास्त्र और ग्रंथों में यह बताया गया है कि कृतज्ञता मनुष्य के जीवन का सबसे सुंदर आभूषण है, जो न केवल आत्मा को शुद्ध करता है, बल्कि परस्पर संबंधों को भी मजबूती देता है। प्राचीन काल में हमारे पूर्वजों ने प्रकृति, समाज और परिवार के प्रति आभार व्यक्त करने की परंपराओं को सजीव रखा। उन्होंने हमें यह सिखाया कि जीवन में हर चीज, चाहे वह हमारे आसपास की प्रकृति या पर्यावरण हो, माता-पिता का प्रेम हो या गुरु का ज्ञान हो, उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए, लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता गया, हम अपनी भागदौड़ और आत्मकेंद्रित जीवनशैली में इस कृतज्ञता को भूलते गए।

हमने प्रकृति को एक संसाधन के रूप में देखना शुरू कर दिया और इसी का परिणाम था प्राकृतिक संसाधनों की कमी और बर्बाद होता पारिस्थितिकी तंत्र। ठीक वैसे ही, अब जब हम एक-दूसरे के प्रति आभार खोने लगे हैं, तो हमारे संबंधों में दरारें आनी शुरू हो गई। परिवार, दोस्त और समाज के साथ हमारे संबंधों में गहरी कचोट पैदा होने लगी है और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं बढ़ने लगी हैं। हम इनसे परेशान तो होते हैं, मगर इसकी जड़ों की पहचान करके उनसे निपटने की कोशिश नहीं कर पाते।

कृतज्ञता हमें न सिर्फ आत्मकेंद्रित होने से बचाती है, बल्कि हमें दूसरों के प्रति अधिक संवेदनशील और सहज बनाती है। यह हमें याद दिलाती है कि जीवन की सबसे बड़ी सुंदरता उसकी साधारणता में छिपी होती है- चाहे वह किसी का दिया हुआ हल्का-सा सहारा हो, एक मुस्कान का आदान-प्रदान हो या एक छोटी-सी अच्छाई का अहसास हो। जब हम प्रकृति, पर्यावरण और एक-दूसरे के प्रति आभारी होते हैं, तो यह न केवल हमारे जीवन को अधिक अर्थपूर्ण बनाता है, बल्कि यह एक सामूहिक चेतना की ओर हमें प्रेरित करता है, जिसमें हम सब एक दूसरे से जुड़े हुए होते हैं। कृतज्ञता एक ऐसी शक्ति है, जो हमें केवल आत्मिक शांति ही नहीं, बल्कि एक गहरे संतुलन और संतोष की ओर भी ले जाती है। यह हमें वर्तमान में जीने और उन क्षणों को पूरी तरह से आत्मसात करने का अवसर देता है, जिन्हें हम अक्सर अनदेखा कर देते हैं। यह न केवल हमारे आंतरिक दृष्टिकोण को बदलती है, बल्कि हमें अपने चारों ओर की दुनिया से एक गहरा जुड़ाव महसूस करने की भी प्रेरणा देती है, जिससे जीवन को एक नए दृष्टिकोण से देखने की क्षमता मिलती है।

60 प्रतिशत घरेलु गैस सिलेंडर का अवैध इस्तेमाल

गिरिडीह (ससे): जो ग्राहक निर्धारित गैस सिलेंडर का उपयोग नहीं कर पाते, उनके शेष सिलेंडरों की हो रही कालाबाजारी, सरकार को १३ फीसदी जीएसटी का नुकसान पहुंचाया जा रहा, ब्लास्ट का खतरा, घातक हो सकते हैं परिणाम. ग्राहक दक्षता कल्याण फाउंडेशन ने पत्रकार वार्ता में किया खुलासा, जताई ठोस कार्यवाही की जरूरत.

ग्राहक दक्षता कल्याण फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन सोळंके, इनके आदेशानुसार देश में शहर-शहर जाकर जन जागरूकता के कार्यक्रम कर रही है। इस कार्यक्रम में गिरिडीह झारखण्ड वासियों को जगाने और जागरूक करने की दृष्टि से गिरिडीह में प्रेस वार्ता के माध्यम से फाउंडेशन द्वारा पत्रकार वार्ता कर घरेलू गैस सिलेंडर से कमर्शियल गैस सिलेंडर एंवम एलपीजी वाहनो में भरे जाने का खुलासा किया गया तथा शासन प्रशासन से कार्रवाई की मांग की गई।

ग्राहक दक्षता कल्याण फाउंडेशन के ईस्ट इंडिया परियोजना प्रमुख रामेश्वर लश्करे ने बताया कि घरेलू गैस सिलेंडर एक बेहद सुरक्षित और गैर-प्रदूषणकारी ईंधन है।

वर्तमान समय में देश में ७५ प्रतिशत नागरिक इसका उपयोग घरेलू उपयोग के लिए कर रहे हैं। ६० प्रतिशत घरेलू सिलेंडरों का उपयोग अवैध रूप से व्यावसायिक स्थानों पर किया जा रहा है। इनमें १४.२ किलोग्राम वाले सिलेंडरों का उपयोग ३५ प्रतिशत है जबकि १६ किलोग्राम या अन्य व्यवसायिक सिलेंडरों के मामले में २५ प्रतिशत कच्चे बिल का उपयोग खतरनाक तरीके से किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि देश में घरेलू सिलेंडरों का इस्तेमाल एलपीजी वाहनों में भी खतरनाक तरीके से किया जा रहा है। ऑटो एलपीजी वाहनों की दैनिक खपत की तुलना में ७० फीसदी चालक इलेक्ट्रिक मोटर पंप की मदद से बेहद खतरनाक तरीके से घरेलू सिलेंडर में एलपीजी भरते हैं। पहले भी बड़े हादसे हो चुके हैं लेकिन ऑटो एलपीजी पंपों से सिर्फ ३० फीसदी अधिकृत एलपीजी ही बेची जा रही है। आज ऑटो एलपीजी ५२रु. रुपये प्रति लीटर बिकता है और इसका माइलेज भी अच्छा है।

आज तीसरी और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि एलपीजी गैस सीधे टैंकरों से ली जा रही है और लगभग १५ फीसदी सिलेंडरों में इसे भरा जाता है।

ये बहुत खतरनाक है। पिछले १० वर्षों में यह राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों पर ६-७ बड़ी दुर्घटनाओं का कारण बना है। इससे लोगों के साथ साथ सरकार को भी निजी क्षति हुई है और ६५ लोगों की जान भी गई है. इसके बाद भी प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है और सिर्फ अस्थायी कार्रवाई की जा रही है। हर राज्य में एलपीजी से जुड़ी शिकायतों और दुर्घटनाओं पर नियंत्रण के लिए राज्य स्तर और जिला स्तर पर सतर्कता समिति जैसी समितियां बनाई गई हैं और दुख की बात है कि उन्हें भी नजरअंदाज किया जा रहा है।

फाउंडेशन द्वारा बताया कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत २०१४ से अब तक लगभग ६.५८ करोड़ लोगों को १०० रुपये शुल्क के साथ एलपीजी सिलेंडर दिया गया है और एलपीजी सिलेंडर की खरीद पर भारी छूट भी दी जा रही है। लेकिन अक्सर देखा जा रहा है कि उज्ज्वला लाभार्थी पूरे १२ सिलेंडर नहीं ले पा रहे हैं। वितरक इसका दुरुपयोग कर रहे हैं और अनुचित लाभ उठा रहे हैं।

लश्करे जी ने बताया कि १४.२ किलो के घरेलू गैस सिलेंडर पर सरकार सिर्फ ५ फीसदी जीएसटी लगाती है, जबकि १६ किलो और ५ किलो के कमर्शियल गैस सिलेंडर पर १८ फीसदी जीएसटी लगाती है। इसके अलावा ऑटो एलपीजी यानी गाड़ियों में इस्तेमाल होने वाली एलपीजी पर भी १८ फीसदी जीएसटी लगता है। इसलिए सरकार को एलपीजी सिलेंडर की बिक्री से हर साल करोड़ों रुपये का जीएसटी मिलता है।

देश में घरेलू एलपीजी सिलेंडर का बड़े स्तर पर अवैध इस्तेमाल किया जा रहा है। जो ग्राहक, निर्धारित गैस सिलेंडर के सम्पूर्ण कोटे २का उपयोग नहीं कर पाते, उनके शेष सिलेंडरों की कालाबाजारी हो रही है। इसकी अवैध बिक्री रोकने से जीएसटी राजस्व में बढ़ोतरी हो सकती है। कमर्शियल सिलेंडर महंगे होते जा रहे हैं इसलिए पैसा बचाने के चक्कर में कमर्शियल लोग घरेलू गैस सिलेंडर का चोरी छिपे इस्तेमाल करते हैं।

प्रशासन भी इस समस्या पर ध्यान नहीं दे रहा है। उन्होंने घरेलू गैस सिलेंडर में क्यूआर कोड से ट्रैकिंग प्रारंभ करने की मांग उठाई ताकि घरेलू सिलेंडर के अवैध इस्तेमाल पर रोक लगाई जा सके। इस प्रेस वार्ता में ग्राहक दक्षता कल्याण फाउंडेशन के ईस्ट इंडिया परियोजना प्रमुख रामेश्वर लश्करे एवं झारखण्ड राज्य जनसम्पर्क अधिकारी मोशाहिद आदिब उपस्थित थे।

दादी के अंतिम संस्कार में गया पोता डैम में डूबा, मौत

गिरिडीह (ससे): गिरिडीह जिले से एक दुखद घटना सामने आई है। यहां पर चचेरी दादी के अंतिम संस्कार के लिए बराकर नदी घाट गए एक छात्र की डूबने से मौत हो गयी। यह घटना मुफस्सिल और पीरटांड थाना क्षेत्र की सीमा पर घटी है। घटना बुधवार की दोपहर की है। मृतक मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बदडीहा निवासी रिंकू विश्वकर्मा का पुत्र शिवम था।

मिली जानकारी के अनुसार बदडीहा गांव निवासी टिंकू विश्वकर्मा की मां का निधन हो गया था। ऐसे में अंतिम संस्कार करने के लिए गांव के लोग शव के साथ बरकार नदी गए थे। मृतका शिवम की चचेरी दादी थी, ऐसे में शिवम भी सभी के साथ घाट गया था। यहां मुखाग्नि के बाद लोग नदी में स्नान कर रहे थे। कुछ लोग नदी में बने चेक डैम के पास भी स्नान कर रहे थे। यही नहाने के दौरान शिवम चेकडैम के पास नदी के धार से बने गड्ढे में जा फंसा। गड्ढा गहरा था और वह बाहर नहीं निकल पाया।

घटना के बाद यहां दाह संस्कार में पहुंचे ग्रामीणों ने बचाने का काफी प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। इस बीच मामले की जानकारी मुफस्सिल थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर श्याम किशोर महतो के अलावा पीरटांड थाना पुलिस को भी मिली। सूचना मिलते ही दोनों थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। हालांकि इस बीच मौजूद लोगों ने काफी मशक्कत से शिवम को निकाला। शिवम को सदर अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने शिवम को मृत घोषित कर दिया। इधर बताया जा रहा है कि शवम अपने माता-पिता का एकलौता पुत्र था। पीरटांड पुलिस ने घटना की पुष्टि की है।

कार अनियंत्रित होकर घर में घुसी, 4 की मौत

प्रतापगढ (ईएमएस): उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ में मंगलवार रात को एक दर्दनाक हादसा घटित हुआ, जिसमें महाकुंभ से लौट रहे श्रद्धालुओं की कार अनियंत्रित होकर हाईवे के किनारे घर में घुस गई। इस हादसे में कार में सवार चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए। २४ वर्षीय रोहित कुमार सिंह छपरा बिहार, ३५ वर्षीय आकाश पुत्र रविंद्र प्रसाद निवासी भुरकुण्डा थाना पचरायू जिला रायगढ़, झारखंड, २२ वर्षीय रुपेश गोगा पंकी सराय भागलपुर बिहार की हालत नाजुक है।

वहीं, घर में सो रहे दंपति रेनू ओझा और मनोज ओझा को भी चोट आई है। घायलों को अस्पताल भेजा गया है। हादसा प्रयागराज-अयोध्या राजमार्ग पर बबुरहा मोड़ के पास हुआ। ड्राइवर की नींद की झपकी से कार अनियंत्रित हो गई और गाड़ी नदारद घर में प्रवेश कर गई। घायलों को अस्पताल भेजा गया है, जबकि कार में सवार चार युवकों की मौत हो गई। अनुसूचित भागलपुर, बिहार, से आने वाले इन युवकों में से दो घायलों की हालत नाजुक बताई जा रही है। हादसे के पश्चात, अझारा नगर में एक और हादसा घटा, जिसमें एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मौके से भाग निकले कार चालक की तलाश जारी है, जबकि परिवार में मचा कोहराम है। घायलों को अब इलाज के लिए देखभाल प्राप्त है और पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। इससे पहले लालगंज अझारा नगर में अनियंत्रित कार की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई थी। ३० वर्षीय कृष्ण कुमार सिंह मंगलवार शाम चार बजे किसी काम से घर से लालगंज की तरफ जा रहे थे। डभियार मोड़ सांगीपुर के पास सामने से आ रही कार ने कृष्ण कुमार की बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में कृष्ण गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने आसपास के लोगों के सहयोग से घायल को इलाज के लिए ट्रामा सेंटर लालगंज भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने कृष्ण कुमार को मृत घोषित कर दिया।

शिवालयों में महाशिवरात्रि की रही धूम

डुमरी (ससे): इसरी बाजार स्टेशन रोड शिव मंदिर में धूमधाम से महाशिवरात्रि मनाया गया।पूर्व जमींदार लालजी भगत द्वारा बनाया हुआ शिवमंदिर में बहुत ही धूमधाम से शिव विवाह का आयोजन हुआ,शिव मंदिर के कार्य लालजी भगत के पोते शिवेश भगत उर्फ नाजू भगत, विक्की भगत,राजू जायसवाल के द्वारा के किया जाता है,इस अवसर पर आकर्षक साज सज्जा,पूजन विधान और महाप्रसाद की व्यवस्था की गयी थी।नाजु भगत अपने शहर के सभी सामाजिक कार्यों में बढ़चढ़ कर अपनी भूमिका निभाते हैं।

इस अवसर पर बीरु, सुबोध, बजरंगी, रतन, दिनेश पंडित, शुभम पंडित, शिवम पंडित, सुधीर, विक्की भगत, राजेश, रंजीत, शशिकांत, जयलाल, विनोद यादव, पप्पू, रौनक जायसवाल, उमेश जयसवाल, महेंद्र पंडित, निरंजन पांड्य, प्रताप मंडल, टुनटुन आदि का सहयोग अहम रहा।

पेयजल की समस्या से निपटने के लिए डीएम ने जारी किए निर्देश

झांसी (ईएमएस): गर्मी के मौसम के पहले दिनों में यजल की समस्या से ग्राहकों के लिए होने वाली परेशानियों को देखते हुए, डीएम ने अभी से ही कठिनाई को सुनिश्चित करने के लिए प्रक्रिया शुरू की है। उन्होंने अधिकारियों के साथ बैठक की और निर्देश दिया कि जनपद के सभी क्षेत्रों में पेयजल की समस्याओं को दूर करने के लिए एक व्यापक योजना तैयार की जाए। इस उद्देश्य के लिए, उन्होंने जल निगम और जल संस्थान को बिजली विभाग के साथ समन्वय करने के लिए निर्देश दिए। वे आरडीएसएस योजना के अंतर्गत किए गए कार्यों का सत्यापन भी करवाएंगे।

बुन्देलखंड में भीषण गर्मी के मद्देनजर, पेयजल की आपूर्ति को बनाए रखने के लिए खास बैठकें आयोजित की जाएंगी। डीएम ने कहा कि पेयजल की आपूर्ति को सुनिश्चित करने के लिए विद्युत आपूर्ति की सही चालन पुनः सुनिश्चित करना भी महत्वपूर्ण है। समीक्षा के दौरान, उन्होंने जनपद में पुनरीक्षित वितरण क्षेत्र योजना के कार्यों का परीक्षण करने के निर्देश दिए। गुमनावारा, वीरांगना नगर, महाराणा प्रताप नगर, वार्ड १३, कोछाभांवर, मोहल्ला करगुंवा, कैमासनपुरा, डिफेंस कॉलोनी एवं मेडिकल क्षेत्रों में पेयजल की समस्याएं निपटाने के लिए कार्रवाई की जाएगी। इस योजना के अंतर्गत, टीमें तुरंत बुलाकर मुख्य चिंताओं को दूर करने के लिए पेयजल की आपूर्ति में कोई भी दुर्घटना होने से बचाएंगी। यह कदम सुनिश्चित करेगा कि आगामी गर्मी में पेयजल की समस्या से लोगों को नुकसान न हो।

पटना में धूमधाम से मनाया गया महाशिवरात्रि का त्यौहार

पटना (एजेंसी): बिहार के अधिकांश जिलों से सर्दी की विदाई हो चुकी है. राज्य के अधिकतम और न्यूनतम तापमान में सामान्य के मुकाबले बढ़ोतरी देखा जा रही है. दिन में तेज धूप निकलने की वजह से लोगों को गर्मी का अहसास अब होने लगा है. आज पूरे देश समेत बिहार में महाशिवरात्रि के त्यौहार को बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया जाएगा. ऐसे में अगर आप घर से दूर मंदिर में भोलेनाथ की पूजा करने की सोच रहे हैं, तो उससे पहले मौसम का हाल जानते हुए जाइए. पटना स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों के मुताबिक, अगले ३-४ दिनों के दौरान राज्य के न्यूनतम और अधिकतम तापमान में २-३ डिग्री सेल्सियस क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है. आज राज्य के अधिकांश जिलों का मौसम शुष्क बना रहेगा. दिन में धूप निकलेगी और आसमान साफ रहेगा. बारिश होने को लेकर मौसम विशेषज्ञों की ओर से कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया है.

आज २६ फरवरी, २०२५ दिन बुधवार को राजधानी पटना समेत राज्य के अधिकांश जिलों का अधिकतम तापमान २८-३० डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान १६-१८ डिग्री सेल्सियस होने की संभावना है. मौसम विभाग ने इस महिने के अंतिम दिन २८ फरवरी और अगले महिने के शुरुआती दिन १ मार्च को राज्य के कई जिलों में हल्के से मध्यम स्तर की बारिश होने की संभावना का पूर्वानुमान जारी किया है. मौसम विभाग ने २८ फरवरी को राज्य के दक्षिण बिहार के कई जिलों में बारिश होने के आसार हो जताया है. जिसमें- कैमूर, औरंगाबाद, रोहतास, गया, नवादा, जमुई, भागलपुर और बांका शामिल है. वहीं, १ मार्च को राज्य के उत्तरी और दक्षिणी भाग के कई स्थानों पर हल्के से मध्यम स्तर की बारिश होने का पूर्वानुमान मौसम विभाग की ओर से जताया गया है. जिसमें- कटिहार, नवादा, जमुई, भागलपुर और बांका शामिल हैं.

प्रमंडल व जिला प्रभारी बनाये जाने पर दी बधाई

डुमरी (ससे): कांग्रेस नेतृत्व द्वारा जामताड़ा से विधायक सह झारखंड सरकार में मंत्री इरफान अंसारी को उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल प्रभारी एवं बोकारो से विधायक श्वेता सिंह को गिरिडीह जिला प्रभारी बनाये जाने पर स्थानीय कांग्रेसियों ने खुशी व्यक्त करते हुए बधाई दी है साथ ही आशा व्यक्त की है कि दोनों के नेतृत्व में पार्टी का संगठन और मजबूत होगा।

खुशी व्यक्त करने वालों में कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष महेश भगत प्रखंड अध्यक्ष नागेश्वर मण्डल, सुखदेव सेठ, जगदीश रजक युवा कांग्रेस के जिला महासचिव सरफराज अहमद, गुड्डू मलिक, कपिल ठाकुर, करीम बख्श, अजीत सोनार, भुनेश्वर दास, घनश्याम शार्मा, विनोद तुरी, तिलक महतो, मोहन महतो, मुकेश कुमार, उर्मिला देवी, फुलमनी देवी, सरजु रविदास प्रीतम रविदास, कुबेर भगत, बीरु साव, कृष्णा यादव, सुरेश साव, प्रकास पंडित, इमरान अंसारी,श्यामलाल मांझी, मोतीलाल सोरेन, मुमताज अंसारी, रमजान अंसारी, करीम अंसारी, युसूफ अंसारी, अब्दुल अंसारी, ताजहसन अंसारी, ,सनाउल्लाह, खुर्शीद अंसारी आदि शामिल हैं।

50 हजार का इनामी डकैत गिरफ्तार

कन्नौज (ईएमएस): कन्नौज में डकैती की वारदात के मामले में पुलिस ने देर रात मुठभेड़ करते हुए भाग रहे एक बदमाश को गिरफ्तार कर लिया है। इस मुठभेड़ के दौरान, बदमाश के पैर में एक गोली लगी है जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कर दिया गया है। २९ जून २०२३ को सित्रवासा चक में इत्र कारोबारी के यहां हुई डकैती की घटना में कई अभियुक्तों को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इस वारदात का खुलासा करने के लिए, बदमाश सुल्तान मोगिया का पुत्र धीरज सिंह मोगिया बाकी था, जिस पर ५० हजार का ईनाम था। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि चेकिंग के लिए टीम ठठिया रोड पर मौजूद थी, जहां एक संदिग्ध को रोकने के दौरान मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में बदमाश को पैर में गोली लगी और उसे इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। गिरफ्तारी के दौरान, बदमाश से एक तमंचा ३१५ बोर, ०२ जिंदा कारतूस, ०१ खोखा कारतूस और ५००० रुपए बरामद किए गए।

गोवंश ले जा रहे तस्कर से पुलिस की मुठभेड़

कुशीनगर,(ईएमएस): पुलिस और गो-तस्कर की बुधवार तड़के चौराखास के दूबे पट्टी गांव के पास पथरदेवा-जौरा बाजार मार्ग पर मुठभेड़ हो गई। इसमें पैर में गोली लगने से एक तस्कर घायल हो गया। उसकी पहचान कसया के डूमरी टोला सिसवा महंथ के रूस्तम के रूप में हुई है। तस्कर के पास से तमंचा और कारतूस बरामद हुआ है। घायल तस्कर को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने पिकअप से छह गोवंश बरामद किए हैं।

थाना प्रभारी ने बताया कि तड़के तीन बजे गश्त पर थे। तभी सूचना मिली कि गोवंश को लेकर तस्कर देवरिया के पथरदेवा की ओर से जौरा बाजार की तरफ आ रहे हैं। सूचना मिलते ही पथरदेवा-जौराबाजार मार्ग पर घेराबंदी कर तस्करों की तलाश की गई। इस बीच पटहेरवा व स्वाट टीम भी आ गई। तभी पिकअप को आते देख टीम ने उसे रुकने का इशारा किया। पुलिस टीम को देख बैरिकेडिंग तोड़ते हुए चालक तेज गति से पिकअप भगाने लगा। टीम ने पीछा किया तो वाहन रोककर एक व्यक्ति उतरा और पुलिस टीम पर फायरिंग करने लगा। जवाबी कार्रवाई में तस्कर के दाएं पैर में गोली लगी और वह गिर गया। उसके पास से एक तमंचा, तीन कारतूस मिले हैं। मौके से एक खोखा बरामद हुआ। पिकअप पर छह गोवंश, धारदार हथियार, लकड़ी का टुकड़ा, रस्सी आदि मिले हैं। गो-तस्कर ने बताया कि देविरया के पथरदेवा से गोवंश की खेप लेकर वह बिहार के गोपालगंज जा रहा था।

एसपी ने बताया कि तस्कर संगठित गिरोह का सदस्य है। यह गिरोह बेसहारा पशुओं की तस्करी करता है। इसके विरुद्ध बलरामपुर, देवरिया व कुशीनगर में गो-तस्करी समेत कई धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। इसके विरुद्ध गोवध निवारण, पशु क्रूरता व आर्म्स एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरु कर दी है।

नाराज युवक ने महिला पर किया हमला

नोएडा,(ईएमएस): घर में अकेली महिला पर एक युवक ने धारदार हथियार से हमला कर घायल कर फरार हो गया। पुलिस ने घटना के संबंध में मामला दर्ज करके बुधवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। शिकायत के मुताबिक आरोपी युवक ने २०१७ तक महिला के घर पर काम किया था और जब उसने वेतन बढ़ाने के लिए कहा तो महिला ने इनकार कर दिया था। पुलिस के अनुसार आरोपी वेतन न बढ़ाए जाने से आक्रोशित था। थाना प्रभारी ने बताया कि सेक्टर-३६ में रहने वालीं बिन्नू कक्कड़ ने बीती रात थाने में शिकायत दर्ज कराई कि उनकी सास किरण कक्कड़ मंगलवार को घर पर अकेली थीं, तभी उनके घर में एक अज्ञात युवक धारदार हथियार लेकर आया और सास पर हमला कर दिया। सास ने शोर मचाया तो आरोपी फरार हो गया।

मोदीपुरम से दिल्ली तक जून में दौड़ेगी नमो भारत ट्रेन

मेरठ(ईएमएस): मेरठ के मोदीपुरम से दिल्ली तक नमो भारत ट्रेन जून में दौड़ने लगेगी। इसके लिए एनसीआरटीसी की ओर से तेजी से तैयारी चल रही है। मेरठ में तीन चरणों में नमो भारत और मेरठ मेट्रो का संचालन होगा। पहले चरण में मेरठ साउथ से शताब्दीनगर, दूसरे चरण में शताब्दीनगर से बेगमपुल और तीसरे चरण में बेगमपुल से मोदीपुरम तक नमो भारत और मेरठ मेट्रो का संचालन होगा। पहला चरण शताब्दीनगर तक मार्च के अंत तक, दूसरे चरण में बेगमपुल तक अप्रैल-मई और तीसरे चरण में मोदीपरम तक जून अंत में पूर्ण हो जाएगा।

एनसीआरटीसी के अनुसार मेरठ-दिल्ली रैपिड रेल कॉरिडोर हर हाल में जून तक संचालित होगा। इसके लिए अब मेरठ में मेरठ साउथ से मोदीपुरम के बीच २३ किलोमीटर कॉरिडोर पर लगातार फाइनल टच देने का काम चल रहा है। इसके तहत तीन चरणों में संचालन की तैयारी है।मेरठ के मोदीपुरम से दिल्ली के सराय काले खां तक ८२ किलोमीटर का सफर कॉरिडोर पर ५० मिनट में तय होगा। वर्तमान में ५५ किलोमीटर का सफर मेरठ साउथ से न्यू अशोक नगर के बीच हो रहा है, जिसमें करीब ३५ से ४० मिनट का समय लग रहा है। सीपीआरओअ पुनीत वत्स ने कहा, एनसीआरटीसी की पूरी तैयारी है कि जून-२०२५ तक हर हाल में नमो भारत और मेरठ मेट्रो की सेवाएं संचालित हो जाएं। जून तक का ही लक्ष्य है और इस लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। मेरठ में रैपिड रेल कॉरिडोर में बेगमपुल के अलावा मेरठ में मेरठ सेंट्रल और भैंसाली भी अंडरग्राउंड स्टेशन हैं, लेकिन इन पर केवल मेरठ मेट्रो की सुविधा मिलेगी। नमो भारत और मेरठ मेट्रो की सुविधा शहर में मेरठ साउथ, शताब्दी नगर, बेगमपुल और मोदीपुरम स्टेशन पर ही मिलेगी।

मेरठ मेट्रो और नमो भारत के लिए २३ किलोमीटर के सेक्शन में शहर में कुल १३ स्टेशन बनाए जा रहे हैं। इनमें से मेरठ सेंट्रल, भैंसाली और बेगमपुल अंडरग्राउंड हैं, बाकी एलिवेटेड हैं।

मुजफ्फरपुर में सांसद प्रतिनिधि पर जानलेवा हमला

पटना (एजेंसी): बिहार के मुजफ्फरपुर से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां वैशाली की लोजपा सांसद वीणा देवी के प्रतिनिधि पर जानलेवा किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, पहले बदमाशों ने सांसद प्रतिनिधि के घर का दरवाजा खोलने के लिए बेल बजाया। इसके बाद जैसे ही उन्होंने दरवाजा खोला अपराधियों ने उनपर फायरिंग शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि घटना मुजफ्फरपुर के हथौड़ी थाना क्षेत्र के सहिला रामपुर गांव की है। यहां बुधवार सुबह वैशाली सांसद वीणा देवी के प्रतिनिधि अनीश कुमार पर अपराधियों ने जानलेवा किया है। हमलावरों ने घर में घुसकर उनपर अंधाधुंध फायरिंग की। इस वारदात को बाइक सवार दो अपराधियों ने अंजाम दिया है। बहरहाल, इस हादसे में सांसद प्रतिनिधि बाल-बाल बच गए। लेकिन गोलीबारी की वारदात के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। वहीं, घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस पहुंची घटना पर पहुंची। इसके बाद मामले की छानबीन में जुट गई।

लॉरेंस गैंग से जुड़ा एक लाख का इनामी बदमाश जितेंद्र एनकाउंटर में ढेर

मेरठ(ईएमएस): बुधवार की सुबह सुबह उप्र पुलिस ने एक लाख के इनामी बदमाश जितेंद्र उर्फ जीतू को ढेर कर दिया। जितेंद्र लॉरेंस गैंग से जुड़ा हुआ था, उस पर कई मामले दर्ज थे।एसटीएफ की नोएडा यूनिट और पुलिस ने इस एनकाउंटर को अंजाम दिया है। जितेंद्र पर गाजियाबाद पुलिस ने एक लाख रुपए का इनाम घोषित कर रखा था। वह पैरोल पर जेल से बाहर आने के बाद फरार हो गया था। उसे अदालत से उम्रकैद की सजा हो चुकी थी।

जितेंद्र उर्फ जीतू हरियाणा के झज्जर के असौंदा सिवान गांव का रहने वाला था। बताया जा रहा है कि उसके खिलाफ आठ मुकदमे दर्ज थे। २०२६ में हुए डबल मर्डर में उसे उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। मिली जानकारी के अनुसार वह २०२३ में पैरोल पर जेल से बाहर आने के बाद फरार हो गया था।

तभी से पुलिस उसे तलाश रही थी। गाजियाबाद पुलिस ने थाना टीला मोड़ के पास २०२३ में हुई हत्या के केस में वांछित होने के चलते जितेंद्र पर एक लाख रुपए का इनाम घोषित किया था। इस बीच जितेंद्र के बारे में एसटीएफ को सूचना मिली जिसके आधार पर जितेंद्र की मेरठ में घेराबंदी की गई जहां अंततः एनकाउंटर में वह मारा गया। मिली जानकारी के अनुसार दो बजे के बाद भोर में यह एनकाउंटर हुआ है। मेरठ के मुंडाली थाना क्षेत्र में एसटीएफ और पुलिस ने जितेंद्र की घेराबंदी की थी। जितेंद्र को हथियार डालकर सरेंडर करने को कहा गया लेकिन उसने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी फायरिंग में उसे गोली लग गई। जितेंद्र को घायल होने के बाद पुलिस ने पकड़ लिया और इलाज के लिए तत्काल अस्पताल ले गई।

भाजपा का जातीय समीकरण साधने का प्रयास

पटना, (ईएमएस): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिहार दौरे के दो दिन बाद राज्य कैबिनेट का विस्तार हुआ है। बिहार दौरे पर किसान सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लाडला कहा था और ४८ घंटे बाद लाडले भाई का भी बड़ा दिल भी देखने को मिला है। दरअसल बुधवार को नीतीश कैबिनेट का विस्तार हुआ। इसमें बीजेपी के सात विधायकों को जगह मिली है।

राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने राजभवन में नए मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। जो विधायक मंत्री बने हैं उनके नाम हैं- संजय सरावगी, सुनील कुमार, जीवेश मिश्रा, कृष्ण कुमार मंटू, विजय मंडल, राजू सिंह और मोतीलाल प्रसाद हैं। वहीं जदयू कोटे से एक भी विधायक को मंत्री नहीं बनाया गया है। इसकी क्या वजह हो सकती है वो तो नीतीश बाबू को ही पता होगा। मगर चर्चा यही है कि जदयू के किसी विधायक को मंत्री बनाये जाने से जदयू के अंदर कहीं घमासान ना हो जाए शायद इसलिए नीतीश कुमार ने एक दांव चला है।

बात करें नीतीश कुमार की तो नीतीश वो नेता हैं जो हर दांव चलने से पहले उसके फायदे और नुकसान देखते हैं। उन्होंने बीजेपी के ७ विधायकों को यूं ही मंत्रिमंडल में जगह नहीं दे दी। कैबिनेट विस्तार के जरिए उन्होंने बड़ा सियासी दांव चला है। बड़ा दिल दिखाते हुए उन्होंने गठबंधन धर्म और एकता का संदेश दिया है। इस तरह उन्होंने जाहिर कर दिया है कि वो एनडीए के साथ सियासी मैदान में उतरेंगे क्योंकि बिहार ही नहीं पूरे देश में उनकी पलटने वाली सियासत के किस्से कौन नहीं जानता। इसके साथ ही उन्होंने जनता को भी ये संदेश देने की कोशिश की है कि नीतीश अब इधर-उधर नहीं जाने वाले हैं। बात करें बीजेपी की तो इस साल बिहार में विधानसभा चुनाव होने हैं।

इससे पहले कैबिनेट विस्तार के जरिए बीजेपी ने जातीय समीकरण को साधने के साथ ही क्षेत्रीय समीकरण को भी केंद्र में रखा है। बीजेपी ने जातिगत समीकरण साधने के साथ ही ५० सीटों को लेकर अपने इरादे भी जाहिर कर दिए हैं। ये सीटें हैं मिथिलांचल क्षेत्र की, जहां से बीजेपी ने दो विधायकों को नीतीश कैबिनेट में जगह दिलाई है। बीजेपी की इस रणनीति का विधानसभा चुनाव में कितना जादू चलता है तो ये आने वाला वक्त ही बताएगा। फिलहाल बीजेपी ने कैबिनेट विस्तार के जरिए विधानसभा चुनाव में अपनी स्थिति मजबूत करने की माकूल कोशिश की है।

बुधवार को जिन सात विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली है, उनमें एक राजपूत, एक भूमिहार, एक केवट, एक कुर्मी, एक कुशवाहा, एक तेली और एक मारवाड़ी समाज से हैं। कृष्ण कुमार कुर्मी जाति से आते हैं। इसी तरह विजय मंडल केवट, राजू सिंह राजपूत, भूमिहार, सुनील कुमार कुशवाहा, मोतीलाल प्रसाद तेली और संजय सारावगी मारवाड़ी समाज से आते हैं।

अगली बार 350 दिन बिहारी भुंजा खाएंगे प्रधानमंत्री मोदी : लालू प्रसाद

पटना (एजेंसी): बिहार में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं, और चुनाव से पहले राजनेताओं के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भागलपुर पहुंचे थे, जहां उन्होंने मखाना बोर्ड बनाए जाने का ऐलान किया और यह भी कहा कि वह साल में ३०० दिन मखाना खाते हैं। पीएम मोदी के इस बयान पर अब राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने तंज कसा है।

लालू यादव ने प्रधानमंत्री के मखाना बयान पर कटाक्ष करते हुए ट्वीट किया, अबकी बार तो हमारे सवालों पर साल में ३०० दिन ही मखाना खाने की बात कही है। अगली बार ३५० दिन 'बिहारी भुंजा' खाएंगे।

१०० दिन भागलपुरी सिल्क पहनेंगे, गंगा मैया में डुबकी लगायेंगे, जानकी मैया के मंदिर जाएंगे, बिहार से बचपन का रिश्ता स्थापित करेंगे, मधुबनी पेंटिंग्स का गमछा या कुर्ता पहनेंगे, भोजपुरी, मगही, अंगिका, बज्जिका, सुरजापुरी और मैथिली भाषा की २-४ उधारी लाइनों से संबोधन की शुरुआत करेंगे, जननायक कर्पूरी ठाकुर जी, लोकनायक जयप्रकाश जी और अन्य महापुरुषों से संबंध बतायेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार दौरे के दौरान भागलपुर जिले से देशभर के किसानों के लिए पीएम किसान निधि की १९वीं किस्त जारी की थी। इस मौके पर पीएम मोदी ने मखाना का भी उल्लेख किया था और कहा, आपका मखाना आज देश ही नहीं, पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। मैं ३६५ दिन में से ३०० दिन मखाना खाता हूं।

उन्होंने यह भी कहा कि बीते वर्षों में सरकार के प्रयासों से भारत का कृषि निर्यात बहुत बढ़ा है और किसानों को उनकी उपज का अच्छा मूल्य मिल रहा है। साथ ही, पीएम मोदी ने यह भी घोषणा की कि इस वर्ष के बजट में मखाना किसानों के लिए मखाना बोर्ड बनाने का प्रस्ताव है। इस विवादित बयान के बाद राजद और भाजपा के बीच राजनीतिक वार और तीव्र हो गए हैं। बिहार में चुनावी माहौल में इस जुबानी जंग को और भी दिलचस्प बना दिया है।

बस को दूध के टैंकर ने मारी टक्कर, 3 की मौत

बेगूसराय,(ईएमएस): बिहार के बेगूसराय में बारातियों से भरी बस और दूध टैंकर के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इसमें तीन लोगों की मौत हो गई और १५ से ज्यादा बाराती घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों में चार की हालत गंभीर बताई जा रही है।

जानकारी के मुताबिक यह घटना बछवाड़ा थाना क्षेत्र के रानी गांव के समीप एनएच २८ पर हुई। इस घटना में दूल्हा के तीन रिश्तेदारों की मौके पर ही मौत हो गई है। पुलिस ने बताया कि तेघड़ा थाना क्षेत्र के दुलारपुर गांव के उमेश दास के बेटे की शादी थी, बारात दुलारपुर वार्ड नंबर ३ से सिटी राइड बस देसवा पतेलिया गांव की ओर जा रही थी इसमें १८ बाराती सवार थे। इसी दौरान रास्ते में रानी हाईस्कूल के पास ओवरटेक करते समय पीछे से आ रहे दूध टैंकर ने सिटी राइड बस को टक्कर मार दी जिससे बस पलट गई और टैंकर भी क्षतिग्रस्त हो गया। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू कर दिया, लेकिन घटनास्थल पर ही तीन लोगों की जान चली गई। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायल बारातियों को अस्पतालों में भर्ती कराया। मृतकों की पहचान उमेश दास के पुत्र आदित्य कुमार और उनके दो नाती, चमथा के रहने वाले सौरभ कुमार और गौरव कुमार के रूप में हुई है। घटना की जांच में यह भी सामने आया है कि दूध टैंकर का ड्राइवर खलासी फरार हो गया है।

ओएचई लाइन टूटने से यातायात अवरुद्ध

महोबा (ईएमएस): उत्तर मध्य रेलवे के झांसी-मानिकपुर ट्रैक में महोबा जंक्शन स्टेशन के निकट ओएचई लाइन टूट कर गिरने से रेल यातायात अवरुद्ध हो गया। प्रयागराज कुंभ स्पेशल सहित कोई आधा दर्जन गाड़ियां इसके चलते बाधित हुईं। रेलवे के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा पांच घंटे के कठिन उपक्रम के बाद विद्युत लाइन को दुरुस्त कर यातायात को शुरु किया गया।

प्रयागराज कुंभ में बुधवार को शिवरात्रि पर अंतिम अमृत स्नान के मद्देनजर भीड़ को देखकर उत्तर मध्य रेलवे ने विभिन्न प्रमुख गाड़ियों सहित झांसी से प्रयागराज के लिए आधा दर्जन मेला स्पेशल ट्रेनों की व्यस्था की थी। परंतु ट्रेक पर महोबा से करीब ३० किलो मीटर पहले बेलाताल स्टेशन के पास ओवर हेड इलेक्ट्रीक लाइन टूट कर गिर जाने से पूरा सिस्टम गड़बड़ा गया। रात में करीब ११ बजे हुई दुर्घटना के बाद ट्रेक पर रेल यातायात को रोकना पड़ा। गाड़ियों की आवाजाही बंद हो जाने से हजारों की संख्या में यात्री फंसे रह गए।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासन के उच्च अधिकारियों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया और घटना स्थल से करीब एक किलो मीटर पहले जंगल में खड़ी कुंभ मेला स्पेशल ट्रेन में सवार यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की। रेल अधिकारियों ने तब हरपालपुर से अतिरिक्त इंजन को भेज ट्रेन को वापस स्टेशन पहुंचाया।

भेदभाव के खिलाफ जनजागृति की जरूरत है : चंद्रशेखर

पटना (एजेंसी): बिहार विधानसभा चुनाव होने वाला है. इससे पहले राजद विधायक प्रो. चंद्रशेखर ने जहरीला बयान दिया है. पूर्व शिक्षा मंत्री का ये बयान सनातन धर्म पर दिया है. राजद विधायक ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि इंसान अछूत होता है. मगर, कुत्ता भैरव भगवान होता है. नाग देवता होता है, जिसके डंसने से इंसान मर जाता है. उल्लू लक्ष्मी माता की सवारी बनता है, लेकिन इंसान अछूत रहता है. अब इस बयान पर बिहार की सियासत गर्मा सकती है.

अब सवाल उठता है कि तेजस्वी यादव एक तरफ जहां बीजेपी की बात करते हैं. वहीं, उनके पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. चंद्रशेखर सनातन को लगातार 'गाली' दे रहे. राजद विधायक के सनातन धर्म के प्रति इस जहरीले बोल से क्या तेजस्वी यादव सहमत हैं. आप सभी को याद होगा कि तेजस्वी यादव राजद को 'इ--ङ्ग' की पार्टी बताते हैं यानी ये सबकी पार्टी है, लेकिन पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. चंद्रशेखर का बयान इसके इतर रहता है.दरअसल, मधेपुरा में पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. चंद्रशेखर ने धार्मिक मान्यताओं पर सवाल उठाया. उन्होंने कहा कि कौन सा धर्म या विचारधारा इंसान को अछूत बनाती है? मगर, जानवरों को भगवान का दर्जा देती है. राजद विधायक ने अपने जहरीले बोल जारी रखा. प्रो. चंद्रशेखर ने आगे कहा कि जानवरों का सम्मान होना चाहिए, क्योंकि वह भी जीव हैं. मगर, जो धर्म इंसान को अछूत और जानवरों को भगवान बनाता है. वह अधर्मी और पाखंडी है, बस धार्मिक होने का दिखावा करते हैं.

राजद विधायक प्रो. चंद्रशेखर ने कहा कि इस भेदभाव के खिलाफ जनजागृति की जरूरत है. उन्होंने कहा कि समाजवादियों का लक्ष्य समानता स्थापित करना है. हमारी पार्टी इस सामाजिक कुरीति के खिलाफ अभियान जारी रखेगी.

बता दें कि पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. चंद्रशेखर रामचरितमानस पर भी विवादित टिप्पणी चुके हैं. राजद विधायक ने रामचरितमानस और मनुस्मृति को समाज में विभाजन और नफरत फैलाने वाला बता चुके हैं.

महाशिवरात्रि पर महाकुंभ में लाखों श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

प्रयागराज(ईएमएस): आज महाकुंभ २०२५ का छठवां और आखिरी स्नान हो रहा है। महाशिवरात्रि के मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पावन संगम स्नान के लिए महाकुंभ में पहुंच रहे हैं। पूरे मेला क्षेत्र में हाई अलर्ट है। ड्रोन और एआई कैमरों से भी त्रिवेणी संगम की निगरानी की जा रही है। मेला क्षेत्र में वाहनों का प्रवेश बंद रखा गया है। आज लगभग दो करोड़ श्रद्धालुओं के स्नान करने का अनुमान है। सुबह से ८ बजे तक ६० लाख से अधिक लोग स्नान कर चुके थे। बुधवार को आखिरी स्नान पर्व के साथ १३ जनवरी से शुरू हुए ४५ दिनी सबसे बड़े धार्मिक आयोजन का समापन हो जाएगा।

स्नान पर्व के एक दिन पहले अफसरों ने तैयारियों को अंतिम रूप दिया। आईट्रिपलसी में बनाए गए कंट्रोल रूम में २४ घंटे के लिए टीम को तैनात किया गया है, जो हर वक्त हर गतिविधि पर नजर रखेगी। यह टीम घाटों पर, मेला क्षेत्र में, प्रमुख होल्डिंग एरिया, रेलवे स्टेशन और बस अड्डों पर आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए समन्वय बनाने का काम करेगी। जिससे भीड़ बढ़ने पर समय रहते ही श्रद्धालुओं को मेला क्षेत्र के बाहर ही रोका जा सके। मेला क्षेत्र पूरी तरह से एकल मार्ग रहेगा। काली सड़क से प्रवेश और त्रिवेणी मार्ग से निकासी के निर्देश सभी सेक्टर मजिस्ट्रेटों को दिए गए हैं। २५ फरवरी तक ६४.७७ करोड़ श्रद्धालु महाकुंभ में पहुंचकर डुबकी लगा चुके हैं।

आज उमड़ी भारी भीड़ के मद्देनजर मेला क्षेत्र में हाई अलर्ट रखा गया है। सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन की वही व्यवस्थाएं लागू की गई हैं जो इससे पहले हुए वसंत पंचमी और माघी पूर्णिमा के स्नान के दिन थीं। हेलीकॉप्टर से फूलों की बारिश की भी तैयारी की गई है। शिवभक्तों पर २५ क्विंटल फूल बरसाए जाएंगे।

महाशिवरात्रि पर प्रयागराज

आने वाले श्रद्धालु संगम स्नान तो करेंगे ही साथ ही आसपास के शिव मंदिरों में भी जाएंगे। मेला क्षेत्र की बात करें तो सबसे करीब के शिव मंदिरों में दशाश्वमेध, सोमेश्वर महादेव और मनकामेश्वर मंदिर है।

इन मंदिरों में सुबह चार बजे से पहले ही शिव भक्तों की कतार लग जाएगी। ऐसे में डीएम महाकुम्भ नगर विजय किरन आनंद ने अफसरों को निर्देश दिया है कि यहां पर कम से कम दो अधिकारी लगातार निगरानी रखें, जिससे किसी प्रकार की समस्या न हो। मंदिर में प्रवेश और निकास पर ध्यान दें। महाकुम्भ के अंतिम स्नान पर्व महाशिवरात्रि पर सुरक्षा के विशेष इंतजाम हैं। मेला क्षेत्र को २७ फरवरी की सुबह आठ बजे तक नो-व्हीकल जोन घोषित कर दिया गया है।

भीड़ देखते हुए प्रतिबंध बढ़ाया जा सकता है। संगम सहित अन्य स्नान घाटों पर पुलिस के अलावा अर्द्धसैनिक बलों की तैनाती की गई है। श्रद्धालुओं के आगमन और प्रस्थान का अलग-अलग मार्ग निर्धारित है।

21 हजार लीटर शराब की गई नष्ट

झांसी (ईएमएस): बबीना थाना परिसर में एक बही कार्रवाई का अंजाम दिया गया है, जिसमें साल २००९ से २०२३ तक २६३ मामलों में २१,००० लीटर अवैध कच्ची शराब को नष्ट कर दिया गया है। यह कार्रवाई न्यायालय अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश के अनुसार संपन्न हुई। एक विशेष टीम जिसमें वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, अपर नगर मजिस्ट्रेट, और अन्य अधिकारियों की शामिलता थी, ने इस कार्रवाई की निगरानी की। टीम ने बताया कि यह अभियान जिले को नशा मुक्त बनाने के लक्ष्य के साथ चलाया जा रहा है और इस प्रकार की सख्त कार्रवाई को आगे भी जारी रखा जाएगा।

दुकान में घुसकर लूटे 12 लाख के गहने

पटना (एजेंसी): बिहार के सीवान जिले के भगवानपुर थाना इलाके में मंगलवार को दिनदहाड़े नकाबपोश अपराधियों ने एक ज्वेलरी दुकान में घुसकर लूटपाट और हिंसा की वारदात को अंजाम दिया। घटना भगवानपुर गांव में स्थित एक आभूषण दुकान पर हुई, जो सड़क किनारे एक घर में चल रही थी। इस घटना से बाजार में आभूषण विक्रेताओं में दहशत फैल गई है। जानकारी के अनुसार, तीन बाइक पर सवार नकाबपोश अपराधी हथियारों से लैस होकर दुकान में पहुंचे और लूटपाट की घटना को अंजाम दिया।

एक अपराधी ने दुकानदार अच्छेलाल साह के माथे पर पिस्टल तान दी और दुकान में बैठे जुनेदपुर गांव के अमित कुमार के साथ मारपीट की।

अपराधियों ने दुकान में रखे गहनों को अपने साथ लाए प्लास्टिक के बोरे में भरने का प्रयास किया, लेकिन बोरे का वजन अधिक होने के कारण और दुकानदार द्वारा ईंट-पत्थर चलाने पर अपराधी बोरा छोड़कर भाग खड़े हुए। इस दौरान अपराधियों ने हवाई फायरिंग भी की और सोंधानी की दिशा में फरार हो गए। हालांकि, अनुमान के अनुसार अपराधी लगभग एक सौ से दो सौ ग्राम सोने के आभूषण अपने साथ ले जाने में सफल रहे हैं। इस घटना से घबराए दुकानदार अच्छेलाल साह अभी किसी भी जानकारी को देने की स्थिति में नहीं हैं।

पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। थाना अध्यक्ष सुजीत कुमार चौधरी, एसआई अनिरुद्ध कुमार, सत्यनारायण मंडल और पीएसआई छपित कुमार चौबे ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने का काम शुरू किया। पुलिस अपराधियों की पहचान के लिए प्रयासरत है और जल्द ही उनकी धरपकड़ करने की कोशिश की जा रही है।

इसके अलावा, एफएसएल की टीम को मामले की जांच के लिए सूचना दी गई है। अपराधियों द्वारा मारपीट किए जाने से घायल युवक के मोबाइल को पुलिस ने जब्त कर लिया और उसका इलाज कराने के लिए साथ ले गई।

बहुभोज में अचानक बदमाशों ने कर दी फायरिंग, 1 को लगी गोली

राधोपुर,(ईएमएस): वैशाली के राघोपुर पूर्वी पंचायत वार्ड नंबर १४ में बहुभोज में बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी, जिसमें गोली लगने से एक युवक और मारपीट में दो व्यक्ति घायल हो गए हैं। गोलीबारी से मौके पर अफरातफरी मच गई। इस दौरान भोज कर रहे लोग इधर-उधर भागने लगे।

लोगों की मदद से परिवार वालों ने घायलों को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया है।घायलों में खुशरूपुर थाने के मौसमपुर निवासी विमलेश कुमार, कमलेश कुमार एवं गणेश कुमार के नाम शामिल हैं। गणेश कुमार की हालत गंभीर बताई जा रही है। वह पटना के एक निजी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती हैं। युवक के हाथ में गोली लगी है। वहीं, विमलेश और कमलेश को सिर में गंभीर चोटें लगी है। घटना की जानकारी घायल के परिवार वालों ने जुड़ावनपुर थाने और डायल ११२ पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई शुरू कर दी है। घटनास्थल से खोखे बरामद किए गए हैं।

जानकारी के मुताबिक राघोपुर पूर्वी निवासी नागेश्वर राय के पुत्र लालू कुमार की शादी के बाद बहु भोज का आयोजन किया गया था। बहु भोज में उनके रिश्तेदार भी शामिल हुए थे। इस दौरान वह उनका स्वागत करने के लिए गेट पर खड़े थे।

तभी दो-तीन बदमाश हथियार लेकर वहां पहुंचे और गोलीबारी शुरू कर दी। इससे अफरातफरी मच गई। डर से लोग इधर-उधर भागने लगे। एक युवक को गोली लग गई। वहीं दो अन्य लोगों से मारपीट कर घायल कर दिया। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना के संबंध में बताया गया है कि बहुभोज में अचानक स्थानीय कलटू राय और टेमन राय सहित अन्य लोग हथियार लेकर पहुंचे और गोलीबारी के साथ मारपीट शुरू कर दी। गोलीबारी के बाद सभी फरार हो गए। घटना के संबंध में जुड़ावनपुर थानाध्यक्ष ने बताया कि गोलीबारी की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे जांच पड़ताल की गई है। वहीं पटना अस्पताल जाकर घायलों से आवेदन देने को कहा गया है। अभी आवेदन नहीं मिला है। अगमकुंआ थाने के बयान पर प्राथमिकी दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

महाकुंभ में सीएम योगी ने एक के बाद एक ताबड़तोड़ दौरे किए

प्रयागराज (एजेंसी): महाकुंभ २०२५ का समापन हो रहा है. ४५ दिनों तक चले महाकुंभ में ६५ करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई. इतने बड़े महा आयोजन के लिए सीएम योगी ने दो साल पहले ही तैयारी शुरू कर दी थी.

महाकुंभ में किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए अफसरों की फौज उतार दी. हर तीसरे दिन प्रयागराज का दौरा कर अफसरों को सख्त निर्देश देने में हिचक नहीं दिखाई. महाकुंभ महाआयोजन के मैनेजमेंट की भागडोर खुद अपने हाथों में रखी. सीएम योगी महाकुंभ में मैनेजमंट गुरु बनकर उभरे....

प्रयागराज में संगम किनारे महाकुंभ की शुरुआत १३ जनवरी से हुई थी. १४ जनवरी को मकर संक्रांति स्नान के बाद १९ जनवरी को सीएम योगी महाकुंभ शुरू होने के बाद पहली बार संगम पहुंचे. इस दौरान पूज्य शंकराचार्य और संत महात्माओं से मुलाकात कर तैयारियों के बारे में जानकारी ली. साथ ही प्रदर्शनी, पुलिस गैलरी, संविधान गैलरी और पर्यटन गैलरी का भी शुभारंभ किया.

इसके बाद सीएम योगी २२ जनवरी को प्रदेश के सभी मंत्रियों के साथ संगम में डुबकी लगाई और मेला प्राधिकरण कार्यालय में कैबिनेट की बैठक की. कैबिनेट बैठक में कई प्रस्तावों पर मुहर लगाई. इसके बाद सीएम योगी २५ जनवरी को फिर संगम पहुंचे. मौनी अमावस्या स्नान से पहले २७ जनवरी को महाकुंभ पहुंचे. ४५ से ५० दिनों के महाकुंभ में सीएम योगी ने एक के बाद एक ताबड़तोड़ १२ दौरे किए.

सीएम योगी ने महाकुंभ के सभी प्रमुख स्नान से पहले

मॉनीटरिंग की. १४ जनवरी को पहले शाही अमृत स्नान की मॉनीटरिंग कंट्रोल रूम से की. जहां भी लापरवाही दिखी, अफसरों को फटकार लगाने में हिचके नहीं. मौनी अमावस्या में अनुमान से ज्यादा भीड़ एक जगह एकत्रित होने पर भगदड़ हुई तो घटना की जानकारी देते हुए भावुक हो गए.

भगदड़ की जांच के लिए न्यायिक आयोग का भी गठन किया. इतना ही नहीं यूपी विधानसभा के बजट सत्र में अपने संबोधन में कहा कि महाकुंभ भगदड़ के आरोपितों को बख्शा नहीं जाएगा.

मौनी अमावस्या भगदड़ के बाद घटना की जानकारी के लिए खुद प्रयागराज पहुंचे. मौनी अमावस्या पर भगदड़ को लेकर अफसरों की जमकर क्लास लगाई. दोबारा इस तरह की घटना को रोकने के लिए तेजतर्रार १०० से ज्यादा अफसरों की फौज उतार दी.

आईजी लेवल के अफसरों को ट्रैफिक कंट्रोल की भी जिम्मेदारी दी. प्रमुख स्नान घाटों पर निगरानी रखी.

महाकुंभ २०२५ की तैयारी दो साल पहले ही शुरू कर दी थी. २०२२ का विधानसभा चुनाव जीतते ही महाकुंभ २०२५ की तैयारियां पर जुट गए. दुनियाभर में निमंत्रण भेजा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ के महत्व को देश-विदेश में प्रचारित करने के लिए रोड शो भी किए. दिल्ली, मुंबई, पटना, गोवा, बेंगलुरु, कोलकाता, गुवाहाटी, देहारादून, भोपाल, इंदौर, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, हैदराबाद, तिरुवनंतपुरम, चेन्नई जैसे शहरों में मंत्रियों को भेजा.

सभी प्रमुख स्नानों पर महाकुंभ पहुंची भीड़ का सूझबूझ से कंट्रोल किया. केंद्र सरकार से समन्वय बनाकर प्रमुख स्टेशनों से महाकुंभ स्पेशल ट्रेनें चलवाईं. पूरे महाकुंभ में तीन हजार से ज्यादा ट्रेनें चलाकर श्रद्धालुओं को उनके गंतव्य तक पहुंचाने का काम किया. प्रयागराज के आठ स्टेशनों से ट्रेनों का संचालन कर भीड़ को एक जगह एकत्रित नहीं होने दिया. भीड़ बढ़ी तो मेला क्षेत्र के सबसे नजदीक वाले संगम स्टेशन को अस्थाई रूप से बंद करने के फैसले से नहीं चूके.

पीएम मोदी-शरद पवार की तस्वीर पर महाराष्ट्र में सियासी चर्चाओं का बाजार गर्म

मुंबई,(ईएमएस): पीएम नरेंद्र मोदी और एनसीपी(एसपी) प्रमुख शरद पवार की दिल्ली में हुई मुलाकात की तस्वीर की चर्चाएं महाराष्ट्र में खूब हो रही हैं। इस बीच महाराष्ट्र की सियासत में दो बड़े अपडेट देखे जा रहे हैं। पहला शिवसेना (यूबीटी) के प्रवक्ता संजय राउत के सुर बदल गए हैं। उन्होंने सरकार के फैसलों पर सीएम देवेंद्र फडणवीस की तारीफ की है। वहीं दूसरी ओर शरद पवार की पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल ने बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले से मुलाकात की है। इस मुलाकात के बाद पाटिल के राजनीतिक रुख पर अटकलें तेज हो गई हैं।

बता दें दिल्ली में २१ फरवरी को ९८वां अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में बतौर अतिथि पीएम मोदी पहुंचे थे। शरद पवार कार्यक्रम के आयोजक मंडल में शामिल थे। पीएम मोदी जब दीप प्रज्वलन करने पहुंचे तो उन्होंने शरद पवार से आगे आने का अनुरोध किया। उसके बाद जब पवार अपना संबोधन खत्म करके सीट की तरफ लौट रहे थे तो पीएम मोदी ने सीट पर बैठने में मदद की और उनको पानी का गिलास भरकर दिया। सोशल मीडिया पर इस वीडियो की खूब तारीफ हो रही है।

इस बीच अब खबर आ रही है कि महाराष्ट्र एनसीपी (एसपी) अध्यक्ष जयंत पाटिल और बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले में बैठक की है। हालांकि, पाटिल ने सफाई में कहा कि मुंबई में बैठक के दौरान राजनीति पर चर्चा नहीं हुई। पाटिल ने कहा कि हमने सांगली जिले में अपने निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित कार्यों को लेकर बावनकुले से मुलाकात की। पूर्व मंत्री पाटिल को शरद पवार का बेहद करीबी माना जाता है। पाटिल ने कहा कि हां, मैं बावनकुले से मिला था। मैंने अपने क्षेत्र से संबंधित काम के लिए उनसे मुलाकात की। मेरे साथ एक प्रतिनिधिमंडल भी था और २५ मिनट की बैठक में कोई राजनीतिक चर्चा नहीं हुई। हमने सिर्फ स्थानीय मुद्दों पर बातचीत की।

पाटिल ने बैठक में सांगली जिले के मुद्दों से संबंधित कम से कम एक दर्जन मांगें रखीं और भूमि रिकॉर्ड की ऑनलाइन प्रोसेसिंग के संबंध में बात की। पाटिल ने कहा कि यह एक अहम मुद्दा है, जिसे मैंने बावनकुले के ध्यान में लाया। उन्होंने कहा कि भूमि अधिग्रहण से संबंधित कई मामलों को हल करने की जरूरत है। बावनकुले ने कहा कि राज्यमंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल भी बैठक में मौजूद थे। उन्होंने कहा कि करीब ४०० से ५०० लोग भी मौजूद थे। बैठक में कोई राजनीतिक चर्चा नहीं हुई। पाटिल ने हाल ही में एक कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री और बीजेपी सांसद नितिन गडकरी के साथ मंच साझा किया था।

वहीं शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने फिक्सर को मंत्रियों का ओएसडी या पीएस नहीं बनने देने के लिए सीएम फडणवीस की तारीफ की है। राउत ने कहा कि जिन लोगों को पदों के लिए नजरअंदाज किया गया, उनमें से अधिकांश शिवसेना (शिंदे) के मंत्री थे। उन्होंने दावा किया कि कैबिनेट मंत्रियों के १६ निजी सचिवों या विशेष कर्तव्य अधिकारियों (ओएसडी) की नियुक्ति को फडणवीस ने मंजूरी नहीं दी, उनमें से १३ शिवसेना के मंत्री थे। राउत ने फिक्सरों की नियुक्ति को रोकने के लिए फडणवीस की तारीफ की। राउत ने कहा, मेरे पास १६ पीएस के नाम हैं, जिनमें से १३ शिंदे के हैं और बाकी अजित पवार खेमे के हैं। वह फडणवीस सख्त फैसले ले रहे हैं। हमारे बीच राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन हम राज्य के हित में लिए गए फैसलों का समर्थन करते हैं।

उन्होंने कहा कि फडणवीस ने महाराष्ट्र के खजाने की लूट रोक दी है। राउत का कहना था कि जब एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री थे और जिन परियोजनाओं की लागत बढ़ा दी गई थी, उन स्वीकृत प्रोजेक्ट पर काम सस्पेंड करके फडणवीस ने राज्य की लूट को रोक दिया है। बता दें फडणवीस ने कहा था हमने पीएस या ओएसडी के रूप में नियुक्ति के लिए कैबिनेट मंत्रियों द्वारा भेजे गए १२५ नामों में से १०९ को मंजूरी दे दी, लेकिन अन्य को मंजूरी नहीं दी क्योंकि वे या तो पूछताछ का सामना कर रहे हैं या फिक्सर के रूप में जाने जाते हैं।

मुझे बदनाम कर रहे धर्म विरोधी : हर्षा रिछारिया

भोपाल (ईएमएस): प्रयागराज महाकुंभ में पेशवाई के रथ पर बैठने से चर्चा में आईं भोपाल की हर्षा रिछारिया अब एक बार फिर सुर्खियों में हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में उन्होंने सुसाइड की धमकी दी है। हर्षा ने आरोप लगाया कि कुछ धर्म विरोधी लोग उनके वीडियो एआई से एडिट कर बदनाम कर रहे हैं।

करीब २ मिनट १३ सेकंड के इस वीडियो में हर्षा ने कहा कि उन्होंने महाकुंभ में सनातन धर्म और युवाओं को जागरूक करने की प्रतिज्ञा ली थी। लेकिन अब कुछ लोग उन्हें बदनाम करने की साजिश कर रहे हैं। इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में हर्षा रिछारिया भावुक होकर कहती हैं, मुझे महादेव ने जितनी हिम्मत दी है, मैं उतनी लड़ंगी, लेकिन जिस दिन टूट गई, उस दिन सबका नाम लिखकर जान दे दूंगी।

हर्षा ने स्पष्ट किया कि उन्होंने कभी नहीं कहा कि वे साध्वी हैं। पहले मेरे पुराने वीडियो वायरल किए गए, अब एआई से फेक वीडियो एडिट कर बदनाम किया जा रहा है। रोज़ २५-३० मैसेज आ रहे हैं कि मेरे खिलाफ गलत वीडियो फैलाए जा रहे हैं। कुछ लोगों को एक लड़की का आगे बढ़ना बर्दाश्त नहीं हो रहा। लेकिन वे सनातन धर्म की सेवा से पीछे नहीं हटेंगी। गौरतलब है कि ४ जनवरी को प्रयागराज महाकुंभ में निरंजनी अखाड़े की पेशवाई निकाली गई थी। इस दौरान ३० साल की मॉडल और इन्फ्लुएंसर हर्षा रिछारिया संतों के साथ रथ पर बैठी नजर आई थीं। इसके बाद सोशल मीडिया पर उनकी जमकर आलोचना हुई और कई धार्मिक नेताओं ने भी महाकुंभ में एक मॉडल के रथ पर बैठने को अनुचित बताया।

सप्ताह में 70 से 90 घंटे कार्य करने की बात यार्डी ने की खारिज

नई दिल्ली,(ईएमएस): कैपजेमिनी इंडिया के सीईओ ने भारतीय कर्मचारियों के लिए काम के सप्ताह में ७०-९० घंटे के कार्य के विचार को खारिज कर दिया है। उन्होंने इस मुद्दे पर एक संतुलित और मानवीय दृष्टिकोण अपनाया है। भारत में सप्ताह में ४७.५ घंटे काम करने की वकालत की। कैपजेमिनी सीईओ अश्विन यार्डी ने कहा कि वह वीकेंड पर कर्मचारियों को ईमेल भेजने के खिलाफ हैं। वह मुंबई में एक कार्यक्रम में बोल रहे थे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जब उनसे पूछा गया कि भारतीय कर्मचारियों के लिए काम के आदर्श घंटे क्या होने चाहिए, तो उन्होंने कहा कि साढ़े सैंतालीस घंटे। हमारे पास एक दिन में नौ घंटे और सप्ताह में पांच दिन होते हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले चार सालों से मेरा मार्गदर्शक सिद्धांत है कि वीकेंड पर ईमेल न भेजें जाएं, भले ही कोई जरूरी मामला हो, जब तक कि आप उसे वीकेंड पर हल कर सकें। यार्डी ने माना कि कभी-कभी वह वीकेंड पर काम करते हैं, लेकिन वह कर्मचारियों को ईमेल भेजने से बचते हैं, क्योंकि सिर्फ कर्मचारियों को परेशान करने का कोई मतलब नहीं है, जब वह पता हो कि काम वीकेंड पर नहीं हो सकता। इस कार्यक्रम में नैसकॉम की चेयरपर्सन सिंधु गंगाधरन ने कहा कि काम के रिजल्ट, घंटों से ज्यादा मायने रखते हैं। मैरिको के सीईओ ने भी इस विचार का समर्थन किया और कहा कि वह कभी-कभी रात ११ बजे ईमेल भेजते हैं। कैपजेमिनी सीईओ के ये बयान ऐसे समय आया है, जब इंफोसिस के सह-संस्थापक एनआर नारायण मूर्ति ने ७० घंटे के कार्य सप्ताह की वकालत की थी, वहीं एलएंडटी के चेयरमैन एसएन सुब्रमण्यन ने ९० घंटे के कार्य सप्ताह का आह्वान किया था, जिसने एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया था। बता दें सुब्रमण्यन ने हाल ही में कर्मचारियों के साथ बातचीत में कहा कि उन्हें इस बात का अफसोस है कि वे अपने कर्मचारियों को रविवार को काम पर नहीं लगा पाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि घर पर बैठकर क्या करते हो? कब तक अपनी पत्नी को घूरते रहोगे और कब तक पत्नी अपने पति को घूरती रहेगी।

महाराष्ट्र में 11 बीजेपी विधायकों को मिली अहम विधान समितियों की जिम्मेदारी

मुंबई,(ईएमएस) : महाराष्ट्र विधानसभा की समिति के विभाजन की घोषणा कर दी गई है, जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के ११ विधायकों को विभिन्न समितियों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गई हैं। हालांकि, महायुति के सहयोगी दल शिवसेना (शिंदे गुट) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) के विधायकों को अब तक समितियों में स्थान नहीं मिला है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, कैबिनेट मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, भाजपा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण और विधायक रणधीर सावरकर के नेतृत्व में इन विधायकों को इन समितियों में नियुक्त किया गया है। समितियों में जगह पाए ११ बीजेपी विधायकों में - सार्वजनिक उपक्रम समिति - राहुल कुल, पंचायत राज समिति - संतोष दानवे-पाटिल, आश्वासन समिति - रवि राणा, अनुसूचित जाति कल्याण समिति - नारायण कुचे, अनुसूचित जनजाति कल्याण समिति - राजेश पाडवी, महिला अधिकार और कल्याण समिति - मोनिका राजले, अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण समिति - किसन कथोरे, मराठी भाषा समिति - अतुल भातखलकर, विशेष अधिकार समिति - राम कदम, धर्मादाय निजी अस्पताल जांच समिति - नमिता मुंदडा एवं विधायक निवास व्यवस्था समिति - सचिन कल्याणशेट्टी हैं।

इस कदम को भाजपा विधायकों के लिए राजनीतिक रूप से पुनर्वास के अवसर के रूप में देखा जा रहा है, विशेष रूप से उन विधायकों के लिए जो मंत्री पद से वंचित रह गए थे। हालांकि, शिवसेना (शिंदे गुट) और एनसीपी के नेता अभी भी अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने इस विषय पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि महायुति के हर सहयोगी दल को विधायी समितियों में उचित प्रतिनिधित्व मिलेगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सत्ता के वितरण को लेकर किसी भी प्रकार की रस्साकसी नहीं हो रही है।

महाराष्ट्र विधानसभा में कुल २९ विधायी समितियां हैं, जिनमें से भाजपा ने पहले ही ११ महत्वपूर्ण समितियों पर दबदबा कायम कर लिया है। वहीं, शिवसेना और एनसीपी के पास ९-९ समितियां हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने शिवसेना और एनसीपी को उनके समिति सदस्यों के नाम प्रस्तुत करने के लिए कहा है, लेकिन अब तक उन्होंने कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

युवती से छेड़छाड़ मामले में आरोपी को पकड़ने में जुटी पुलिस

प्रयागराज(ईएमएस): दलित युवती से छेड़छाड़ मामले में प्रयागराज पुलिस ने एक्शन लिया है।मामले में दर्ज रिपोर्ट में बताया कि प्रयागराज जिले के हंडिया क्षेत्र निवासी युवती भदौही के अपने ननिहाल आई थी। उन्होंने कहा कि वे १८ फरवरी की दोपहर एक जनसेवा केंद्र पर अपना खाता खुलवाने गई थी, जहां बाहर खड़े शिव शंकर मौर्य नामक युवक ने छेड़खानी कर जबरदस्ती उसका हाथ पकड़ा और अश्लील बातें करने लगा। उन्होंने बताया कि लड़की का आरोप है कि मौर्य ने खुद को किसी पार्टी का जिला अध्यक्ष बताकर धन का लालच देकर अपने साथ चलने को कहकर लड़की से उसका मोबाइल भी छीनने की पूरी कोशिश की, लेकिन लड़की हिम्मत दिखाकर किसी तरह उसके चंगुल से निकल कर जनसेवा केंद्र के अंदर पहुंच गई। पुलिस ने बताया कि उस दिन के बाद से युवती जब भी बाहर निकलती आरोपी उसका पीछा करता जिससे डर कर युवती बाहर नहीं निकल रही थी। अपने भाई और मां से बात करके युवती अपनी बड़ी बहन के साथ थाने पहुंची और भारतीय न्याय संहिता और एससी/ एसटी एक्ट की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया। उन्होंने बताया कि यह पता कर रहे है कि आरोपी लड़का शिव शंकर मौर्या किसी राजनीतिक पार्टी या किस संगठन का जिला अध्यक्ष है। उन्होंने कहा कि फिलहाल वह फरार है, लड़के को जल्द गिरफ्तार कर कार्रवाई की जाएगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मार्च महीने में दो बार आएंगे गुजरात दौरे पर

अहमदाबाद (ईएमएस): प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक बार फिर अपने गृह राज्य गुजरात दौरे पर आ रहे हैं। मार्च महीने की शुरुआत में पीएम मोदी सौराष्ट्र के सासण गिर के दौरे पर आएंगे। ७ मार्च को पीएम मोदी दक्षिण गुजरात का दौरा करेंगे। जानकारी के मुताबिक २ मार्च को पीएम मोदी वर्ल्ड वाइल्डलाइफ डे के मौके पर होनेवाली बैठक की पूर्व संध्या पर सासण गिर पहुंचेंगे और वहीं रात्रि विश्राम करेंगे। नेशनल वाइल्डलाइफ बोर्ड के अध्यक्ष होने के नाते पीएम मोदी ३ मार्च को बैठक में शामिल होंगे। इस मौके पर शेर संरक्षण के लिए नई योजना की घोषणा कर सकते हैं। वहीं ७ और ८ मार्च को विश्व महिला दिवस के मौके पर नवसारी और सूरत में होनेवाले कार्यक्रमों में पीएम मोदी शिरकत करेंगे। ७ मार्च को पीएम मोदी सूरत के लिंबायत स्थित नीलगिरी ग्राउंड में होनेवाले कार्यक्रम में शामिल होंगे। जिसके बाद दूसरे दिन ८ मार्च को नवसारी में पीएम मोदी महिला दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे।

36 लाख रुद्राक्ष से निर्मित 36 फूट ऊंचे शिवलिंग ने स्थापित किया विश्व कीर्तिमान

वलसाड (ईएमएस): जिले के वांकल गांव में शिवभक्तों ने महाशिवरात्रि महोत्सव पर ३६ फूट ऊंचे शिवलिंग का निर्माण कर विश्व कीर्तिमान स्थापित किया है। ३६ लाख रुद्राक्ष से निर्मित विशाल शिवलिंग भक्तों को आकर्षित कर रहा है। महत्वपूर्ण बात यह है कि रुद्राक्ष को भगवान शिव की आंख से गिरे आंसू के रूप में शिव का एक रूप माना जाता है और रुद्राक्ष शिवलिंग का अभिषेक करने से कई गुना पुण्य प्राप्त होता है। हिंदू धर्मग्रंथों में शिवलिंग पूजा का अत्यधिक महत्व है और शास्त्रों में रुद्राक्ष शिवलिंग का धार्मिक महत्व है।

पौराणिक शास्त्रों के अनुसार कहा जाता है कि जहां शिवजी की पूजा होती है, रुद्राक्ष का शिवलिंग भक्तों के लिए भी आकर्षण और आस्था का केंद्र बन जाता है। हिंदू धर्मग्रंथों में शिवलिंग पूजा का अत्यधिक महत्व है और शास्त्रों में रुद्राक्ष शिवलिंग का धार्मिक महत्व है। पुराण शास्त्र के अनुसार कहा जाता है कि जहां शिवजी की पूजा होती है, वहां रुद्राक्ष अवश्य होता है। महाशिवरात्रि के अवसर पर दक्षिण गुजरात की धरमपुर तहसील के वांकल गांव में ३६ लाख रुद्राक्ष से ३६ फीट ऊंचा शिवलिंग बनाया गया है। महाशिवलिंग का निर्माण धरमपुर के खारवेल निवासी बटुक महाराज ने कराया है। शास्त्रों में ऐसी मान्यता है कि केवल रुद्राक्ष के प्रयोग से बने इस शिवलिंग की चमक अधिक होती है। रुद्राक्ष ही साक्षात भगवान शिव हैं। शिवजी की आंखों की राख और उगे हुए पेड़ ही रुद्राक्ष हैं। रुद्राक्ष कई प्रकार के होते हैं लेकिन हर रुद्राक्ष शिव ही होता है। फिर यदि रुद्राक्ष पर अभिषेक किया जाए तो यह माना जाता है कि रुद्राक्ष का अभिषेक किया गया है। एक रुद्राक्ष पर जल चढ़ाने का मतलब है एक लिंगार्चन...तो यह ३६ लाख रुद्राक्ष है यानी भक्तों को ३६ लाख लिंग पर जल चढ़ाने का लाभ मिल रहा है।

प्रकृति के सानिध्य में बने इस विशाल रुद्राक्ष शिवलिंग को देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़ रहे हैं। वांकल में शिव कथा का भी आयोजन किया जाता है। जिस रुद्राक्ष शिवलिंग को पहले लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में रखा गया था, उसने आज एक और रिकॉर्ड स्थापित किया है। इस विशाल शिवलिंग को अब दुनिया के सबसे ऊंचे शिवलिंगों में शुमार किया जाता है। ३६ फीट के शिवलिंग को बनाने में ३६ लाख रुद्राक्ष का इस्तेमाल किया गया है। उन्हें रिकॉर्ड बुक ऑफ इंडिया द्वारा सम्मानित किया गया है।

भारतीय रेलवे का प्रथम एक्सक्लूसिव कंटेनर रेल टर्मिनल का शुभारंभ

अहमदाबाद (ईएमएस) : पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल के ऊंझा से २६ फरवरी २०२५ को भारतीय रेलवे का प्रथम एक्सक्लूसिव कंटेनर रेल टर्मिनल (ईसीआरटी) का शुभारंभ कृषि, पशुपालन, गौ-पालन, मत्स्य पालन, ग्रामीण आवास और ग्रामीण विकास कैबिनेट मंत्री गुजरात सरकार राघवजी पटेल, सांसद महेसाणा हरिभाई पटेल एवं विधायक ऊंझा किरीटकुमार पटेल ने किया। इस अवसर पर ऊंझा टर्मिनल से जीरा, इसबगोल एवं अन्य मसालों से भरी पहली कंटेनर ट्रेन को मुंद्रा पोर्ट कार्गो कॉम्प्लेक्स के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। मंडल रेल प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि यह अहमदाबाद मंडल के लिए एक ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण उपलब्धि है।

ऊंझा, जिसे 'भारत की जीरा राजधानी' के रूप में जाना जाता है, मसालों एवं कृषि उत्पादों के व्यापार का एक प्रमुख केंद्र रहा है और इसने गुजरात एवं भारत की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अब तक इस क्षेत्र से माल परिवहन मुख्य रूप से सड़क मार्ग पर निर्भर था। परिवहन को अधिक कुशल, किफायती और स्थायी बनाने के उद्देश्य से, अहमदाबाद मंडल एवं उसकी बिजनेस डेवलपमेंट यूनिट (बीडीयू) ने रेलवे नेटवर्क की ओर इस व्यापार को स्थानांतरित करने के लिए ठोस प्रयास किए। यह कदम माल परिवहन के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी परिवर्तन का प्रतीक है। इस पहली लोडिंग में १०० कंटेनर का लदान किया गया, जिससे रेलवे को रु. ९.१६ लाख का राजस्व प्राप्त हुआ, जो इस टर्मिनल की आर्थिक सफलता को दर्शाता है। सांसद महेसाणा श्री हरिभाई पटेल ने कहा कि रेलवे परिवहन, सड़क मार्ग की तुलना में अधिक सुरक्षित, तेज़ और किफायती है, जहां ट्रैफिक जाम की कोई समस्या नहीं होती।

एक कंटेनर ट्रेन में १०० ट्रकों के बराबर माल लोड करने की क्षमता होती है, जिससे लागत में कमी आती है और लॉजिस्टिक्स सुचारू बनता है। रेलवे द्वारा कम कार्बन उत्सर्जन के कारण यह पर्यावरण के अनुकूल भी है। उन्होंने यह भी बताया कि जीरा भारत का दूसरा सबसे बड़ा मसाला है, और इस पहल से इसका निर्यात बढ़ेगा। रेलवे के इस कदम से परिवहन समय घटेगा, लागत कम होगी और आपूर्ति श्रृंखला अधिक कुशल बनेगी। किसानों और व्यापारियों को अपनी उपज को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक तेजी से पहुंचाने में मदद मिलेगी। यह उपलब्धि गुजरात और भारत की कृषि व आर्थिक प्रगति के लिए एक बड़ा कदम है और रेलवे की बिजनेस डेवलपमेंट यूनिट (बीडीयू) के प्रयासों ने इस परियोजना को सफल बनाया है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अभु त्यागी ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि को साकार करने में सहयोग देने वाले सभी हितधारकों, विशेष रूप से बिजनेस डेवलपमेंट यूनिट, अडानी लॉजिस्टिक्स, ऊंझा के व्यापारियों, मंडल रेल प्रबंधक अहमदाबाद सुधीर कुमार शर्मा एवं रेल अधिकारियों तथा कर्मचारियों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

हिमाचल में ऊंचे पहाड़ों पर हैवी स्नोफॉल

शिमला(ईएमएस): हिमाचल प्रदेश के ऊंचे पहाड़ों पर बीते शाम से बर्फबारी हो रही है। किन्नौर और लाहौल स्पीति की ऊंची चोटियां बर्फ से ढक गई है। रोहतांग दर्रा में ७५ सेंटीमीटर, कोकसर ४५ सेंटीमीटर, अटल टनल नॉर्थ पोर्टल ४५ सेंटीमीटर, साउथ पोर्टल ४० सेंटीमीटर, कुकुमसैरी में ४१ सेंटीमीटर, कल्पा में १३.८ सेंटीमीटर, केलांग में १२ सेंटीमीटर और सांगला में ३.५ सेंटीमीटर बर्फ गिर चुकी है।

बाघिन ने दो ग्रामीणों पर किया हमला

लखीमपुर खीरी (ईएमएस): लखीमपुर खीरी में दुधवा टाइगर रिजर्व के बफर जोन के एक गांव में भटककर पहुंची बाघिन ने दो स्थानीय ग्रामीणों पर हमला किया था। गुस्साए स्थानीय लोगों ने दो साल की बाघिन को बुधवार को कथित तौर पर मार डाला। दुधवा बफर जोन के उपनिदेशक ने बताया कि वन अधिकारियों ने पलिया तहसील के गांव से बाघिन के शव को बरामद कर रेंज मुख्यालय भेज दिया है। उन्होंने बताया कि वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम के प्रावधानों के तहत पलिया पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

घायल गांवों को अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनकी हालत स्थिर है।

बीजेपी ने नहीं जाऊंगा उनकी विचारधारा अलग : शशि थरूर

नई दिल्ली,(ईएमएस): कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने साफ कहा है कि वह बीजेपी में शामिल नहीं होंगे। खास बात है कि थरूर ने हाल ही में कह दिया था कि अगर कांग्रेस को उनकी जरूरत नहीं है, तो उनके पास कई विकल्प हैं। इसके साथ ही उनके कांग्रेस छोड़ने की अटकलें भी तेज हो गईं थी, जिसका बाद में थरूर ने खंडन भी किया था।

शशि थरू ने बीजेपी में शामिल होने से साफ इनकार कर दिया है और इसकी वजह विचारधारा में अंतर होना बताया है। उन्होंने कहा कि हर पार्टी की अपनी मान्यताएं और इतिहास है। अगर आप उनकी मान्यताओं को नहीं मान सकते, तो किसी अन्य पार्टी में जाना गलत है। मुझे नहीं लगता कि यह सही है, लेकिन स्वतंत्र होने का विकल्प हमेशा खुला है। उन्होंने कहा कि आज के राजनीतिक माहौल में मुझे लगता है कि सभी को पार्टी की, संगठन की, वाहन की जरूरत है जो उनके विचारों को आगे ले जाएं।

राजनीति में एक पार्टी के लिए जरूरी है कि वह कुछ विचार और सिद्धांत रखे। नहीं तो विचारधारा या घोषणापत्र का कोई फायदा नहीं।

थरूर ने कहा पार्टी एक वाहन होता है। इसमें संगठनात्मक शक्ति होना जरूरी है, ताकि मूल्यों को आगे ले जाया जा सके और उन सिद्धांतों के साथ ताकत हासिल की जा सके। राष्ट्रीय स्तर पर बीजेपी ने इसे आगे बढ़ाने की क्षमता दिखाई है, जो हम कई राज्यों में नहीं दोहरा सके। केरल में सीपीआईएम ने बीते दो चुनाव में अपनी क्षमता दिखाई है और मुझे इस पर बात करने में कुछ गलत नहीं लगता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हर बूथ पर संगठनात्मक कमी, कार्यकर्ताओं की कमी से जूझ रही हैं। हम कैडर आधारित पार्टी नहीं हैं। हमारे पास कई नेता हैं, लेकिन हमारे पास कार्यकर्ताओं की कमी है।

शादी के सवाल पर थरूर ने कहा कि उन्होंने जीवन में बहुत अनुभव ले लिया है। अब वह शादी नहीं करेंगे। बीते १० सालों से मैं अकेला हूं। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी मां उन्हें शादी के लिए कह रही हैं, लेकिन वह मौजूदा स्थिति से खुश हैं। जनवरी २०१४ को शशि थरूर की पत्नी सुनंदा पुष्कर का निधन हो गया था जिसके बाद से वह अकेले जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

झारखंड मुक्ति मोर्चा के सदस्यता ग्रहण समारोह में कई नेता और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल

रांची (एजेंसी): झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) रांची जिला समिति द्वारा आज कोकर स्थित इंडस्ट्रियल एरिया के एसोसिएशन भवन में सदस्यता ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं सहित कई सामाजिक कार्यकर्ताओं ने झामुमो की सदस्यता ग्रहण की। इस समारोह में झारखंड विकास मोर्चा के राकेश कुमार सिंह, पीयूष कुमार, स्मिता प्रिया और सामाजिक कार्यकर्ता राहुल कुमार ने सैकड़ों समर्थकों के साथ झामुमो की सदस्यता ली।

सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम के दौरान जिला संयोजक डॉ. हेमलाल कुमार मेहता, संयोजक अश्विनी शर्मा, संयोजक झबुलाल महतो और संयोजक नयनतारा उरांव ने सभी नए सदस्यों को सदस्यता रसीद और पार्टी का अंगवस्त्र प्रदान कर उन्हें पार्टी में शामिल किया।

इस अवसर पर क्रीड़ा मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष प्रदीप मिर्धा, अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष फरीद खान, महिला नेत्री उषा उरांव, पूर्व अल्पसंख्यक जिला उपाध्यक्ष परवेज आलम गुड्डू, नामकुम प्रखंड के पूर्व उपाध्यक्ष साहिल कुमार यादव, युवा नेता गोपाल पांडे, छात्र नेता इरफ़ान खान, अतीकुर रहमान, काशीफ रजा सहित कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

रांची में ट्रैफिक नियमों की अनदेखी पर 214 लाइसेंस निलंबित

रांची (एजेंसी): अगर आप भी ट्रैफिक नियमों की अनदेखी करते हुए बिना हेलमेट के बाइक चला रहे हैं, तो रांची में आपके लिए एक चेतावनी है। रांची जिला परिवहन कार्यालय ने ट्रैफिक पुलिस की सिफारिश पर अक्टूबर से दिसंबर २०२४ तक २१४ वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित कर दिए हैं। इनमें से १०६ चालकों के लाइसेंस हेलमेट न पहनने पर निलंबित किए गए। जबकि ८२ लोगों को पीछे बैठने वाले के हेलमेट न पहनने और २६ लोगों को वाहन की असुरक्षित स्थिति के कारण सजा मिली। बता दें कि ३ महीने की इस कार्रवाई में अक्टूबर २०२४ में ८०, नवंबर में ४१ और दिसंबर में ९३ लाइसेंस निलंबित हुए। आपको यह जानकर हैरानी हो सकती है कि यह एक अस्थायी कार्रवाई नहीं है। बल्कि हर साल हजारों ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किए जाते हैं।

झारखंड आवास बोर्ड के कर्मियों के लिए खुशखबरी, डीए- में 3 फीसदी की वृद्धि को मंजूरी

रांची (एजेंसी): झारखंड आवास बोर्ड के कर्मियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। हेमंत सोरेन सरकार ने इन कर्मियों के डीए में ३ फीसदी की वृद्धि को मंजूरी दे दी है। यह निर्णय झारखंड राज्य आवासीय बोर्ड की बैठक में लिया गया।

बोर्ड के अध्यक्ष संजय लाल पासवान की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में कई अन्य महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए गए।

इनमें से एक प्रमुख निर्णय यह है कि अब आवास बोर्ड के विभिन्न प्रमंडलों में शेष बचे नवनिर्मित आवासीय इकाइयों के मकान, फ्लैट और नए विकसित किए गए भूखंडों को लॉटरी के माध्यम से आवंटित किया जाएगा।

इसके अलावा, मुख्यालय और रांची स्थित अस्थायी निरीक्षण भवन सह अतिथिशाला में सीसीटीवी कैमरा लगाने की मंजूरी दी गई है।

साथ ही, आवास बोर्ड में राज्य सरकार के कर्मियों के भांति अनुमान्य विभिन्न भत्तों की स्वीकृति दी गई है।

बोर्ड की बैठक में जमशेदपुर प्रमंडल के आदित्यपुर स्थित सहायक अभियंता भवन की मरम्मत कार्य के लिए १३.३१ लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई। इसके अलावा, आदित्यपुर एक स्थित निरीक्षण भवन की चाहरदीवारी की मरम्मत के लिए १०.८४ लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई।

जामताड़ा में स्कूटी में धमाके के बाद लगी आग, घर का सारा सामान जलकर राख

जामताड़ा (एजेंसी): जामताड़ा में बेना ओवर ब्रिज के पास एक इलेक्ट्रिक स्कूटी में धमाके के बाद आग लग गई। चंदन तिवारी नामक व्यक्ति के घर के पास खड़ी स्कूटी में यह विस्फोट हुआ। आग ने देखते ही देखते पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। घटना के वक्त चंदन तिवारी घर के बाहर बैठे थे। आग में उनकी एक बाइक, कंप्यूटर, लैपटॉप, कपड़े और अन्य घरेलू सामान जलकर खाक हो गए। स्थानीय निवासियों ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन वे सफल नहीं हो सके। सूचना मिलने के बाद दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मेहनत के बाद आग पर काबू पाया। चंदन तिवारी ने बताया कि इस आग में उनकी सारी मेहनत की कमाई तबाह हो गई है और उन्होंने प्रशासन से मदद की अपील की है।

हेमंत सरकार बढ़ायेगी मनरेगा मजदूरों की मजदूरी, 272 के बदले 350 रुपये देने पर विचार, मंत्री दीपिका ने की पुष्टि

रांची (एजेंसी): झारखंड के मनरेगा श्रमिकों के लिए एक महत्वपूर्ण घोषणा की गई है। राज्य की हेमंत सोरेन सरकार ने मनरेगा मजदूरी दर में वृद्धि करने का निर्णय लिया है, जिससे श्रमिकों को कम श्रम पर अधिक पारिश्रमिक मिलेगा। नए मानकों के अनुसार, अब ७३ सीएफटी मिट्टी खुदाई के बजाय ५३ सीएफटी पर मजदूरी का भुगतान किया जाएगा, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह मानक ४८ सीएफटी है। इस बदलाव की पुष्टि ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने की है।

वर्तमान में, केंद्र सरकार मनरेगा के तहत प्रतिदिन २४५ रुपये मजदूरी का भुगतान करती है, जिसमें झारखंड सरकार २७ रुपये अतिरिक्त जोड़कर कुल २७२ रुपये प्रदान करती है।

राज्य सरकार ने केंद्र से इस दर को बढ़ाकर कम से कम ३५० रुपये करने की मांग की है, ताकि श्रमिकों को बेहतर आर्थिक सुरक्षा मिल सके और पलायन रोका जा सके।

इस पहल का उद्देश्य राज्य के श्रमिकों को सम्मानजनक पारिश्रमिक प्रदान करना है, जिससे उन्हें बेहतर जीवनयापन में सहायता मिलेगी और राज्य से अन्यत्र पलायन की प्रवृत्ति में कमी आएगी। इस निर्णय से झारखंड के मनरेगा श्रमिकों की आर्थिक स्थिति में सुधार की उम्मीद है, जिससे वे अपने परिवारों के लिए बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित कर सकेंगे।

अफीम की खेती में सरकार का संरक्षित गिरोह काम कर रहा है, भाजपा का आरोप

रांची (एजेंसी): भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता रमाकांत महतो ने प्रदेश में सरकार द्वारा अफीम की खेती को बुलडोजर एवं ट्रैक्टर द्वारा रौंदे जाने को आईवॉश करार दिया है।

महतो ने कहा है कि हेमन्त सरकार विगत पाँच सालों से राज्य एवं जिले के सीमावर्ती इलाकों में सरकार द्वारा संपोषित व संरक्षित गिरोह बनाकर लाखों एकड़ जमीन पर अफीम की खेती कराती रही है। गिरोह के माध्यम से ग्रामीण इलाकों से उगाही का पैसा सीधे रांची तक पहुंचता है। पुलिस महकमा से लेकर पूरा सरकारी तंत्र अफीम की खेती करवाने में मिला हुआ है।

भाजपा प्रवक्ता रमाकांत महतो ने सरकार के अधीन काम करती ख़ुफ़िया विभाग पर भी सवाल खड़ा करते हुए जवाब मांगा है कि जब लाखों एकड़ जमीन पर अफीम की फसलें लहलहाती हैं तब सरकार का ये खुफिया विभाग क्या कर रहा होता है। जब चीरा लगाकर माल पंजाब, राजस्थान के अलावे अन्य प्रदेशों में चला जाता है उसके बाद सरकार की कुंभकर्णी नींद खुलती है। पुलिस के माध्यम से अफ़ीम की खेती को बुलडोजर व ट्रैक्टर से रौंदवा दिया जाता है। जो केवल और केवल एक आईवॉश के अलावा और कुछ नहीं है।

महतो ने कहा है कि एक ओर जहां राज्य बिना नीति बनाकर तम्बाकू गुटखा आदि पर बैन लगा लगाती है वहीं राजधानी के सटे क्षेत्रों में खुलेआम अफ़ीम की खेती को रोक पाने असमर्थ है। कहा झारखण्ड को राज्य सरकार नशे के क्षेत्र में पंजाब बनाना चाहती है।

होटवार जेल में कैदी ने की आत्महत्या कारा प्रशासन पर उठे सवाल

रांची (एजेंसी): रांची के होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में एक कैदी द्वारा आत्महत्या करने की घटना सामने आई है। बुधवार को कैदी ने अपने सेल में आत्महत्या का प्रयास किया, जिसके बाद जेल प्रशासन ने उसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान सिकंदर अंसारी के रूप में हुई है, जो कांके थाना क्षेत्र के हुसीर गांव का निवासी था। वह वर्ष २०१७ से अपनी पत्नी की हत्या के आरोप में जेल में बंद था। जेल प्रशासन के अनुसार, सिकंदर अंसारी को आत्महत्या की कोशिश करते हुए कक्षपाल ने देख लिया था, जिसके बाद तुरंत उसे रोकने की कोशिश की गई और उसे आनन-फानन में रिम्स अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद जेल प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। परिजनों ने घटना की निष्पक्ष जांच की मांग की है। वहीं, प्रशासन का कहना है कि पूरी घटना की जांच की जाएगी और रिपोर्ट जल्द ही सार्वजनिक की जाएगी।

झारखंड में महसूस होने लगी गर्मी, आज से 4 डिग्री तक बढ़ेगा तापमान

रांची (एजेंसी): झारखंड में अब गर्मी महसूस होने लगी है। बुधवार को आसमान साफ और मौसम शुष्क बने रहने की संभावना है। वहीं, गुरुवार से तापमान में ३-४ डिग्री सेल्सियस की वृद्धि दर्ज की जाएगी। पिछले २४ घंटे की बात करें तो राज्य में मौसम शुष्क रहा। सबसे अधिक अधिकतम तापमान ३३.७ डिग्री सेल्सियस सरायकेला का रिकॉर्ड किया गया। जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान १०.९ डिग्री सेल्सियस चतरा का रहा।

रांची नगर निगम 15 जगहों पर बनाएगी नई पार्किंग, टेंडर जारी हुआ

रांची (एजेंसी): रांची नगर निगम ने शहर के १५ प्रमुख पार्किंग स्थलों के लिए टेंडर जारी किया है। इनमें मेन रोड, जयपाल सिंह स्टेडियम, न्यूक्लियस मॉल, सिदो-कान्हू पार्क और अशोक नगर स्थित मैपल प्लाजा के सामने के पार्किंग स्थल शामिल हैं। इसके अलावा डंगराटोली स्थित पैंटालून्स मॉल पार्किंग के लिए भी टेंडर निकाला गया है। प्री-बीड बैठक १० मार्च होगी और ऑनलाइन बोली ११ मार्च को होगी।

नगर निगम ने जिन स्थानों के लिए टेंडर निकाला है उनमें ब्लैकबेरी बिल्डिंग (मेन रोड) से होराइजन होंडा तक, यूनिवर्सिटी गेट के पास कार पार्किंग, न्यूक्लियस मॉल के सामने, रांची क्लब कॉम्प्लेक्स (बैंक ऑफ महाराष्ट्र से इंडसइंड बैंक तक), जयपाल सिंह स्टेडियम के सामने, रांची पहाड़ी पार्किंग, मेन रोड स्मार्ट बाजार, कांके रोड स्मार्ट बाजार, चर्च कॉम्प्लेक्स से नाईस फर्नीचर तक, हरिओम टॉवर के सामने, पैंटालून्स मॉल (डंगराटोली चौक के पास), सिदो-कान्हू पार्क के सामने, गुप्ता भंडार से लेदर वर्ल्ड (इंडिया होटल के रास्ते), बालकृष्ण सहाय रोड और मैपल प्लाजा (अशोक नगर) शामिल हैं।

रांची वेटनरी कॉलेज के छात्र की कोयंबटूर में मौत, इस वजह से गई जान

रांची (एजेंसी): रांची वेटनरी कॉलेज के छात्र शशांक कुमार शिवम की कोयंबटूर में सड़क हादसे में दुखद मौत हो गई। यह हादसा सोमवार रात लगभग ९:३० बजे हुआ, जब वह अपने दो दोस्तों के साथ होटल से बाहर निकलकर जीटी रोड पार करने जा रहा था। इस दौरान एक वाहन ने उसे रौंद दिया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि शशांक धनबाद का रहने वाला था। वह ९० छात्रों के दल के साथ शैक्षणिक भ्रमण पर दक्षिण भारत गया था। सड़क पार करते वक्त हुआ हादसा

मिली जानकारी के अनुसार, शशांक अपने २ सहपाठियों के साथ कोल्ड ड्रिंक पीने के बाद मोबाइल पर बात करते हुए सड़क पार कर रहा था। इसी बीच एक तेज रफ्तार वाहन ने उसे टक्कर मार दी। यह दल १८ फरवरी को शैक्षणिक भ्रमण के लिए निकला था और सोमवार रात एक होटल में ठहरा हुआ था। शशांक की मौत की सूचना मिलने के बाद, उसके माता-पिता मंगलवार रात करीब ८:०० बजे कोयंबटूर पहुंचे और पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी कराई।

बिरसा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस घटना के बाद शैक्षणिक भ्रमण पर गए छात्रों में शोक की लहर है। शशांक वेटनरी तृतीय वर्ष का एक होशियार और टॉपर स्टूडेंट था, जो सत्र २०२१-२२ में फोर्थ ईयर का छात्र था। उसकी असमय मौत से उसके दोस्तों और शिक्षकों में गहरी दुख की भावना है।

कांग्रेस के मंत्रियों को प्रमंडल और विधायकों को जिले की मिली जिम्मेवारी

रांची (एजेंसी): कांग्रेस कोटे के मंत्री और पार्टी विधायकों के बीच संगठनात्मक कार्यों की जिम्मेदारी का बंटवारा किया गया है। झारखंड प्रभारी के राजू के निर्देशों के बाद प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने मंत्रियों और विधायकों के बीच संगठनात्मक जवाबदेही निर्धारित की है। प्रभारी के राजू ने यह आदेश दिया है कि विधायक अपने दायित्व वाले जिले में महीने की पहली तारीख को और दूसरे जिले में १५ तारीख को बैठक आयोजित करेंगे। वे जिला कांग्रेस कमेटी और प्रखंड कमेटी के माध्यम से कार्यकर्ताओं से मांग पत्र या याचिका प्राप्त करेंगे। साथ ही, शिकायत याचिकाओं का विवरण इकट्ठा करेंगे और फिर संबंधित सरकारी अधिकारियों या मंत्रियों से मिलकर इन शिकायतों का समाधान सुनिश्चित करेंगे। विधायक संविधान बचाओ राष्ट्रीय पदयात्रा के साथ-साथ केंद्रीय और प्रदेश स्तर पर पार्टी कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में भाग लेंगे। वे २० सूत्री कार्यक्रम समितियों के कार्यों की समीक्षा करेंगे और साथ ही पार्टी में युवाओं, महिलाओं, एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यकों को प्रोत्साहित कर उन्हें आगे बढ़ाने के प्रयास करेंगे।

प्रमंडलवार से इनको मिली जिम्मेवारी

राधाकृष्ण किशोर पलामू और कोल्हान प्रमंडल, डॉ इरफान अंसारी उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल, दीपिका पांडेय सिंह संताल परगना प्रमंडल, शिल्पी नेहा तिर्की दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल।

जिलावार जवाबदेही

प्रदीप यादव देवघर और दुमका, राजेश कच्छप पूर्वी सिंहभूम और जामताड़ा, डॉ रामेश्वर उरांव लोहरदगा और पलामू, रामचंद्र सिंह लातेहार और गढ़वा, नमन विक्सल कोंगाड़ी खूंटी और रांची, भूषण बाड़ा सिमडेगा और गुमला, अनूप सिंह धनबाद और कोडरमा, सोना राम सिंकू प सिंहभूम और सरायकेला, ममता देवी रामगढ़ और हजारीबाग, निशात आलम पाकुड़ और साहिबगंज, सुरेश बैठा गोड्डा और चतरा, श्वेता सिंह बोकारो और गिरिडीह।

हजारीबाग में दो समुदायों के बीच हिंसक झड़प शिवरात्रि में गाना बजाने को लेकर शुरू हुआ विवाद

हजारीबाग (एजेंसी): हजारीबाग के इचाक प्रखंड अंतर्गत डुमरौन गांव में दो समुदाय के बीच हिंसक झड़प हो गई। घटना स्थल पर -ड्झ सहित जिला बल मौजूद है और मामले को शांत करने में जुटी है। इस घटना में कई वाहनों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। कई घायल बताये जा रहे है। मामला शिवरात्रि में गाना बजाने को लेकर हुआ है। घटनास्थल पर पथराव की घटना भी हुई है। जिसके बाद प्रशासन ने हल्का बल प्रयोग कर सभी को शांत करवाया है। घटना बुधवार सुबह की है. उपद्रवियों ने आक्रोश में आकर तीन मोटरसाइकिल को आग के हवाले कर दिया है. फिलहाल स्थिति तनाव पूर्ण है. पुलिस मामले को शांत कराने में जुटी हुई है।

पृष्ठ एक का शेषांश

दोषी नेताओं पर लाइफटाइम---

फिर से कानून बदलने जैसा है

केंद्र ने ये भी तर्क दिया कि याचिकाकर्ता द्वारा की गई मांगी अनिवार्य रूप से जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, १९५१ की धारा ८ की सभी उप-धाराओं में छह वर्ष को आजीवन में बदलना फिर से कानून लिखने के बराबर होगा। इस तरह के रवैया ना तो न्यायिक समीक्षा में मान्यता दी गई है और न ही संवैधानिक कानून के किसी भी स्थापित सिद्धांतों के साथ जुड़ा हुआ है। केंद्र ने कहा कि याचिका अयोग्यता के आधार पर अयोग्यता के प्रभावों के बीच महत्वपूर्ण अंतर स्पष्ट करने में विफल रही। हलफनामे में कहा गया कि याचिकाकर्ता का संविधान के अनुच्छेद १०२ और १९१ पर भरोसा पूरी तरह से गलत था। संविधान के अनुच्छेद १०२ और १९१ संसद, विधान सभा या विधान परिषद के किसी भी सदन की सदस्यता के लिए अयोग्यता से संबंधित हैं।सरकार ने कहा कि याचिकाकर्ता की प्रार्थना कानून को फिर से लिखने या संसद को किसी विशेष तरीके से कानून बनाने का निर्देश देने के समान है, जो न्यायिक समीक्षा की शक्तियों से पूरी तरह बाहर है। यह सामान्य कानून है कि न्यायालय संसद को कानून बनाने या किसी विशेष तरीके से कानून बनाने का निर्देश नहीं दे सकता। इसके अलावा सरकार ने इस बात पर भी जोर दिया कि कई दंडात्मक कानून अयोग्यता पर समय-सीमा प्रतिबंध लगाते हैं। इसमें कहा गया है कि दंड के प्रभाव को एक निश्चित अवधि तक सीमित करने के बारे में कुछ भी असंवैधानिक नहीं है।

मुख्यमंत्री देवघर में महाशिवरात्रि---

भक्ति एवं आस्था का दिन है। महाशिवरात्रि का महापर्व सदियों से मनाते आ रहे हैं और आगे भी यह अनवरत जारी रहेगी। बाबा नगरी देवघर के लिए यह महापर्व विशेष है।

यहां महाशिवरात्रि के पर्व के साथ निरंतर नया अध्याय जुड़ता जा रहा है। आप सभी के सहयोग से यह कार्यक्रम भव्य रूप ले रहा है। आज यह महोत्सव निरंतर बड़ा आयाम लेने की तैयारी में आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देवघर की पावन धरती असीम आस्था का केंद्र है। श्रावणी मेले के दौरान देश- दुनिया से लाखों श्रद्धालु बाबा के दर्शन के लिए आते हैं। इतना ही नहीं सालों भर यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला चलता रहता है। इस पवित्र स्थल को और बेहतर करने के लिए सरकार मंथन करेगी और इसमें आपका सहयोग काफी मायने रखेगा। आने वाले समय में आस्था के इस केंद्र को और मजबूती के साथ आगे ले जाना है। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर आयोजित शिव बारात महोत्सव में मंत्री दीपिका पांडेय, मंत्री सुदिव्य कुमार, विधायक सुरेश पासवान, विधायक उदय शंकर सिंह, पूर्व श्री बादल, जिला परिषद अध्यक्ष किरण कुमारी, संताल परगना के आयुक्त लालचंद दादेल, पुलिस महानिरीक्षक क्रांति कुमार गड़िदेशी, पुलिस उपमहानिरीक्षक अंबर लकड़ा तथा जिले के उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक समेत हज़ारों की संख्या में लोग मौजूद थे।

रांची में खुली 'नमो ई-लाइब्रेरी', राज्यपाल ने बताया ऐतिहासिक कदम

रांची (एजेंसी): रक्षा राज्य मंत्री और रांची के सांसद संजय सेठ की पहल पर 'नमो ई-लाइब्रेरी' और साइबर कम्युनिटी सेंटर का उद्घाटन किया गया।

झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार ने बटन दबाकर इसकी शुरुआत की। यह लाइब्रेरी शोधार्थियों और युवाओं के लिए मददगार साबित होगी। जहां उन्हें न केवल किताबें, बल्कि तकनीकी और साइबर से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां भी मिलेंगी। राज्यपाल ने कहा कि यह लाइब्रेरी युवाओं, महिलाओं और शोधार्थियों के लिए अत्यधिक लाभकारी साबित होगी। उन्होंने रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के सामाजिक और शैक्षणिक क्षेत्र में किए गए योगदान की तारीफ की और इसे झारखंड के लिए एक ऐतिहासिक कदम बताया।

पीएम के मंत्र पर किया काम

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 'रिसर्च और इनोवेशन' के मंत्र को ध्यान में रखते हुए इस केंद्र की स्थापना की गई है। उनका कहना था कि भारत को २०४७ तक विकसित भारत बनाने में टेक्नोलॉजी का अहम योगदान होगा। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए यह ई-लाइब्रेरी और साइबर कम्युनिटी सेंटर युवाओं को तकनीकी शिक्षा, साइबर सुरक्षा और अन्य क्षेत्रीय विशेषज्ञता प्रदान करेगा।

इस लाइब्रेरी में दुनिया भर की किताबों का ऑनलाइन सब्सक्रिप्शन उपलब्ध होगा। साथ ही साइबर सुरक्षा, एआई मिशन, ड्रोन तकनीक और क्वांटम मिशन जैसे कार्यक्रम भी चलाए जाएंगे। इसमें हर माह परिचर्चा सत्र भी आयोजित किए जाएंगे। जहां विभिन्न शैक्षिक और तकनीकी विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस लाइब्रेरी का संचालन साइबर पीस फाउंडेशन द्वारा किया जाएगा और यह झारखंड में अपनी तरह का पहला केंद्र है।

कार्यक्रम में रांची के विधायक सीपी सिंह, हटिया के विधायक नवीन जायसवाल, साइबर पीस फाउंडेशन के प्रमुख मेजर विनीत, पूर्व राज्यसभा सांसद अजय मारू, भाजपा रांची जिला अध्यक्ष वरुण साहू और कई अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

रणजी फाइनल

दानिश मालेवार का शतक, विदर्भ मजबूत स्थिति में

नागपुर (एजेंसी)। युवा बल्लेबाज दानिश मालेवार के नाबाद शतक की मदद से 2 बार के चैंपियन विदर्भ ने खराब शुरुआत से उबर कर केरल के खिलाफ रणजी ट्रॉफी फाइनल के पहले दिन बुधवार को यहां चाय के विश्राम तक 3 विकेट पर 170 रन बनाए। मालेवार 104 रन बनाकर खेल रहे हैं। उन्होंने अनुभवी करुण नायर (नाबाद 47) के साथ चौथे विकेट के लिए अभी तक 146 रन जोड़ लिए हैं। इन दोनों ने तब जिम्मेदारी संभाली जब विदर्भ तीन विकेट पर 24 रन के स्कोर पर संकट में दिख रहा था।

इससे पहले केरल ने टॉस जीत कर विदर्भ को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया और शुरू में ही उसे तीन झटके दिए। केरल की तेज गेंदबाजी के अगुआ एमडी निधिश ने दो विकेट लिए जबकि नई गेंद के उनके जोड़ीदार इंडन एप्पल टॉम ने एक विकेट लिया। निधिश ने मैच की दूसरी ही गेंद पर पार्थ रेखाडे (00) को आउट कर दिया लेकिन इसका श्रेय कप्तान सचिन बेबी को जाता है, जिन्होंने मैदानी अंपायर द्वारा पगबाधा की जोरदार अपील को ठुकराने के बाद रिव्यू लेने का फैसला किया। दर्शन नालकंडे (01) ने खराब शॉट खेल कर निधिश को अपना विकेट इनाम में दिया जबकि इंडन एप्पल टॉम ने ध्रुव शोरे (16) को विकेट के पीछे कैच कराकर केरल को बड़ी सफलता दिलाई।

इतने केले तो बंदर नहीं खाते... वसीम अकरम ने किया पाकिस्तानी खिलाड़ियों को ट्रोल

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत के खिलाफ हालिया हार मिलने से पाकिस्तानी समर्थकों में नाराजगी देखी जा रही है। न्यूजीलैंड ने जब बांग्लादेश को हराकर सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया तो पाकिस्तान आईसीसी प्रतियोगिता से भी बाहर हो गया। पाकिस्तान की आखिरी बड़ी ट्रॉफी 2017 में आई थी जब उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में भारत को हराया था। यह

आखिरी वनडे मैच भी है जो पाकिस्तान ने अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ जीता था। वहीं, चैंपियंस ट्रॉफी में जब एक बार फिर से पाकिस्तान की टीम ने भारत से मैच गंवाया तो पूर्व कप्तान और तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों की भारत के खिलाफ मैच में लिए आहार के कारण आलोचना की।

अकरम ने मैच के बाद एक शो में कहा कि मुझे लगता है कि यह पहला या दूसरा ड्रिंक्स ब्रेक था और खिलाड़ियों के लिए केले से भरी प्लेट थी। इतने केले तो बंदर भी नहीं खाते। और यह उनका खाना है। अगर हमारे कप्तान इमरान खान होते, तो वह मुझे इस पर डांट देते। अकरम ने पाकिस्तान टीम पर पुरातन क्रिकेट खेलने का भी आरोप लगाया। दुबई में भारत से अपनी टीम की हार के बाद वसीम अकरम ने कहा कि कठोर कदमों की जरूरत है। हम सदियों से सफेद गेंद में पुरानी क्रिकेट खेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसे बदलने की जरूरत है। निडर क्रिकेटरों, युवा खिलाड़ियों को टीम में लाओ। अगर आपको पांच-छह बदलाव करने हैं तो कृपया करिए। अगले छह महीने तक आप हारते रहेंगे। यह ठीक है, लेकिन अभी से विश्व टी20 2026 के लिए टीम बनाना शुरू कर दें।

अकरम ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर लगातार विफलताओं के लिए पाकिस्तान की गेंदबाजी इकाई की आलोचना करते हुए कुछ चौकाने वाले आंकड़े बताए। उन्होंने कहा कि बहुत हो गया। आपने उन्हें स्टार बना दिया है। पिछले पांच वनडे मैचों में पाकिस्तान के गेंदबाज 60 की औसत से 24 विकेट लेने में सफल रहे हैं। यानी प्रति विकेट 60 रन। हमारा औसत ओमान और अमेरिका से भी खराब है।

आईसीसी रैंकिंग

शतक लगाकर विराट कोहली ने लगाई छलांग, गिल अभी भी नंबर एक

दुबई (एजेंसी)। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली मौजूदा आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद आईसीसी पुरुष वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग के शीर्ष 5 में फिर से शामिल हो गए हैं। कोहली ने दुबई में पाकिस्तान के खिलाफ शतक लगाकर अपनी टीम को जीत दिलाई थी। जिसका उन्हें आईसीसी रैंकिंग में फायदा हुआ है। इसके साथ, भारत के अब शीर्ष 5 में 3 बल्लेबाज शामिल हो गए हैं, क्योंकि सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल (प्रथम) और कप्तान रोहित शर्मा (तीसरे) शीर्ष पर अपना स्थान बनाए हुए हैं। गिल ने विशेष रूप से नंबर 1 रैंकिंग पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है, जिससे पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम पर उनकी बढ़त 47 रेटिंग अंकों की हो गई है, जो चैंपियंस ट्रॉफी में अब तक कमजोर प्रदर्शन के बावजूद दूसरे स्थान पर बने हुए हैं।

न्यूजीलैंड के विल यंग ने बड़ी छलांग लगाई है। वह अपने हालिया प्रदर्शन के बाद 8 पायदान चढ़कर 14वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि इंग्लैंड के बेन डकेट (27 पायदान ऊपर संयुक्त 17वें स्थान पर) और न्यूजीलैंड के हरफनमौला खिलाड़ी

रचिन रवींद्र (18 पायदान ऊपर 24वें स्थान पर) टूर्नामेंट में अपने प्रभावशाली शतकों के बाद आगे बढ़ गए हैं।

भारत के केएल राहुल (दो पायदान ऊपर 15वें) और दक्षिण अफ्रीका के रासी वान डेर डुसेन (तीन पायदान ऊपर 16वें) भी शीर्ष 10 के करीब पहुंच गए हैं। गेंदबाजी विभाग में, श्रीलंका के महेश थीक्षाना ने चैंपियंस ट्रॉफी में श्रीलंका की अनुपस्थिति के बावजूद नंबर 1 रैंकिंग बरकरार रखी है। दूसरे स्थान पर अफगानिस्तान के राशिद खान उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी बने हुए हैं।

इस बीच, दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज (एक स्थान ऊपर चौथे स्थान पर), न्यूजीलैंड के मैट हेनरी (दो स्थान ऊपर छठे स्थान पर), और ऑस्ट्रेलिया के एडम ज़म्पा (दो स्थान ऊपर 10वें) सभी ने अपनी स्थिति में सुधार किया है। तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा (चार पायदान ऊपर 16वें स्थान पर) और न्यूजीलैंड के माइकल ब्रेसवेल (31 पायदान ऊपर 26वें स्थान पर) सबसे अधिक लाभ पाने वालों में से हैं। ब्रेसवेल के हालिया प्रदर्शन ने उन्हें हरफनमौला खिलाड़ियों की रैंकिंग में भी आगे बढ़ाया है और रावलपिंडी में बांग्लादेश के खिलाफ चार विकेट लेने के बाद वह 26 स्थान की छलांग लगाकर 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उनके साथी रवींद्र (छह स्थान ऊपर 15वें) को भी इस श्रेणी में फायदा हुआ है। अफगानिस्तान के अनुभवी मोहम्मद नबी वनडे ऑलराउंडरों में शीर्ष स्थान पर कायम हैं।

मेरे अंदर अब भी वह भूख है कि मैं और बेहतर कर सकती हूं : सिंधू

मुंबई (एजेंसी)। भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने मंगलवार को खिलाड़ियों के लिए कड़ी मेहनत और निराशाओं से जल्दी आगे बढ़ने पर जोर दिया और साथ ही कहा कि उनमें अब भी उच्चतम स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की भूख है। सिंधू ने कहा कि भले ही निराशा और थकान के कई दिन हों लेकिन

एक खिलाड़ी को अनुशासन नहीं खोना चाहिए क्योंकि कोई नहीं जानता कि मैदान पर यह कब उसके काम आ जाए।

सिंधू ने मंगलवार को कहा कि आपको यह उम्मीद रखनी चाहिए कि आपको वहां टिके रहना है और आपको इसे हर एक दिन करते रहना है और यह एक दिन सामने आएगा। उन्होंने कहा कि लोग कह सकते हैं कि आपके पास सब कुछ है, आपको और क्या चाहिए? लेकिन मुझे लगता है कि खेल के प्रति जुनून और मेरे अंदर अब भी वह भूख है कि हां, मैं और बेहतर कर सकती हूं।

सिंधू ने कहा कि ये जीत मुझे बहुत आत्मविश्वास देती हैं और अगले स्तर पर जाने के लिए प्रोत्साहित करती हैं इसलिए मैं कहती हूं कि हर दिन एक नया दिन है और हर दिन एक प्रक्रिया है। भले ही कुछ बुरे दिन हों लेकिन यह महत्वपूर्ण है कि आप उन्हें जाने दें तथा और भी अधिक मजबूत होकर वापस आएं। सिंधू ने कहा कि ट्रेनिंग की कठोरता, निराशा के साथ-साथ सफलता का सामना करना एक सतत प्रक्रिया है और एक खिलाड़ी को इससे जुड़े रहना चाहिए।

निर्मम है यह भारतीय टीम, उसे चैंपियंस ट्रॉफी जीतनी ही चाहिए : लालचंद राजपूत

शारजाह (एजेंसी)। भारत के पूर्व बल्लेबाज और कोच लालचंद राजपूत ने रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम को निर्मम करार देते

हुए कहा कि उसे चैंपियंस ट्रॉफी जीतनी चाहिए। भारत ने 2007 में राजपूत के कोच रहते हुए ही पहले टी20 विश्व कप में जीत हासिल की थी और उसके 18 साल बाद इस 63 वर्षीय पूर्व क्रिकेटर को लगता है कि भारत को चैंपियंस ट्रॉफी जीतने में किसी तरह की परेशानी नहीं आनी चाहिए।

राजपूत ने कहा कि भारतीय टीम निर्मम नजर आ रही है। वह हर मैच में दबदबा बना कर जीत हासिल करना चाहती है। वह विरोधी टीम को मैच में वापसी करने का कोई मौका नहीं देना चाहते हैं। यही सही रवैया है। भारतीय टीम जिस तरह से खेल रही है उससे मुझे लगता है कि उसे आसानी से चैंपियंस ट्रॉफी जीतनी चाहिए। वर्तमान में संयुक्त अरब अमीरात की टीम के मुख्य कोच राजपूत ने कहा कि विराट कोहली पाकिस्तान के खिलाफ शतक लगाकर फॉर्म में लौट आए हैं और अब कप्तान रोहित शर्मा से बड़े शतक की दरकार है।

उन्होंने कहा कि विराट शतक लगा चुके हैं और अब भारत का हर विभाग मजबूत हो चुका है। अब केवल रोहित से बड़े शतक की दरकार है। राजपूत ने कहा कि भारतीय टीम के इरादे स्पष्ट हैं। वह अपनी विरोधी टीम को चारों खाने चित करना चाहती है। हमने हमेशा से देखा है कि भारत बड़ी प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन करता है।

आईसीसी अवार्ड पर बोले बुमराह

बचपन में मैं अपने नायकों को यह पुरस्कार जीतते देखता था

दुबई (एजेंसी)। दुबई में भारत और पाकिस्तान के बीच बड़े मुकाबले से पहले आईसीसी पुरस्कार बांटे गए। इस दौरान 2024 में शानदार प्रदर्शन करने वाले भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने सभी प्रारूपों में भारत के लिए अपने ऐतिहासिक प्रदर्शन और आईसीसी पुरुष क्रिकेटर ऑफ द ईयर सम्मान हासिल किया। सर गारफील्ड सोबर्स ट्रॉफी जीतने पर बुमराह ने कहा कि यह सम्मान अर्जित करना अवास्तविक लगता है। यह वो सम्मान है जिसे बचपन में अपने नायकों द्वारा जीतता देखता था। बुमराह को आईसीसी पुरुष क्रिकेटर ऑफ द ईयर, आईसीसी पुरुष टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर नामित किया गया और उन्हें आईसीसी पुरुष टेस्ट टीम ऑफ द ईयर और आईसीसी टी20 टीम ऑफ द ईयर में शामिल किया गया।

आईसीसी से बात करते हुए बुमराह ने कहा कि यह सचमुच अच्छा लगता है। एक बच्चे के रूप में, मैंने अपने बचपन

के कुछ नायकों को यह (सर गारफील्ड सोबर्स ट्रॉफी) पुरस्कार जीतते देखा था। जब आपको ऐसा सम्मान मिलता है तो यह हमेशा सौभाग्य की बात होती है। बता दें कि 2024 में बुमराह ने टेस्ट में विकेट लेने के चार्ट में शीर्ष स्थान हासिल किया और वेस्ट इंडीज और संयुक्त राज्य अमेरिका में पुरुष टी 20 विश्व कप में भारत को खिताब दिलाया। उन्होंने सबसे लंबे प्रारूप में प्रभावशाली गेंदबाजी करते हुए सिर्फ 14.92 की औसत से 71 विकेट लिए - जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ वापसी है। वह अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी से 19 विकेट अधिक है।

बुमराह का असाधारण प्रदर्शन टेस्ट से आगे बढ़कर भारत के पुरुष टी20 विश्व कप अभियान तक भी पहुंचा, जिसमें उन्होंने सिर्फ 8.26 की औसत से 15 विकेट लिए और सिर्फ 4.17 की समान रूप से प्रभावशाली इकॉनमी रेट हासिल की।

बीते साल को याद करते हुए बुमराह ने कहा कि टी20 विश्व कप, जो हमने जीता, वह हमेशा खास रहेगा और मेरे दिमाग में रहेगा। जाहिर है, इस साल मेरे दिमाग में भी बहुत कुछ सीखने को मिला। हमने काफी टेस्ट क्रिकेट खेला; हमें कई अलग-अलग अनुभवों का पता चला, इसलिए हां, मैं बहुत खुश हूं और उम्मीद है कि बेहतर चीजें होंगी।

आईएमएल-20

सचिन-गुरकीरत की आतिशी पारी, इंडिया मास्टर्स 9 विकेट से जीती

मुंबई (एजेंसी)। इंटरनेशनल मास्टर्स लीग टी20 में इंडिया मास्टर्स ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी है। मंगलवार को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी में खेले गए मुकाबले में इंडिया मास्टर्स ने सचिन तेंदुलकर और गुरकीरत सिंह मान की उम्दा पारियों की बदौलत इंग्लैंड मास्टर्स को 9 विकेट से हरा दिया। इस दौरान दर्शकों को युवराज सिंह के भी कुछ आतिशी शॉट देखने को मिले। इंग्लैंड की टीम पहले खेलते हुए एब्रेस के 23, मेड्डी के 25 रनों की बदौलत 132 रन ही बना पाई थी। जवाब में भारत की ओर से सचिन, गुरकीरत और युवराज ने 11.4 ओवर में अपनी टीम को जीत दिला दी। यह लीग में इंडिया मास्टर्स की लगातार दूसरी जीत है।

इंग्लैंड मास्टर्स : 132/8 (20 ओवर)

कप्तान इयोन मोर्गन (14) और फिल मस्टर्ड (8) ओपनिंग के लिए आए लेकिन बड़ा स्कोर नहीं बना पाए। इसके बाद आए एब्रेस 22 गेंदों पर 23 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। मेड्डी ने 24 गेंदों पर 25 रनों का योगदान दिया। ब्रेसनेन ने 19 गेंदों पर 2 चौकोंकी मदद से 16 रन बनाए। स्कोफील्ड ने 8 गेंदों पर 18 तो क्रिस ट्रेमलेट ने 8 गेंदों पर 16 रन बनाकर टीम का स्कोर 132 तक पहुंचाया। भारत की ओर से धवल कुलकर्णी ने 21 रन देकर 3, मिथुन ने 27 रन देकर दो तो नेगी ने 16 रन देकर 2 विकेट लिए।

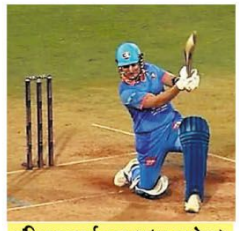

इंडिया मास्टर्स : 133/1 (11.4 ओवर)

133 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंडिया मास्टर्स को ओपनर गुरकीरत सिंह मान और सचिन तेंदुलकर ने तेजतर्रार शुरूआत दी। गुरकीरत ने जब पहले ही ओवर में साइडबॉथम को लपेटा तो सचिन ने अगले ओवर में टिम ब्रेसनेन पर बड़े शॉट लगाए। सचिन अलग ही लय में नजर आ रहे थे। उन्होंने जमकर फ्रल और सुपला शॉट लगाए। वह 8वें ओवर में 21 गेंदों पर 5 चौके और 1 छक्के की मदद से 34 रन बनाकर आऊट हुए। इसके बाद क्रीज पर आए युवराज सिंह ने 14 गेंदों पर 27 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिला दी। गुरकीरत इस दौरान 34 गेंदों पर 10 चौके और 1 छक्के की मदद से 62 रन बनाने में सफल रहे।

मास्टर लीग में छाया सचिन का सुपला शॉट, लगाए खूबसूरत शॉट्स

मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर ने इंटरनेशनल मास्टर्स लीग टी20 के दौरान नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में धमाल मचा दिया। इंग्लैंड मास्टर्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में जब इंडिया मास्टर्स 133 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी तो सचिन ने शुरूआती ओवरों में ही इंग्लैंड के गेंदबाजों की खबर ले ली। सचिन ने क्रिस ट्रेमलेट और टिम ब्रेसनेन की गेंदों पर आकर्षक शॉट लगाए और दर्शकों का मनोरंजन किया। इस दौरान ब्रेसनेन की गेंद पर लगाया गया उनका सुपला शॉट सबसे ज्यादा चर्चा बटोर कर ले गया।

दोनों टीमों की प्लेइंग 11

इंडिया मास्टर्स -अंबाती रायडू (विकेटकीपर), सचिन तेंदुलकर (कप्तान), गुरकीरत सिंह मान, स्टुअर्ट बिन्नी, युवराज सिंह, यूसुफ पठान, इरफान पठान, पवन नेगी, विनय कुमार, धवल कुलकर्णी, अभिमन्यु मिथुन

इंग्लैंड मास्टर्स - फिल मस्टर्ड (विकेटकीपर), टिम एम्ब्रोज़, इयोन मोर्गन (कप्तान), टिम ब्रेसनन, डैरेन मैडी, दिमित्री मैस्करेनहास, मोंटी पनेसर, क्रिस ट्रेमलेट, स्टीवन फिन, क्रिस स्कोफील्ड, रयान जे साइडबॉटम

रावलपिंडी में पाकिस्तान के लिए नाक की लड़ाई

आखिरी लीग मैच में पाकिस्तान की टक्कर बांग्लादेश के साथ

रावलपिंडी (एजेंसी)। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का 9वां मुकाबला मेजबान पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच खेला जाएगा। दोनों टीमें इस मुकाबले के लिए रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम के मैदान पर उतरेंगी। मेजबान पाकिस्तान और बांग्लादेश के लिए यह मुकाबला अब महज एक औपचारिकता मात्र रह गई है, क्योंकि ये दोनों टीमें ग्रुप ए में सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो चुकी है। ऐसे में पाकिस्तान और बांग्लादेश दोनों टीमों की कोशिश होगी कि वह जीत के साथ चैंपियंस ट्रॉफी के अपने अभियान का अंत करे।

रावलपिंडी के मैदान पर चैंपियंस ट्रॉफी में पिछला मुकाबला बारिश के कारण धुल गया था। इस कारण पिच का मिजाज पढ़ पाना दोनों ही टीमों के लिए आसान नहीं रहने वाला है। हालांकि, इस मैदान पर माना जाता है कि खूब रन बनते हैं। यही वजह है कि अगर मुकाबला होता है तो एक हाई स्कोरिंग टक्कर देखने को मिल सकती है। ऐसे में आइए जानते हैं इस मैच के लिए कैसी होगी पिच।

क्या रहता है रावलपिंडी के पिच का मिजाज - पाकिस्तान के रावलपिंडी के मैदान के पिच को बैटिंग फ्रेंडली माना जाता है। इस मैदान पर कुल 27 वनडे मैच खेले जा चुके हैं जिसमें से 15 बार दूसरी पारी में बैटिंग करने वाली टीम ने जीत हासिल की है। वहीं 11 मैचों में पहले खेलने वाली टीम को सफलता मिली है। ऐसे में इस पिच पर टॉस की भूमिका काफी अहम हो जाएगी। क्योंकि टॉस जीतने वाली टीम पहले गेंदबाजी करना पसंद करेगी। दूसरी पारी में ओस कारण गेंदबाजी करना काफी मुश्किल हो जाता है। इस मैदान के कुछ आंकड़ों को देखें तो पहली पारी में यहां का औसत स्कोर 242 रन का है जबकि दूसरी पारी में यह 214 रन है।

दीपक हुड्डा से इंटरनेशनल बॉक्सर स्वीटी बूरा ले रहीं तलाक, कहा

पति नहीं कसाई, सांस रुकने तक पीटता है... 'दहेज लोभी'

नई दिल्ली (एजेंसी)। जब मन होता है पीट देता है, सांस रुकने तक मारता है, कई दिनों तक घर में बंद कर देता है, दहेज में उसे एक करोड़ और फॉर्चूयूनर चाहिए, जिसके लिए उसने सब कुछ छोड़ा वो पति असल में कसाई निकला... यह आरोप या यूं कहे लें आप बीती किसी और की नहीं, बल्कि भारत की शान इंटरनेशनल बॉक्सर स्वीटी बूरा की है। वह कबड्डी खिलाड़ी पति दीपक हुड्डा से अलग हो रही हैं। स्वीटी बूरा के एक बेहद करीब फैमिली मेंबर ने नवभारत टाइम्स से बातचीत करते हुए बॉक्सर पर बीते जुल्मों की कहानी बयां की। स्वीटी पर दीपक के अत्याचारों को बताते हुए उनके भी आंखों में आंसू आ गए।

स्वीटी के करीबी ने मीडिया से बातचीत में कहा- हां, खबर सही है वे अलग हो रहे हैं। बेचारी का रो-रोकर बुरा हाल है। दीपक उसे पीटता था। बुरी तरह से टॉर्चर करता था। यह शादी उसके लिए जिंदगी बर्बाद करने वाली साबित हुई। इंटरनेशनल बॉक्सर है। इनकम टैक्स ऑफिसर है। उसे भले किस बात की कमी है, लेकिन इसके बावजूद दीपक की सनक अलग है। वह दहेज के लिए भी परेशान करता था। उसे एक करोड़ रुपये और फॉर्चूयूनर चाहिए। बता दें कि 7 जुलाई, 2022 को स्वीटी और दीपक ने शादी की थी।

दीपक हुड्डा खुद भारत के लिए खेल चुके हैं। वह कबड्डी की दुनिया में बड़े नामों में शामिल हैं। वह भारत की विश्व विजेता टीम का भी हिस्सा थे। उनके बीच लंबा अफेयर चला था, जो शादी पर खत्म हुआ। स्वीटी के करीबी ने साथ ही बताया कि जब दीपक गरीबी में था उनके पास घर तक नहीं था तो स्वीटी और हमने सपोर्ट किया। वह कच्चे घर में रहता था। हमने उसे अपनाया। इसके बाद वह बड़े नाम बना। और देखिए, अब हमारी ही बेटी पर ज्यादती कर रहा है।

मीडिया सूत्रों के अनुसार, स्वीटी ने दीपक की रोज-रोज की मारपीट और प्रताड़ना से तंग आकर 11 फरवरी को हिसार में तलाक का केस फाइल किया है। वह सिर्फ दीपक से अलग रहना चाहती है, लेकिन दीपक की ऐसी मंशा नहीं है। वह क्यों एक अमीर लड़की को छोड़ेगा? वह तो सिर्फ पैसा चाहता है। साथ ही उन्होंने बताया कि शादी से चार दिन पहले तक सब कुछ ठीक था, लेकिन उसके बाद दीपक ने ड्रामा शुरू किया। उसने एक बड़ी गाड़ी फॉर्चूयूनर और एक करोड़ रुपये की मांग की। इस पर स्वीटी ने शादी से इनकार कर दिया। फिर इज्जत जाती देख दीपक के पिता ने उसे समझाया और समझौता कराया।

कई बार हो चुकी है पंचायत, दीपक आदत से बाज नहीं आता - स्वीटी के रिलेटिव ने बताया- शादी के कुछ दिन बात तक सब कुछ ठीक था, लेकिन फिर उसने मारना-पीटना शुरू कर दिया।

नागिन 7 में बनेगी विवियन और प्रियंका की जोड़ी!

एकता कपूर ने नागिन के नए सीजन के बारे में हिंट देते हुए एक वीडियो रिलीज किया जिसके बाद से ही इंटरनेट पर हलचल मच गई है। हिट फँचाइज़ी ने हर सीजन में दर्शकों का ध्यान खींचा है। इसने अपने ट्विस्ट और टर्न से दर्शकों का मनोरंजन किया है। हाल ही में चल रहीं चर्चाओं पर यकीन करें तो चैनल और प्रोडक्शन हाउस ने नागिन 7 के लिए प्री-प्रोडक्शन का काम शुरू कर दिया है। फैंस सुपरनैचुरल ड्रामा के सातवें सीजन की आधिकारिक घोषणा का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्मीबीट के अनुसार, स्क्रिप्ट और कास्टिंग की तैयारी शुरू हो चुकी है। इंडस्ट्री के एक सोर्स ने बताया, शुरुआती मीटिंग में विवियन डीसेना, प्रियंका चाहर चौधरी, ईशा मालवीय के नामों पर चर्चा की गई है। कास्टिंग प्रोसेस आधिकारिक तौर पर शुरू नहीं हुई है, लेकिन चैनल नागिन के नए सीज़न के लिए विवियन को लेने के लिए एक्साइटेड है। विवियन ने बिग बॉस 18 दौरान काफी फेम हासिल कर लिया। उन्होंने मधुबाला, शक्ति, खतरों के खिलाड़ी, झलक दिखला जा और सिर्फ तुम जैसे हिट शो में काम किया है। प्रियंका चौधरी भी पहले से ही चैनल का चेहरा हैं, जिन्होंने कलर्स टीवी के दो फेमस शोज में काम किया है। अगर सबकुछ प्लानिंग के हिसाब से होता है, तो हम नागिन 7 में विवियन और प्रियंका की जोड़ी देख सकते हैं। हालांकि, अभी तक ऑफिशियल तौर पर किसी भी नाम की पुष्टि नहीं हुई है। नागिन 7 की लॉन्च डेट के बारे में पूछे जाने पर सोर्स ने चुटकी भरे अंदाज में कहा, नागिन 7 की शूटिंग आईपीएल 2025 के बाद शुरू होने की संभावना है। उम्मीद है कि यह शो साल के अंत में प्रसारित होगा।

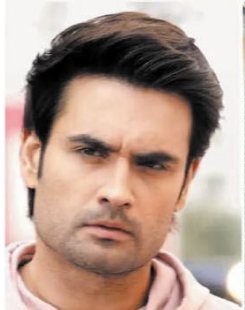

कीर्ति कुल्हारी ने खोली स्टार्स के पीआर गेम की पोल, 'पिंक' फिल्म की को-एक्ट्रेस का जिक्र किया

कई बॉलीवुड एक्टर्स के बारे में मशहूर हो चुका है कि वह अपने पीआर गेम के कारण लाइमलाइट में बने रहते हैं। फिल्म में किसी दूसरे एक्टर ने कितनी ही अच्छी एक्टिंग की हो लेकिन अपने पीआर गेम के कारण लाइमलाइट किसी और को ही मिल जाती है। इसी बारे में हाल ही में एक्ट्रेस कीर्ति कुल्हारी ने भी अपने मन की बात साझा की। हाल ही में एक्ट्रेस कीर्ति कुल्हारी ने एक इंटरव्यू के दौरान बॉलीवुड के स्टार्स के पीआर गेम की पोल खोल दी। कीर्ति बताती हैं कि साल 2016 में रिलीज हुई फिल्म 'पिंक' के प्रमोशन के दौरान उन्हें पीआर गेम के बारे में पता चला।

पिंक में निभाया अहम रोल

फिल्म 'पिंक' में अमिताभ बच्चन के अलावा तापसी पन्नू के अलावा कीर्ति कुल्हारी ने भी अहम रोल निभाया था। फिल्म की कहानी तीन लड़कियों की जिंदगी के आसपास थी। लेकिन जब प्रमोशन हो रहा था तो कीर्ति की चर्चा नहीं हो रही थी। इसकी वजह कीर्ति पीआर गेम को बताती हैं।

कीर्ति ने किया तापसी का जिक्र

कीर्ति कुल्हारी हालिया दिए अपने इंटरव्यू में बताती हैं कि फिल्म 'पिंक' की को-एक्ट्रेस तापसी का रवैया उनके लिए अच्छा रहा। लेकिन जब फिल्म 'पिंक' का प्रमोशन हो रहा था तो तापसी की ज्यादा चर्चा थी। इस पीआर गेम को मैंने दिल पर ले लिया। कीर्ति यह भी बताती हैं कि उनका पीआर गेम उस समय बिल्कुल जीरो था। यह सब कैसे काम करता है, उन्हें पता ही नहीं था।

मिशन मंगल के समय सतर्क हो गईं कीर्ति

आगे जब कीर्ति ने फिल्म 'मिशन मंगल' साइन की तो मेकर्स को कह दिया था कि उन्हें फिल्म में बराबर का रिप्रेजेंटेशन चाहिए। इस फिल्म में विद्या बालन, सोनाक्षी सिन्हा जैसे एक्ट्रेस नजर आई थीं। अक्षय कुमार भी फिल्म का हिस्सा थे।

हिमेश रेशमिया के साथ फिल्म में नजर आईं

पिछले दिनों सिंगर से एक्टर बने हिमेश रेशमिया की फिल्म 'बैडएस रविकुमार' रिलीज हुई थी। इस फिल्म में एक्ट्रेस कीर्ति कुल्हारी भी नजर आईं। उनका फिल्म में काफी बोल्ड लुक दिखा। इस फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर सफलता नहीं मिली है। लेकिन इस फिल्म का हिस्सा बनकर वह खुश हैं।

सीए छोड़ चुना फिल्मी दुनिया का रास्ता

बचपन से ही पत्रलेखा का सपना था कि वह फिल्मी दुनिया में नाम कमाए। लेकिन इनका परिवार पढ़ाई-लिखाई पर विश्वास रखता था। इसके बावजूद इस अभिनेत्री ने चार्टेड अकाउंटेंट छोड़ अपने पैशन को फॉलो करने की ठानी और आज वह बॉलीवुड की सफल अभिनेत्रियों में शुमार हैं। इन्होंने अपने करियर में कई फिल्में की हैं। साथ ही इनकी लव-स्टोरी से भी आपको रूबरू करवाएंगे।

परिवार के खिलाफ जाकर चुना अभिनय का करियर

एक्ट्रेस पत्रलेखा का जन्म 20 फरवरी 1989 को मेघालय राज्य के शिलांग में एक बंगाली परिवार में हुआ था। इनके पिता चार्टेड अकाउंटेंट थे। इनके पिता चाहते थे कि उनकी बेटी भी सीए की पढ़ाई करे। लेकिन अभिनेत्री का मन बचपन से ही अभिनय के अलावा कहीं लगा ही नहीं। फिर क्या पत्रेलखा अपने सपने को सच करने मुंबई की मायानगरी आ गई। शुरूआती दिनों में एक्ट्रेस को टीवी के विज्ञापनों में काम करने का अवसर मिला।

फिल्मी परदे पर आई नजर

एक्टिंग की भूख के कारण पत्रलेखा को सिनेमा परदे पर प्रवेश मिल ही गया। साल 2014 में हंसल मेहता के निर्देशन में बनी 'सिटीलाइट्स' फिल्म में उन्हें पहली बार काम करने का अवसर मिला। इसमें वह अभिनेता राज कुमार राव के साथ मुख्य भूमिका में नजर आई थी, जिसमें एक गरीब परिवार का कहानी दिखाई गई थी। इस फिल्म के लिए पत्रलेखा को जीवंत अभिनय करने के लिए 'मोस्ट प्रॉमिसिंग न्यूकमर फीमेल' का स्टार स्क्रीन अवार्ड मिला था। इसके बाद पत्रलेखा ने 'लव गेम्स', 'नानू की जानू', 'बदनाम गली', 'बोस-डेड/अलाइव' जैसी कई फिल्में की। अभी हाल ही में एक्ट्रेस ने 'आईसी 814- द कंधार हाईजैक' फिल्म में काम किया था।

पत्रलेखा की अनोखी लव स्टोरी

बात करें एक्ट्रेस की लव स्टोरी की तो बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता राजकुमार राव से इस अभिनेत्री को प्यार हो गया था, जो अब इनके पति भी हैं। बताया जाता है कि ये दोनों एक-दूसरे को पहली बार टीवी के जरिए ही देखे थे। इसके बाद ये दोनों एक दूसरे को डेट करने लगे। राजकुमार राव और पत्रलेखा पहली बार 2014 में 'सिटीलाइट्स' फिल्म में एक साथ दिखे थे। अभिनेत्री की यह पहली फिल्म थी। इसके बाद से ही दोनों को बीच और नजदीकियां बढ़ती गई। एक इंटरव्यू में पत्रलेखा बताती हैं दोनों को डेट की बजाए लांग ड्राइव पर जाना ज्यादा पसंद करते थे।

शरवरी वाघ के हाथ लगी बड़ी फिल्म

बॉलीवुड के दिग्गज निर्देशक सूरज बड़जात्या को परिवारिक और रोमांटिक कहानियों को बड़े पर्दे पर पेश करने के लिए जाना जाता है। हाल ही में उनकी अगली फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक शरवरी वाघ को आयुष्मान खुराना के साथ सूरज बड़जात्या की अगली फिल्म के लिए कास्ट किया गया है। निर्देशक को हम साथ-साथ हैं, मैंने प्यार किया और हम आपके हैं कौन जैसी पारिवारिक फिल्मों के लिए जाना जाता है। पिंकविला की रिपोर्ट के अनुसार शरवरी ने इस भूमिका के लिए सूरज बड़जात्या की तरफ से तय किए गए सभी मानदंडों को पूरा किया है। खासकर फिल्म में मासूमियत और संवेदनशीलता को शानदार तरीके से व्यक्त करने की उनकी क्षमता ने उन्हें इस भूमिका के लिए आदर्श उम्मीदवार बनाया। एक इंडस्ट्री सूत्र ने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा, पिछले साल से ही शरवरी को लेकर फिल्म इंडस्ट्री में काफी उत्साह है। अब उन्हें सूरज बड़जात्या की फिल्म में नायिका के तौर पर चुना जाना शरवरी की प्रतिभा की सबसे बड़ी स्वीकृति है। यह साबित करता है कि वह भारत के सबसे बेहतरीन नए कलाकारों में से एक हैं। दिसंबर 2024 में यह जानकारी सामने आई थी कि आयुष्मान खुराना सूरज बड़जात्या की फिल्म में प्रेम के किरदार में नजर आएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार सूरज बड़जात्या को अपने आगामी पारिवारिक ड्रामा फिल्म के लिए एक नए चेहरे की तलाश थी। इस बार उन्होंने आयुष्मान खुराना को चुना है, जिनकी छवि परिवारों के बीच खासी लोकप्रिय है। यह आयुष्मान खुराना और शरवरी की एक साथ पहली फिल्म होगी।

फिल्म मेरे हसबैंड की बीवी की पूरी यात्रा रोमांचक थी

बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर का कहना है कि फिल्म मेरे हसबैंड की बीवी की शूटिंग से लेकर प्रमोशन और बीच में सब कुछ उनके लिए एक रोमांचकारी अनुभव था। अर्जुन कपूर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर की, जिसमें गोरी है कलाइयां गाने की शूटिंग, फिल्म के निर्माण की झलकियां और विभिन्न शहरों में प्रमोशन की तस्वीरें शामिल हैं। अर्जुन ने लिखा, बस अब वो दिन दूर नहीं है! फिल्म की शूटिंग से लेकर प्रमोशन तक एक रोमांचक यात्रा रही! उन्होंने बताया कि यह यात्रा इसलिए भी मजेदार थी क्योंकि उन्हें अपने दोस्तों के साथ काम करने का मौका मिला। सिर्फ इसलिए नहीं कि मैं अपने दोस्तों के साथ काम कर रहा था, बल्कि इसलिए भी कि यह फिल्म अपने आप में हंसी का धमाल था।! उन्होंने बताया कि मैं फिल्म की रिलीज को लेकर वास्तव में उत्साहित हूं। फिल्म शुक्रवार को बड़े पर्दे पर रिलीज हो गई है। फिल्म की रिलीज से पहले अर्जुन ने सोशल मीडिया पर कहा, दिल से एक्साइटेड हूं और इंतजार नहीं हो रहा जब आप सब देखेंगे पूरे क्रू की मेहनत का नतीजा! मेरे हसबैंड की बीवी इस शुक्रवार को सिनेमाघरों में आपका इंतजार करेगी। इस खास फिल्म को अपना प्यार ज़रूर दें! मेरे हसबैंड की बीवी एक दिल्ली के प्रोफेशनल व्यक्ति की कहानी है, जो एक जटिल लव ट्रायंगल में फंस जाता है। जब उसकी पुरानी प्रेमिका फिर से उसकी जिंदगी में आती है, ठीक उसी समय वह एक नई लड़की के लिए प्यार में पड़ना शुरू कर देता है, जिससे हास्यपूर्ण गलतफहमियों की एक श्रृंखला शुरू हो जाती है। फिल्म में रकुल प्रीत सिंह और भूमि पेडनेकर भी हैं। मेरे हस्बैंड की बीवी का निर्देशन मुदस्सर अजीज ने किया है।

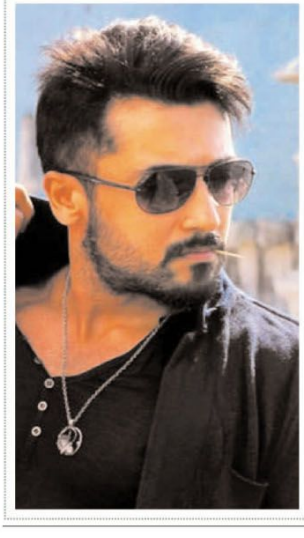

पुलिस ने अचानक रुकवाई सूर्या की फिल्म की शूटिंग

तमिल सुपरस्टार सूर्या जल्द ही फिल्म सूर्या 45 में नजर आने वाले हैं। फिल्म को लेकर फैंस में उत्साह देखने को मिल रहा है। अभिनेता पिछले कुछ समय से इस फिल्म की ताबड़तोड़ शूटिंग कर रहे थे। हालांकि, इस बीच फिल्म को लेकर एक हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पुलिस ने शूटिंग सेट पर पहुंचकर अचानक इसका फिल्मांकन रुकवा दिया। दरअसल, चेन्नई के केलंबक्कम-वंडालूर क्षेत्र के वेलिचाई गांव में शूटिंग के लिए अस्थायी मंच तैयार किए गए थे, जिसके कारण स्थानीय लोगों को अचानक सड़क बंद होने से समस्या होने लगी। इसके बाद ग्रामीणों ने अधिकारियों को इसकी सूचना दी। बाद में, केलंबक्कम पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उचित अनुमति न होने का हवाला देते हुए इसकी शूटिंग को रोक दिया। अधिकारियों ने टीम को ताम्बरम मेट्रोपोलिटन पुलिस कमिश्नर के कार्यालय से पूर्व अनुमति प्राप्त करने की सलाह दी। बता दें कि निर्माता इस फिल्म को सितंबर महीने में भव्य रूप से रिलीज करने की तैयारी कर रहे हैं।

ये सितारे सूर्या के साथ आएंगे नजर

फिल्म में मुख्य भूमिका में सूर्या और तृषा कृष्णन हैं। यह जोड़ी दो दशकों बाद एक साथ बड़े पर्दे पर दिखाई देगी। इसके अलावा स्वासिका, इंद्रांस, योगी बाबू, शिवदा, नट्टी सुब्रमण्यम और सुप्रीत रेड्डी जैसे कलाकार भी फिल्म का हिस्सा हैं।

पिछले साल से चल रही शूटिंग

संगीतकार ए आर रहमान को फिल्म का संगीत देने के लिए चुना गया था, लेकिन अब इस जिम्मेदारी को साई अभ्यंकर ने संभाल लिया है। फिल्म की सिनेमेटोग्राफी का जिम्मा जीके विश्वनाथ ने लिया है और संपादन आर कलैवनान द्वारा किया जा रहा है। फिल्म की शूटिंग नवंबर 2024 में पोलाची से शुरू हुई थी।

इस फिल्म में भी दिखेंगे सूर्या

हालाकि, फिल्म की कहानी के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन सूत्रों के अनुसार यह फिल्म एक एक्शन-ड्रामा होगी, जिसमें एक नायक की यात्रा को पर्दे पर दिखाया जाएगा। सूर्या के अपकमिंग प्रोजेक्ट की बात करें तो वह 'रेट्रो' फिल्म में भी नजर आएंगे, जिसे कार्तिक सुब्बाराज ने डायरेक्ट किया है। यह गैंगस्टर ड्रामा 1 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

चुम दरंग ने खरीदा मुंबई में घर, करणवीर मेहरा ने बेहद खास अंदाज में दी बधाई

बिग बॉस 18 विनर करणवीर मेहरा और चुम दरंग कई बार एक साथ नजर आ चुके हैं। चुम दरंग की जिंदगी को लेकर एक नया अपडेट सामने आया। अभिनेत्री ने मुंबई में एक नया घर खरीदा और करण वीर मेहरा ने अभिनेत्री को बधाई दी है। चुम दरंग ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर की है। जिसमें उन्हें केक काटते देखा जा सकता है। केक पर चुम के लिए बधाई लिखी हुई है। केक काटकर उन्होंने नया घर खरीदने का जश्न मनाया।

करणवीर मेहरा ने दी बधाई

चुम दरंग की इस स्टोरी को करणवीर मेहरा ने भी प्रतिक्रिया दी है। इस वीडियो शेयर करने के बाद करण वीर मेहरा ने उनकी स्टोरी को रि-पोस्ट किया और घर खरीदने की बधाई दी है। उन्होंने पोस्ट पर लिखा-बधाई हो चुमी..।

संक्षिप्त समाचार

थाईलैंड में बड़ा सड़क हादसा, खाई में बस गिरने से 18 लोगों की मौत, कई घायल

थाईलैंड। थाईलैंड के प्राचिनबुरी में एक टूर बस अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। इस घटना में 18 लोगों की मौत हो गई। बुधवार को वहां की पुलिस ने इस घटना के बारे में जानकारी दी है। पुलिस ने बताया, जिस इलाके में घटना घटी है वो एक ढलान वाली सड़क थी और बस का ब्रेक फेल हो गया। इसके बाद बस के चालक ने अपना नियंत्रण खो दिया और फिर बस खाई में जा गिरी, जिसमें 18 लोग मारे गए। पुलिस ने बताया कि जिन लोगों की मौत हुई है वो सभी लोग स्टडी ट्रिप पर जा रहे थे। घटना राजधानी बैंकॉक से 155 किमी (96 मील) पूर्व में घटी है। इस घटना से जुड़े सोशल मीडिया पोस्ट पर बचाव और चिकित्साकर्मी घटनास्थल पर देखे जा सकते हैं। थाईलैंड के प्रधानमंत्री पैटोंगटार्न शिनावात्रा ने इस हादसे को लेकर दुख जताया और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की। साथ ही उन्होंने इस हादसे को लेकर जांच की बात कही। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा, यदि यह पाया जाता है कि वाहन सुरक्षा का उल्लंघन हुआ है तो ऐसे वाहन जो मानकों को पूरा नहीं करते हैं और वाहनों को लापरवाही पूर्वक चलाते हैं, उनपर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पीएम शिनावात्रा ने कहा, वाहनों का निरीक्षण सुरक्षित तरीके से होना चाहिए और वाहनों को मानकों का पालन करना सुनिश्चित हो। दुर्घटनाओं को रोकने के लिए मानकों का उपयोग होना चाहिए। बता दें, थाईलैंड में सड़क दुर्घटनाएं और मौतें आम हैं। वाहन सुरक्षा मानकों का कमजोर होना और सड़कों का खराब रखरखाव दुर्घटनाओं का एक बड़ा कारण है। इससे पहले थाईलैंड में पिछले साल एक स्कूल बस में गैस सिलेंडर से रिसाव के कारण आग लग गई थी, जिसमें 16 छात्र सहित 23 लोगों की मौत हो गई थी।

17 साल की लड़की से 100 लड़के 44 दिन तक करते रहे रेप, कॉकरोच खिलाए और अपना पेशाब पिलाया

सैतामा, एजेंसी। एक किशोर लड़की के साथ यौन शोषण का भयावह मामला सामने आया है। 17 साल की एक लड़की के साथ 44 दिनों में 100 लड़कों ने किया रेप किया और भयावह यातनाएं दीं। यह घटना जापान के सैतामा शहर की है, जहां 17 वर्षीय जून्को फुहता नाम की एक लड़की रहती थी। पढ़ाई में अव्वल और अपने सपनों को पूरा करने के लिए पार्ट-टाइम जॉब करने वाली जून्को के साथ जो हुआ, वह मानवता को झकझोर देने वाला है। एक रात, जब जून्को काम से घर लौट रही थी, तो 16-17 साल के दो लड़कों ने उसे झांसा देकर अपने साथ ले लिया। इसके बाद उसे एक खाली मकान में बंधक बना लिया गया और उस पर अमानवीय अत्याचार शुरू हो गए। जून्को की हालत इतनी खराब हो गई थी कि उसने हमलावरों से अपनी जान लेने की भीख मांगी। लेकिन उन्होंने उसे और अधिक यातनाएं दीं। अंततः एक लड़के ने गुस्से में उसकी बेरहमी से पिटाई की, जिससे उसकी मौत हो गई। बाद में उसके शव को एक प्लास्टिक बैग में डालकर दफना दिया गया।

पुलिस पर कार्रवाई जारी रही तो शांति कभी नहीं : जमां

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में सरकार और सेना के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। सरकार ने जहां 2018 के संसदीय चुनाव में पक्षपात बरतने के आरोप में 82 वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के पर कतर कर उन्हें ओएसडी बना दिया वहीं सेना प्रमुख वकार उज जमां ने ऐसे कदमों की आलोचना की है। जमां ने कहा, सुरक्षा बलों के खिलाफ चल रही कार्रवाई ऐसे ही जारी रही तो शांति व्यवस्था कभी स्थापित नहीं हो पाएगी। जनरल जमां ने 2009 में बांग्लादेश राइफल्स के नरसंहार की याद में आयोजित कार्यक्रम में कहा, देश को स्थिर व एकजुट रखने में पुलिस, रैपिड एक्शन बटालियन, बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश व अन्य सुरक्षा बलों ने सकारात्मक भूमिका निभाई है। आज इन पर जिस तरह जांच और कार्रवाई की जा रही है उसके चलते पुलिस अधिकारी ड्यूटी करने में हिचकने लगे हैं। जमां ने सरकार का जिक्र किए बिना कहा, यदि आप सोचते हैं कि इन सुरक्षा एजेंसियों की भूमिका को कमतर कर शांति स्थापित होगी तो ऐसा नहीं होगा।

महाशिवरात्रि पर नेपाल में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, पशुपतिनाथ मंदिर पूजा करने पहुंचे लाखों लोग

काठमांडु, एजेंसी।
नेपाल और पड़ोसी भारत से हजारों श्रद्धालु महाशिवरात्रि के अवसर पर पूजा-अर्चना करने के लिए बुधवार को सुबह से ही पशुपतिनाथ मंदिर में उमड़ पड़े। काठमांडू में बागमती नदी के तट पर स्थित पशुपतिनाथ मंदिर में शिवलिंग की पूजा और दर्शन के लिए मंगलवार देर रात से ही लोगों की कतारें लगने लगीं। 'पशुपति क्षेत्र विकास न्यास (पीएडीटी) के सदस्य सचिव मिलन कुमार थापा ने बताया कि पशुपतिनाथ में श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या को देखते हुए अधिकारियों ने विशेष व्यवस्था की है। स्थानीय प्रशासन ने त्योहार के दौरान भांग, गांजा, शराब, मांस और मछली की बिक्री एवं उपभोग पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस नियम का उल्लंघन करने वालों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मंदिर मंगलवार देर रात सवा दो बजे खुला और भक्तों को शिवलिंग के दर्शन के लिए चारों द्वारों से मंदिर में प्रवेश की अनुमति दी गई। पशुपतिनाथ मंदिर में बुधवार को नेपाल और भारत से 10 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। प्राधिकारियों ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा और मंदिर में पूजा-अर्चना के सुचारू संचालन के लिए 4,000 सुरक्षा कर्मियों और 10,000 स्वयंसेवकों को तैनात किया है। मुख्य मंदिर और मंदिर परिसर को

फूलों, रंग-बिरंगी रोशनियों, कागज के झंडों और बैनरों से आकर्षक ढंग से सजाया गया है। मंदिर में दर्शन की सुचारू व्यवस्था के लिए अधिकारियों ने मंदिर के अंदर आठ और बाहर चार कतारें लगवाई हैं। प्राधिकारियों ने भीड़ के प्रभावी प्रबंधन के लिए अलग-अलग मार्ग निर्धारित किए हैं।

भक्त मित्रपार्क, गौशाला और पिंगलास्थान जैसे विभिन्न स्थानों से प्रवेश कर सकते हैं, जहां व्यवस्थित पंक्तियों के जरिए सुचारू आवागमन सुनिश्चित किया जाता है। इसके अलावा, जरूरत पड़ने पर तिलगंगा राम मंदिर से होकर एक अलग मार्ग बनाने की भी तैयारी की गई है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री बद्री प्रसाद पांडेय की अध्यक्षता में महाशिवरात्रि मुख्य समारोह समिति का गठन किया गया, जो विभिन्न संगठनों के समन्वय से इस अवसर पर श्रद्धालुओं को निःशुल्क भोजन, पेयजल और दवाएं उपलब्ध करा रही है। पशुपति विकास न्यास की वरिष्ठ पदाधिकारी रेवती रमण अधिकारी ने बताया कि बुधवार को सुबह साढ़े नौ बजे तक करीब एक लाख 50 हजार श्रद्धालु पूजा-अर्चना कर चुके थे। उन्होंने कहा कि बृहस्पतिवार की सुबह तक यह संख्या 10 लाख को पार कर जाएगी। अधिकारी ने बताया कि करीब 700 नगा बाबाओं सहित करीब 3,500 साधु भारत से मंदिर पहुंचे हैं। अधिकारी ने बताया कि नगा साधुओं को निःशुल्क भोजन, पानी, स्वच्छता सुविधाएं, आवास और दवाएं उपलब्ध करायी जाएंगी। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार को साधुओं के वापस जाने से पहले उन्हें दक्षिणा दी जाएगी जिसके तहत अधिकतम राशि 15,000 रुपये दी जाएगी। हिंदू कैलेंडर के अनुसार, फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर महाशिवरात्रि पर लोग उपवास रखते हैं, शिव मंदिरों में जाते हैं और पूजा-अर्चना करते हैं। महाशिवरात्रि अज्ञानता के अंधकार को ज्ञान के प्रकाश से दूर करने का भी प्रतीक है। महाशिवरात्रि पर पशुपतिनाथ मंदिर में नेपाल, भारत और अन्य दक्षिण एशियाई देशों से श्रद्धालु आते हैं। भगवान शिव की पूजा न केवल हिंदू बल्कि बौद्ध और किराती भी करते हैं।

सिंगापुर के होटल में पूर्व बाउंसर की हुई मौत, भारतीय मूल के पांच लोगों को मिली जेल और कोड़े से मारने की सजा

सिंगापुर , एजेंसी।
एक होटल में पूर्व बाउंसर की मौत के कारण हुए दंगे में शामिल होने के आरोप में भारतीय मूल के पांच लोगों को दो से तीन साल की जेल और बेंत से मारने की सजा सुनाई गई है। श्रीधरन एलंगोवन को 36 महीने की जेल और बेंत से छह बार मारने की सजा दी गई, मनोज कुमार वेलायनथम को 30 महीने की जेल और चार स्ट्रोक की सजा दी गई, शशिकुमार पकिरसामी को 24 महीने की जेल और दो स्ट्रोक की सजा दी गई, पुथेनविला कीथ पीटर को 26 महीने की जेल और तीन स्ट्रोक की सजा सुनाई गई है और राजा ऋषि को 30 महीने की जेल और चार कोड़े मारने की सजा मिली है। चैनल न्यूज की एक रिपोर्ट के अनुसार, इन लोगों को 2023 में सिंगापुर के कॉनकॉर्ड होटल और शॉपिंग मॉल में दंगे के आरोप में दोषी ठहराया गया है। 30 वर्षीय श्रीधरन, 32 वर्षीय मनोजकुमार और 34 वर्षीय शशिकुमार एक गुप्त समाज समूह के सदस्य थे। 30 वर्षीय अस्वेन पचन पिल्लई सुकुमारन पर पहले हत्या का आरोप लगाया गया था, क्योंकि उसने कथित तौर पर 29 वर्षीय पूर्व बाउंसर मोहम्मद इसरत मोहम्मद इस्माइल की हत्या कर दी थी।

25 से 33 साल के बीच के छह अन्य लोगों को अदालत के दस्तावेजों में सह-अभियुक्त के रूप में नामित किया गया था जिन्होंने दंगे में भाग लिया था। बता दें, 19 अगस्त 2023 को कई आरोपियों सहित लगभग 10 लोगों का एक समूह कॉनकॉर्ड होटल और शॉपिंग मॉल में क्लब रूमर्स में शराब पी रहा था। जब इसरत और शाहरुलनिजम, जो इसरत की शादी का निमंत्रण कार्ड क्लब के कर्मचारियों को देना आए थे, वो लोग आरोपी व्यक्तियों के सामने क्लब के प्रवेश द्वार के पास बैठे थे। फिर जब सुबह लगभग 6 बजे जब क्लब बंद हो रहा था उस वक्त इसरत और आरोपी के बीच बहस हो गई थी। जिसके दौरान पूर्व बाउंसर पर कई बार चाकू से हमला किया गया। इसके बाद क्लब रुमर्स स्टाफ ने इसरत के लिए एंबुलेंस बुलाई। इसरत का काफी खून बह रहा था। जब उन्हें अस्पताल ले जाया गया तो वहां डॉक्टरों ने इसरत को मृत घोषित कर दिया।

महिला ने डेटिंग एप पर की दोस्ती, फिर ड्रग्स देकर कई लोगों को लगाया चूना; पैसा-गाड़ी चुराकर हुई फरार

लास वेगास , एजेंसी।
टिंग एप के जरिए धोखाधड़ी अब आम होती जा रही है। इसी तरह की धोखाधड़ी का मामला अमेरिका के लास वेगास से सामने आया है। अमेरिका में एक महिला ने डेटिंग एप के जरिए लोगों को सबसे पहले प्रेमसाल में फंसाया, फिर उनके साथ धोखा किया।

बताया जा रहा है लूटपाट के लिए महिला ने ड्रग्स का इस्तेमाल किया। महिला का नाम ऑरिया फ्लेप्स फेल्प्स बताया जा रहा है। महिला की उम्र 43 साल है।

डेट पर बुलाकर दिया ड्रग्स

लास वेगास की रहने वाली महिला ऑरिया फ्लेप्स ने विभिन्न डेटिंग एप के जरिए कई पुरुषों को पहले अपने प्रेमजाल में फंसाया और फिर उन्हें डेट पर बुलाकर उन्हें धोखे से ड्रग्स दिया। आरोपी महिला ने नशे की हालत में लोगों से लूटपाट की और उनके बैंक अकाउंट और क्रेडिट कार्ड आदि की जानकारी भी ले ली।

इतना ही नहीं आरोपी महिला ने स्टेरॉयड का इंजेक्शन लगाने के बाद पीड़ितों के सामाजिक सुरक्षा और रिटायरमेंट खातों में भी डाका डालने की कोशिश की है। महिला फिलहाल मेक्सिको में पुलिस हिरासत में है।

क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करके करते थे चोरी

एफबीआई ने ऑरिया फेल्प्स के डेटिंग घोटाले के शिकार हुए अन्य पुरुषों से आगे आने का अनुरोध किया। हालांकि ब्यूरो को संघीय अपराधों के पीड़ितों का नाम बताने के लिए कानून की आवश्यकता होती है, लेकिन उन्होंने कहा कि पहचान गुप्त रहेगी। रिपोर्ट के अनुसार, फेल्प्स पीड़ितों की कारें चुराती थी, उनके बैंक खातों से पैसे निकालती थी, उनके क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करके लग्जरी आइटम और सोना खरीदती थी

महिला पर वायर धोखाधड़ी और चोरी सहित 21 आरोप हैं। अधिकारियों ने कहा कि फेल्प्स पर पुरुषों की मौत के लिए भी आरोप हैं।

टिंडर के साथ-साथ इन एप्स का किया इस्तेमाल

अभियोग के अनुसार, फेल्प्स ने पीड़ितों में से एक को भारी मात्रा में बेहोश करके उसका अपहरण कर लिया और फिर उसे व्हीलचेयर पर अमेरिका-मेक्सिको सीमा पार ले गई। फिर वह उसे एक होटल के कमरे में ले गई, जहां बाद में उसे मृत पाया गया।

चार शवों के बदले इजरायल सैकड़ों फलिस्तीनी कैदियों को करेगा रिहा, नए समझौते पर बनी सहमति

दोनों के बीच नए समझौते पर बनी सहमति

इजरायल सैकड़ों फलिस्तीनी कैदियों को करेगा रिहा

येरूसलम, एजेंसी।
इजरायल और हमास के अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि सैकड़ों फलिस्तीनी कैदियों की रिहाई के बदले मृत बंधकों के शवों की अदला-बदली नीति पर दोनों तरफ से सहमती बन गई है। अधिकारियों ने बताया कि इजाय और हमास के बीच नाजुक युद्धविराम के कम से कम कुछ और दिनों तक बरकरार रहने की संभावना है। इजरायल द्वारा 600 फलिस्तीनी कैदियों को शनिवार को रिहा करना था, जिसमें देरी हुई। इस बारे में इजरायल ने कहा कि हमास ने रिहाई के दौरान बंधकों के साथ क्रूर व्यवहार किया। इस पर हमास की तरफ से बयान दिया गया कि कैदियों की रिहाई में देरी उनके युद्धविराम का गंभीर उल्लंघन है और जब तक कैदियों को रिहा नहीं किया जाता, तब तक दूसरे चरण की बातचीत संभव नहीं है। दोनों तरफ से इस तरह के गतिरोध के कारण युद्धविराम के असफल होने का खतरा मंडराने लगा था। बता दें, युद्धविराम के छह सप्ताह के पहले चरण की अवधि इस सप्ताह समाप्त होने वाली है। लेकिन इस बीच मंगलवार देर रात हमास ने कहा कि समूह के एक शीर्ष राजनीतिक अधिकारी खलील अल-हय्या की अध्यक्षता में एक प्रतिनिधिमंडल ने काहिरा की यात्रा के दौरान विवाद को हल करने के लिए एक समझौता किया था। फलिस्तीनी कैदियों के एक नए समूह को भी किया जाएगा रिहा इस समझौते के बाद अब चार और बंधकों के शवों और युद्धविराम के तहत रिहा किए जाने वाले सैकड़ों अतिरिक्त कैदियों की वापसी का रास्ता साफ हो गया है। बयान में कहा गया है कि जैसे ही इजरायली बंदियों के शवों को सौंपा जाएगा फिर पहले रिहा किए जाने वाले कैदियों को और फलिस्तीनी कैदियों के एक नए समूह को भी रिहा किया जाएगा।

बांग्लादेश में फिर संकट, छात्रों ने किया नई पार्टी बनाने का एलान; आर्मी चीफ ने नेताओं को दी चेतावनी

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल मच चुकी है। जिन छात्र नेताओं की वजह से शेख हसीना की सरकार गिर गई, उन्हीं छात्रों ने अब राजनीतिक पार्टी बनाने का एलान कर दिया है। उम्मीद जताई जा रही है कि अगले कुछ दिनों में छात्र एक राजनीतिक पार्टी बनाने की घोषणा करने वाले हैं। बता दें कि मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के सलाहकार नाहिद इस्लाम ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। नाहिद इस्लाम यूनुस कैबिनेट में सूचना सलाहकार के पद पर तैनात थे। उन्होंने मंगलवार को मोहम्मद यूनुस को अपना इस्तीफा दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नई पार्टी बनाने की घोषणा शुक्रवार दोपहर 3 बजे (बांग्लादेश समय के मुताबिक) की जाएगी। जातीय नागरिक समिति के मुख्य आयोजक सरजिस आलम ने सोमवार शाम को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए पार्टी बनाने का एलान किया है।

बांग्लादेश के हालात पर आर्मी चीफ चिंतित: बांग्लादेश में नेताओं के बीच आंतरिक स्थिति की पैदा हो गई है। बांग्लादेश आर्मी चीफ (सेना प्रमुख) ने भी सभी नेताओं को चेतावनी दी है। सेना प्रमुख वकार-उज्जमान ने कहा,देश की कानून व्यवस्था खराब होने के कुछ कारण हैं। पहला कारण है कि हम आपस में ही लड़ने में व्यस्त हैं। अगर आप अपने मतभेदों को नहीं भुलाते हैं तो इससे दिक्कत होगी। देश की संप्रभुता जोखिम में पड़ जाएगी। मैं चेतावनी दे रहा हूं। सभी नेता एक दूसरे पर आरोप लगाने में व्यस्त हैं, जिससे शरारती तत्वों को माहौल बिगाड़ने का मौका मिल रहा है। सेना प्रमुख वकार-उज्जमान ने नेताओं को कहा कि मैं सिर्फ आपको वार्निंग दे रहा हूं। इसके पीछे कोई निजी एजेंडा नहीं है। मैं देश की भलाई में यह बात कह रहा हूं। मैं सिर्फ शांति बहाली चाहता हूं।

छात्र आंदोलन की वजह से गई थी शेख हसीना की सरकार: पिछले साल सरकार नौकरियों में आरक्षण खत्म करने की मांग को लेकर छात्रों ने प्रदर्शन किए थे। आंदोलनकारी छात्रों ने शेख हसीना सरकार के खिलाफ देशभर में प्रदर्शन किए। इस हिंसक प्रदर्शन में 1200 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। छात्र आंदोलन की वजह से न सिर्फ शेख हसीना की सरकार गिर गई बल्कि उन्हें अपने परिवार के साथ भाग कर भारत में शरण लेनी पड़ी।

शादी करो वरना नौकरी से धोना पड़ेगा हाथ, सिंगल कर्मचारियों को कंपनी ने दिया अल्टीमेटम

बीजिंग ।
विदेशों में आमतौर पर लोग शादी करने का फैसला खुद लेते हैं। लेकिन चीन से एक ऐसा मामला आया है, जहां एक कंपनी ने अपने कर्मचारियों को शादी करने का अल्टीमेटम दे दिया है, शादी नहीं करने पर नौकरी से हाथ धोना भी पड़ सकता है।

चीन की एक कंपनी ने एक चौंकने वाली नीति पेश की है, जिसमें कंपनी ने सितंबर तक शादी करने में विफल रहने वाले सिंगल और तलाकशुदा कर्मचारियों को बर्खास्त करने की धमकी दी है।

इस नीति के बाद कंपनी को आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। साउथ चाइना मार्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, शेडोंग के शंटियन केमिकल ग्रुप द्वारा लागू की गई नीति को आलोचनाओं और आक्रोश और सरकारी हस्तक्षेप के बाद वापस ले लिया गया है।

जनवरी के महीने में शंटियन केमिकल ग्रुप ने 28 से 58 वर्ष आयु के कर्मचारियों को टार्गेट करते हुए एक नीति शुरू की, जिसमें मांग की गई कि ये लोग सितंबर तक शादी करें और घर बसा लें। जो लोग मार्च तक अविवाहित रहेंगे, उन्हें अपनी आलोचना करते हुए पत्र लिखकर जमा करना होगा।

आदेश के अनुसार, जो व्यक्ति जून तक शादी नहीं करता है उसका मूल्यांकन किया जाएगा और अगर वह सितंबर तक शादी नहीं करता है तो उसे नौकरी से

निकाल दिया जाएगा। कंपनी ने दावा किया कि इसका उद्देश्य कर्मचारियों में मेहनत, दया, लॉयल्टी और सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देना है।

कंपनी का ये आदेश चीनी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसकी खूब आलोचना भी हो रही है। यूजर्स ने कंपनी पर लेबर कानूनों के उल्लंघन को लेकर आलोचना की और कर्मचारियों के निजी जीवन में दखल देने का भी आरोप लगाया।

एक यूजर ने लिखा, कंपनी के नियम कानून सामाजिक नैतिक मूल्यों से बढ़कर नहीं हो सकते हैं। जबकि एक अन्य यूजर ने लिखा, चीन का विवाह कानून फ्रिडम ऑफ चॉइस की गारंटी देता है।

रद्द किया गया कंपनी का आदेश: कंपनी के इस आदेश के लगातार हो रहे विरोध के बाद स्थानीय ह्यूमन रिसोर्स और सोशल सिक्योरिटी ब्यूरो ने मामले में दखल दिया और एक संशोधन आदेश जारी करते हुए कंपनी के नोटिस को रद्द कर दिया।

अधिकारियों ने पुष्टि की कि कंपनी की नीति ने लेबर कानूनों का उल्लंघन किया है। इसी आलोचनाओं और विरोध के बाद कंपनी ने भी अपनी गलती स्वीकार कर ली है।

हाउस जीओपी ने ट्रंप की योजना के लिए बड़ा बजट किया पास

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थन से हाउस रिपब्लिकन ने मंगलवार को 4.5 ट्रिलियन डॉलर के टैक्स कट और 2 ट्रिलियन डॉलर की सरकारी खर्च में कटौती वाले जीओपी बजट को पास कर दिया है। हालांकि कुछ डेमोक्रेट्स ने इसका कड़ा विरोध किया और कुछ रिपब्लिकन भी इसे लेकर असमंजस की स्थिति में थे।

हाउस स्पीकर माइक जॉनसन को जीओपी बहुमत के साथ इसे पास कराने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। वोटिंग बेहद नजदीकी रही - 217 पक्ष में और 215 विपक्ष में। सभी डेमोक्रेट्स ने इसका विरोध किया। इस प्रस्ताव के तहत ट्रंप अपने पहले कार्यकाल में दिए गए टैक्स कट को आगे बढ़ाना चाहते हैं, जबकि सरकार के कई विभागों और सामाजिक योजनाओं में भारी कटौती की जाएगी। हालांकि, यह अभी सिर्फ पहला कदम है। सीनेट को अब इस पर काम करना होगा और अंतिम रूप देने में कई हफ्ते लग सकते हैं। टैक्स छूट के बदले स्वास्थ्य सेवाओं, खाद्य सहायता (फूड स्टैम्प), और छात्रवृत्ति

जैसी योजनाओं में कटौती की जा रही है, जिससे लोगों में गुस्सा है। डेमोक्रेट नेता हकीम जेफ्रीज ने इसे अमेरिका के लिए धोखा बताया। हालांकि जीओपी नेताओं ने कहा कि मेडीकेड (स्वास्थ्य सेवा) पर सीधा असर नहीं होगा, फिर भी कई सांसद चिंतित हैं। न्यूयॉर्क से रिपब्लिकन सांसद माइक लॉरलर ने कहा कि ट्रंप ने वादा किया है कि मेडीकेड में कटौती नहीं होगी। रिपब्लिकन के ही कुछ सांसद चिंतित हैं कि यह बजट देश के 36 ट्रिलियन डॉलर के कर्ज को और बढ़ा देगा। वहीं टैक्स कट की लागत 4.5 ट्रिलियन डॉलर है, जबकि सरकारी खर्च में केवल 2 ट्रिलियन डॉलर की कटौती हो रही है।

कई स्किन प्रॉब्लम को दूर कर सकता है सही फेस टोनर, जानिए कब और कैसे करें यूज

अगर स्किन केयर रूटीन सही है तो आप फ्लॉलेस स्किन पी सकती हैं। एक सही स्किन केयर में क्लिंजर, टोनर और मॉइश्चराइजर शामिल होता है। क्लिंजर चेहरे को डीप क्लीन करता है और मॉइश्चराइजर चेहरे नमी देने के साथ मुलायम बनाता है। वहीं फेस टोनर पीएच संतुलन में मदद करने के साथ छिद्रों को निखारने और स्किन में कसाव लाने में मदद करता है। अगर आरप रोजाना के स्किन केयर में टोनर का इस्तेमाल करते हैं तो आप कई स्किन प्रॉब्लम से छुटकारा पा सकते हैं। यहां जानिए फेस टोनर के कुछ फायदे और इसे कब और कैसे यूज करें।

फेस टोनर के फायदे

1) स्किन केयर में टोनर एक बेहतरीन और जरूरी स्टेप है। ये स्किन से एक्सट्रा गंदगी और मेकअप के अवशेषों को हटाने में मदद करता है। इसके इस्तेमाल से आप तैलिया स्किन या फिर ब्लैकहेड्स से खुद को बचा सकते हैं।

2) फेस पर टोनर लगाने से आप स्किन के पीएच को बैलेंस कर सकते हैं। इसके इस्तेमाल से मुंहासों के निशान, भरे हुए छिद्रों और खुरदुरे धब्बों को हटाने में मदद मिलती है।

3) फेस टोनर स्किन को मॉइस्चराइजर को ज्यादा अच्छे से अवशोषित करने में मदद करता है, ये मेकअप और डेड स्किन सेल्स को हटाने में भी मदद करता है।

4) सही टोनर आपके चेहरे को हेल्दी चमक पाने में मदद कर सकता है। ये स्किन टोन को भी बेहतर कर सकता है।

कब और कैसे यूज करें फेस टोनर

फेस टोनर को सुबह और रात के समय यूज करना चाहिए। सुबह के समय इसे लगाने से ये आपकी स्किन को सनस्क्रीन और मॉइस्चराइजर के लिए तैयार करता है और रात में इसे लगाने पर एक्सट्रा तेल और अशुद्धियों को हटाने में मदद मिलती है। इसका इस्तेमाल करने के लिए अपने चेहरे को साफ करें और फिर टोनर को कॉटन पैड या अपने हाथों से लगाएं। टोनर को अपनी स्किन पर धीरे से थपथपाएं। फेस टोनर को पलकों और होंठ जैसे सेंसेटिव हिस्सों पर लगाने से बचें। ध्यान रखें इसे लगाने के कुछ मिनट तक चेहरे को न छुएं और इसे स्किन को सोखने दें। जब ये सूख जाए फिर मॉइस्चराइजर या सीरम लगाएं।

लोगों का मन मोह रही यहां की प्राकृतिक सुंदरता

आमतौर पर छत्तीसगढ़ का कोरबा जिले को काले हीरे की धरती कहा जाता है. यह जिला यहां मौजूद कोयले के अकूत भंडार और बिजली उत्पादन करने वाले पावर प्लांट के लिए भी काफी जाना जाता है. इसके अलावा कोरबा जिला अपने खूबसूरत पर्यटन स्थलों के लिए भी काफी प्रसिद्ध है. हाल के दिनों में जिला मुख्यालय से लगभग 60 किलोमीटर दूर मनोरम जलप्रपात वाले पर्यटक स्थल देवपहरी की ख्याति काफी बढ़ी है.

बता दें, सतरेंगा को अंतरराष्ट्रीय टूरिस्ट स्पॉट के तौर पर विकसित करने की घोषणा हुई थी. इससे कुछ ही दूरी पर देवपहरी का जलप्रपात भी मौजूद है. जो न सिर्फ प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण है. बल्कि देवपहरी के नाम से प्रभु श्री राम का नाम भी जुड़ा हुआ है. लोग आज भी मानते हैं की वनवास के दौरान प्रभु श्री राम यहां आए थे और इस क्षेत्र को राक्षसों के आतंक से मुक्त कराया था.

देवपहरी में आज भी स्थित है भगवान राम की कुटिया

देवपहरी पहुंचने के लिए जिला मुख्यालय से दो रास्ते हैं. एक रास्ता बालको होते हुए काफी पॉइंट से घाटियों वाला है. जबकि दूसरा रूमगड़ा हवाई पट्टी की ओर से दोपहरी तक पहुंचता है. ज्यादातर लोग इसी रास्ते से सफर करते हैं. लेमरू रोड में पर्यटन स्थल सतरेंगा से आगे बढ़ने पर जिला मुख्यालय से लगभग 60 किलोमीटर दूर देवपहरी का जलप्रपात मौजूद है. यह खूबसूरत और मनोरम जलप्रपात चोरनई नदी पर बनता है. मुख्य जलप्रपात के अलावा इसके कई सहायक जलप्रपात भी हैं.

खासतौर पर जनवरी और फरवरी के महीने में इसकी खूबसूरती और बढ़ जाती है. बरसात के बाद जब ठंड का मौसम आता है, तब यहां ढेर सारे पर्यटक न सिर्फ जिला बल्कि राज्य भर से यहां, इस खूबसूरत जलप्रपात को देखने पहुंचते हैं.

चोरनई हसदेव की प्रमुख सहायक नदी है. जो हसदेव नदी में ही जाकर समाहित हो जाती है. देवपहरी और आसपास का पूरा इलाका घने जंगलों से घिरा है. लेमरू हाथी रिजर्व वाला इलाका भी इससे लगा हुआ है.

लेमरू के घने जंगल भी इसी क्षेत्र में हैं. जो हसदेव अरण्य क्षेत्र का हिस्सा है. इस पूरे क्षेत्र को इसकी खूबसूरती और घने वनों के लिए जाना जाता है. हसदेव और अन्य क्षेत्र को मध्य भारत का फेफड़ा कहा जाता है. वह इसलिए क्योंकि यहां देवपहरी जैसे खूबसूरत स्थान मौजूद हैं. जो कि यहां के घने वनों को सुरक्षित रखते हैं. 12 महीने इन नदियों में पानी होता है, यह पूरा इलाका हसदेव नदी का कैचमेंट एरिया है. घने वनों के कारण यहां साल भर हाथियों के मौजूदगी भी रहती है. यह हाथियों का रहवास क्षेत्र भी है. जहां अक्सर हाथी पानी पीने भी आते हैं.

न सिर्फ प्राकृतिक बल्कि पौराणिक मान्यताओं के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है देवपहरीपुरातत्व विभाग के मार्गदर्शक हरि सिंह क्षत्री कहते हैं कि भगवान राम यहां वनवास के दौरान आए थे, तब वे यहां ठहरे थे. जलप्रपात के ऊपर में वह स्थान है, असल में इसका नाम महादेवपहरी है. प्राचीन किले के अवशेष हैं, जिसमें शिव मंदिर के 11वीं 12वीं शताब्दी के अवशेष हैं इस क्षेत्र में रॉक आर्ट शेल्टर हैं. जहां आदिमानव रहा करते थे, इसके अलावा एक राक्षस की गुफा है. जहां राक्षसों का भी आवास था. जो की उस जमाने के साधु संत और ग्रामीणों को मार कर खा जाते थे. जिनके संहार के लिए साधु संतों ने भगवान राम को यहां बुलाया था और राम ने यहां राक्षसों को मारकर क्षेत्र को उनके आतंक से मुक्ति दिलाई थी.

श्रीराम की कुटिया और लक्ष्मण बैठकी भी है यहां

यहां एक छोटी सी कुटिया है. जहां राम ठहरते थे, लक्ष्मण बैठकी भी एक जगह है और एक ऋषि गुफा है. जहां तपस्या करने का स्थान है. मैनपाट की तरह एक स्थान है, जो दूर-दूर तक फैला हुआ है, यहां खेती भी होती है. जो आदि मानव का विचारण क्षेत्र भी रहा है. तो इसलिए देवपहरी केवल एक पर्यटन स्थल ना होके यहां एक गोमुखी नाला है. आदिवासियों में मान्यता है कि जब गौहत्या हो जाती तब उस नाले में नहाने से गौहत्या का पाप भी दूर हो जाता था. इसलिए इसका सांस्कृतिक महत्व भी है. चोरनई नदी पर गोविंद झुंज जलप्रपात बनता है. जिसके अनेक सहायक जलधारा भी हैं. जो आगे जाकर मान घोघर नदी में मिलते हैं. सभी हसदेव नदी की सहायक नदियां हैं. जहां साल भर पानी रहता है. इसलिए यह स्थान प्राकृतिक खूबसूरती से परिपूर्ण तो है ही, लोगों की आस्था से भी जुड़ा है. हर तरह से यह स्थान बहुत महत्वपूर्ण है.

पर्यटक यहां आकर होते हैं आनंदित

देवपहरी पहुंची पर्यटक राजकुमारी ने बताया कि देवपहरी काफी खूबसूरत स्थान है. यहां के मान्यताओं पर हमें पूरा भरोसा है कि यहां से राम आए थे. इसलिए यहां घूमने आए हैं. काफी खूबसूरत झरना है. पहली बार आई हूं, काफी अच्छा लगा.

रामप्रवेश ने बताया कि देवपहरी एक काफी सुंदर स्थान है. यहां जो झरना है और यह देखने में काफी अच्छा लगता है. यहां के बारे में मैंने सुना था कि पत्थर और झरना देखने में काफी मनोरम दृश्य है. पहली बार आया हूं और मुझे बहुत खुशी हो रही है. यहां थोड़ा खतरा भी है, लोगों को सावधानी भी बरतनी चाहिए. पत्थर काफी चिकने हैं.

एलएन जायसवाल ने बताया कि यहां का जो जलप्रपात है? जिले के साथ ही पूरे राज्य में प्रसिद्ध है. एक विहंगम दृश्य है. लोग यहां आकर काफी खुशी महसूस करते हैं और काफी आनंद मिलता है. लोग कहते हैं कि भगवान राम वनवास के दौरान एक स्थान पर रुके थे और इससे अधिक जानकारी तो नहीं है. लेकिन यह मान्यता जरूर है. जिस पर लोग यकीन करते हैं.

प्रशासन ने भी इस स्थान पर सावधान रहने के बोर्ड लगाए हैं. लोगों को चेतावनी भी देते हैं. थोड़ा खतरनाक स्थान भी है. इसलिए लोगों को सावधानी भी बरतनी चाहिए. इस स्थान पर आए हैं तो जानबूझकर खतरा मोल ना लें.

भूलकर भी नहीं छूने चाहिए हनुमान जी के पैर जानिए इसके पीछे की सच्चाई

हनुमान जी से जुड़े कई ऐसे रहस्य हैं जो आज भी पहेली बने हुए हैं. इन्हीं रहस्यों में से एक रहस्य यह भी है कि उनके पैरों के नीचे कौन रहता है और हनुमान जी के पैर के क्यों नहीं छूने चाहिए? बता दें कि हिंदू धर्म में हनुमान जी को भगवान राम के परम भक्त और सर्वोच्च देवता माना जाता है. धार्मिक ग्रंथों में हनुमान जी से जुड़े कई रहस्यों का वर्णन किया गया है. इन्हीं में से एक रहस्य यह भी है कि हनुमान जी के पैरों के नीचे कौन रहता है और उनका पैर लोगों को क्यों नहीं छूना चाहिए?

पौराणिक कथा के अनुसार, जब भगवान शिव ने शनिदेव को अपना कर्म-दान नियुक्त किया, तो शुरुआत में तो सब कुछ ठीक चल रहा था, लेकिन धीरे-धीरे शनिदेव को अपनी शक्तियों का घमंड होने लगा, जिसके कारण पृथ्वी वासियों को उनका भयंकर क्रोध और अनुचित दंड भोगना पड़ा. इसी बीच, हनुमान जी पृथ्वी लोक का भ्रमण करने निकले, वहां उन्होंने देखा कि पृथ्वी पर ऐसा कोई भी व्यक्ति नहीं था, जिसे बिना किसी कारण और बिना किसी अपराध के शनिदेव का क्रोध परेशान न कर रहा हो.

शनिदेव का क्रोध पृथ्वी पर मनुष्यों और स्वर्ग में देवताओं पर भारी पड़ रहा था , यह देखकर हनुमान जी शनिदेव से मिलने और उन्हें समझाने के लिए उनके लोक पहुंचे. हनुमान जी ने शनिदेव से मिलकर उन्हें पृथ्वी और स्वर्ग का हाल बताया और शनिदेव से प्रार्थना की कि वे अपना क्रोध शांत करें और किसी को बिना किसी कारण दंड न दें. शनिदेव को समझाते हुए हनुमान जी ने कहा कि अशुभ फल उन्हीं को मिलते हैं जो दंड के अधिकारी होते हैं, लेकिन शनिदेव अपनी शक्तियों के मद में इतने मग्न थे कि उन्हें अपनी गलती का अहसास ही नहीं हुआ और उन्होंने हनुमान जी का भी अपमान कर दिया.

हनुमान जी के समझाने पर भी शनिदेव ने विनम्रता के स्थान पर क्रोध में आकर उनके साथ दुर्व्यवहार किया, शनिदेव की यह मनोदशा देखकर, हनुमान जी ने शनिदेव को उनकी गलती का अहसास कराकर उन्हें सही रास्ते पर लाने का निर्णय लिया, जिसके बाद एक बार फिर से हनुमान जी शनिदेव के यहां पहुंचे, जिसके बाद हनुमान जी और शनिदेव के बीच भयंकर युद्ध हुआ, माना जाता है कि यह युद्ध कई महीनों तक चला था, जिसमें शनिदेव की शक्ति क्षीण होने लगी थी.

अपनी शक्ति कम होती देख शनिदेव चिंतित हो गए, जब शनिदेव ने देखा कि हनुमान जी अत्यंत क्रोधित हैं तो वे वहां से भागकर एक स्थान पर छिप गए और हनुमान के क्रोध से छुटकारा पाने के तरीके खोजने शुरू कर दिए, यह तब था जब उन्हें लगा कि हनुमान एक ब्रह्मचारी हैं और कभी किसी महिला को चोट नहीं पहुंचा सकते, उन्होंने एक महिला का रूप धारण कर लिया और हनुमान के चरणों में आत्मसमर्पण कर दिया तथा क्षमा मांगी, जिसके बाद हनुमान जी ने उन्हें अभय दान दे दिया। ऐसा माना जाता है कि तब से शनिदेव हनुमान जी के चरणों में निवास करते हैं.

गुजरात के सारंगपुर में कष्टभंजन हनुमान देव

गुजरात के सारंगपुर में इस कहानी से जुड़ा एक मंदिर है. इस मंदिर का नाम कष्टभंजन हनुमान देव मंदिर है. इसका स्वरूप बहुत भव्य है. यह मंदिर अपने पौराणिक महत्व, सुंदरता और भव्यता के लिए बहुत प्रसिद्ध है. मंदिर में स्थापित मूर्ति में साफ देखा जा सकता है कि लकड़ी के हनुमान जी सोने के सिंहासन पर विराजमान हैं. हनुमान की मूर्ति के चारों ओर वानरों की सेना दिखाई देती है. हनुमान के साथ शनिदेव भी स्त्री रूप में मौजूद हैं. शनि हनुमान के चरणों में बैठे हैं.